THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

बेंगलुरू महालक्ष्मी मर्डर केस, मुख्य आरोपी ने सुसाइड किया

भद्रक/बेंगलुरू, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरू के महालक्ष्मी मर्डर केस के मुख्य आरोपी ने ओडिशा के भद्रक जिले के गांव में बुधवार दोपहर फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उसका शव एक पेड़ पर लटकता मिला। उसकी बाइक भी वहीं खड़ी मिली।

पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम मुक्तिरंजन रॉय है। उसके पास से एक डायरी बरामद हुई है, जिसमें उसने महालक्ष्मी के मर्डर की बात कबूली है। महालक्ष्मी और रंजन साल 2023 एक-दूसरे जानते थे और रिलेशनशिप में थे। दोनों एक ही मॉल में काम करते थे। 20 सितंबर को बेंगलुरू के व्यालिकावल इलाके में बसप्पा गार्डन के पास बने तीन मंजिला मकान में 29 साल की महालक्ष्मी की लाश मिली थी।

वर्ष-29 अंक : 186 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.10 2081 शुक्रवार, 27 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'अब्दुल्ला और नेहरू 40 हजार हत्याओं के जिम्मेदार'

✲ जब कश्मीर में आतंकवाद हावी था ✲ फारूक लंदन में महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे : शाह

श्रीनगर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह आज जम्मू-कश्मीर में चुनावी रैली कर रहे हैं। उन्होंने चेनानी और उधमपुर में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह अब्दुल्ला और नेहरू ही हैं जो जम्मू और कश्मीर में 40,000 लोगों की हत्या के जिम्मेदार हैं। उस समय फारूक अब्दुल्ला कहां थे? वह गर्मियों में लंदन में छुट्टियां मना रहे थे और महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे। कोई पार्टी नहीं, सिर्फ भाजपा ने जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद को खत्म किया है। शाह ने कहा कि हमारी देश की संसद पर जिस अफजल गुरु ने हमला करवाया उसकी फांसी की सजा का ये लोग विरोध कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला साहब, आप आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते रहिए, लेकिन जो आतंक फैलाएगा, उसका जवाब फांसी के तख्ते पर ही दिया जाएगा।

आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में एक ऐसा चुनाव होने जा रहा है, जब यहां न धारा-370 है और न ही अलग झंडा है। जम्मू-कश्मीर 40 साल तक आतंकवाद की दहशत में रहा, 40,000 लोग मारे गए, 3,000 दिन कर्फ्यू रहा। हर दिन पाक प्रेरित आतंकवादी बम और गोलियां चलाते थे। हमारी सरकार ने धारा-370 को खत्म कर दिया। अब न पत्थरबाजी होती है, न ही गोलियां चलती हैं। कांग्रेस, एनसी जम्मू-कश्मीर में फिर आतंकवाद लाना चाहते हैं। आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे। उमर अब्दुल्ला और राहुल कह रहे थे कि हम जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र लाएंगे। किस मुंह से कह रहे हैं आप? अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार ने 70 साल तक जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को बांध कर रखा। अभी-अभी राहुल गांधी यहां आए थे। उन्होंने कहा कि बाहर के लोग यहां शासन करते हैं, उनका मतलब उप-राज्यपाल जी से था। राहुल को पता होना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में सबसे ज्यादा राष्ट्रपति शासन अगर किसी के शासन में रहा तो वो इनकी नानी और पिताजी राजीव गांधी के समय में रहा है।

जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव

जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। 2019 में आर्टिकल-370 हटाने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव है। जम्मू-कश्मीर में 90 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनमें 7 अनुसूचित जातियों के लिए और 9 अनुसूचित जनजातियों के लिए रिजर्व हैं। 18 सितंबर को पहले फेज की वोटिंग हो चुकी है। 25 सितंबर को दूसरे फेज और 1 अक्टूबर को तीसरे फेज की वोटिंग होगी। 8 अक्टूबर को नतीजे आएंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक यहां 88.06 लाख वोटर हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने 28 सीटें, जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने 15 और कांग्रेस ने 12 सीटें जीती थीं।

वडोदरा में 110 किमी की रफ्तार से तूफान, 4 मौतें

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई और गुजरात में पिछले 24 घंटे में तूफान और बारिश के चलते 8 लोगों की जान चली गई। मुंबई में बुधवार शाम 5 घंटों में 3.9 इंच से ज्यादा बारिश हुई। सड़कों पर पानी भर गया और लोग जाम में फंस गए। मुंबई एयरपोर्ट पर 14 फ्लाइट्स डायवर्ट करनी पड़ीं। 4 लोगों की जान चली गई, इनमें एक महिला की मौत मैनहोल में गिरने से हुई। मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट है। मुंबई, ठाणे, पालघर, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी कर दी गई है। पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा होनी थी, लेकिन ग्राउंड में पानी भरने के चलते इसे रद्द कर दिया गया है।

भारत का शुक्रयान 2028 में लॉन्च होगा

4 साल का मिशन, यह पृथ्वी का जुड़वां ग्रह इसका एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारत का पहला शुक्र मिशन मार्च 2028 में लॉन्च किया जाएगा। केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को इस मिशन की मंजूरी दी। यह मिशन चार साल का होगा। वीनस यानी शुक्र ग्रह धरती से करीब 4 करोड़ किमी दूर है। वीनस को पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। हालांकि, यहां का दिन-रात पृथ्वी की तुलना में काफी लंबा होता है। दरअसल वीनस अपनी धुरी पर बहुत धीमे घूमता है। इसकी वजह से वीनस का एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है।

भारत का यह मिशन वीनस के ऑर्बिट का अध्ययन करेगा। ग्रह की सतह, वायुमंडल, ऑयनोस्फियर (वायुमंडल का बाहरी हिस्सा) की जानकारी जुटाएगा। वीनस सूर्य के नजदीक (करीब 11 करोड़ किलोमीटर) है। ऐसे में सूर्य का इस पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसका भी पता लगाएगा। वीनस ग्रह को अक्सर पृथ्वी का जुड़वां कहा जाता है क्योंकि यह आकार और डेंसिटी (घनत्व) के मामले में पृथ्वी जैसा है। इसलिए, वीनस के अध्ययन से पृथ्वी के विकास को समझने में मदद मिल सकती है। माना जाता है कि वीनस पर भी कभी पानी था, लेकिन अब यह सूखा और धूल भरा ग्रह बन गया है।

वीनस की सतह का तापमान लगभग 462 डिग्री सेल्सियस है। यह बुध से भी ज्यादा गर्म है, जबकि बुध सूर्य के सबसे नजदीकी ग्रह है। वीनस के ज्यादा गर्म होने की वजह ग्रीनहाउस इफेक्ट है। इसमें सूर्य की गर्मी वायुमंडल में आती है तो वहीं कैद हो जाती है और वायुमंडल से बाहर नहीं जाती। इससे ग्रह की सतह ज्यादा गर्म हो जाती है।

लैंडर 2 घंटे से ज्यादा काम नहीं कर पाया : वीनस की गर्मी के कारण यहां अब तक भेजे गए लैंडर दो घंटे से ज्यादा काम नहीं कर पाए हैं। इसके वायुमंडल का दबाव भी पृथ्वी से बहुत ज्यादा है। आसान भाषा में समझें तो, यहां इतना प्रेशर है, जितना पृथ्वी में समंदर के नीचे महसूस होता है।

अग्निवीर बना पेंशन-शहीद का दर्जा छीना : राहुल

हिसार/करनाल, 26 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव को लेकर राहुल गांधी ने गुरुवार को असंध और बरवाला में रैली की। असंध में राहुल गांधी ने कहा भाजपा ने एथलीट्स खत्म कर दिए।

महिला पहलवानों से सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वालों को बचाया। बरवाला में कांग्रेस नेता ने कहा- अग्निवीर स्कीम लाकर जवानों से पेंशन और शहीद का दर्जा छीन लिया गया। राम मंदिर बनाया लेकिन आदिवासियों को नहीं घुसने देते। राहुल ने कहा-मोदी जी का चेहरा देखा है। पहले 56 इंच की छाती हुआ करती थी। अब कहते हैं नॉन बायोलॉजिकल हूं, मेरा भगवान से सीधा रिश्ता है। घबरा गए हैं, तभी उल्टी सीधी बात बोल रहे हैं। राहुल ने हरियाणा में क्लीन स्वीप का दावा करते हुए कहा कि वे हरियाणा की जनता की जेब में डायरेक्ट पैसा डालेंगे। करनाल रैली में राहुल गांधी भूपेंद्र हुड्डा और कुमारी सैलजा को एक साथ मंच पर लेकर आए। टिकट बंटवारे में अनदेखी और हुड्डा समर्थकों के कथित जातिसूचक शब्द कहे जाने से सैलजा नाराज चल रहीं थीं।

विधायक ए. राजा की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सीपीआईएम विधायक ए राजा की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। ए राजा ने केरल हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। दरअसल केरल हाईकोर्ट ने केरल की देवीकुलम सीट से ए राजा के निर्वाचन को रद्द करने का आदेश दिया था। देवीकुलम सीट पर दूसरे स्थान पर रहे कांग्रेस नेता डी कुमार ने ए राजा के निर्वाचन को चुनौती दी थी।

घरेलू हिंसा के कानून में नहीं चलेगा हिंदू-मुसलमान

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया-सबपर होगा लागू

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि डीवी एक्ट (डोमेस्टिक वॉयलेंस एक्ट) 2005 तमाम महिलाओं पर लागू होता है। महिलाओं को भारतीय संविधान में जो अधिकार मिले हुए हैं उन अधिकारों को प्रोटेक्ट करने के लिए यह कानून है और यह सभी महिलाओं पर समान रूप से लागू होता है। यह एक्ट एक सिविल कोड की तरह है और इस तरह से यह भारत की सभी महिलाओं पर लागू होता है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि महिला किस धर्म या समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। यह तमाम धर्म व समुदाय से ताल्लुक रखने वाली महिलाओं पर लागू होता है। कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को महिला ने चुनौती दी थी। दरअसल महिला फरवरी 2015 में गुजारा भत्ता आदि के लिए डीवी एक्ट के तहत मैजिस्ट्रेट कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। मैजिस्ट्रेट कोर्ट ने अर्जी स्वीकार कर ली और प्रति महीने 12000 रुपये गुजारा भत्ता और एक लाख रुपये मुआवजे भुगतान किए जाने का निर्देश दिया था। महिला के पति ने इस फैसले को चुनौती दी। अपीलीय कोर्ट ने देरी के आधार पर अर्जी खारिज कर दी। इसके बाद पति ने दोबारा अर्जी दाखिल की। तब पति की अर्जी अपीलीय कोर्ट ने स्वीकार कर ली। निचली अदालत स्थित मैजिस्ट्रेट को अपीलीय कोर्ट ने मामला भेजा और फिर से आवेदन पर विचार करने को कहा। इस फैसले को महिला ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। हाई कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी। हाई कोर्ट ने मैजिस्ट्रेट कोर्ट को निर्देश दिया कि वह महिला के पति द्वारा डीवी एक्ट की धारा-25 के तहत दायर याचिका पर दोबारा से विचार करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि डीवी एक्ट की धारा-25 के तहत अर्जी दाखिल हो सकती है लेकिन यह अर्जी तब दाखिल हो सकती है जब परिस्थितियों में बदलाव हुआ हो। परिस्थितियों में बदलाव के बाद आदेश में बदलाव के लिए याचिका दायर की जा सकती है। परिस्थितियों में बदलाव का मतलब यहां इनकम में बदलाव आदि से है।

यानी धारा-25 (2) का इस्तेमाल तब हो सकता है जब परिस्थितियों में बदलाव हो। बेंच ने कहा है कि पति इसलिए अर्जी दाखिल नहीं कर सकता है कि उसके द्वारा भुगतान कर दिए गए पैसे को रिफंड किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने अपीलीय कोर्ट और हाई कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया।

BIG SAVINGS

SWIFT ₹46 100*

WAGONR ₹81 854*

3 years 100 000 km WARRANTY* EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

SCAN TO CHAT WITH US

SWIFT WAGONR

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP.

Black glass on the vehicle is due to lighting effect.

MARUTI SUZUKI AUTHORISED DEALERS: HYDERABAD: ACER: (TIRUMALGIRI) CALL: 9154073240. AUTOFIN: (BOWENPALLY) CALL: 040-67292222. JAYABHERI: (GACHIBOWLI) CALL: 040-67263425. (UPPAL) CALL: 9281105815. PAVAN: (SERILINGAMPALLY) CALL: 7093711199. VARUN: (BEGUMPET) CALL: 9100050937. (BANJARA HILLS) CALL: 9100050937. (KUKATPALLY) CALL: 9100050937. (VANASTHALIPURAM) CALL: 9100050937. (GACHIBOWLI) CALL: 9100050937. (KOMPALLY) CALL: 9100050937 RKS: (NARSINGI) CALL: 9848898488. (SOMAJIGUDA) CALL: 9848898488. (MALAKPET) CALL: 9848898488. (SECUNDERABAD) CALL: 9848898488. (KUSHAIGUDA) CALL: 9848898488. MITHRA: (HIMAYATHNAGAR) CALL: 040-27634444. (MEHDIPATNAM) CALL: 7799884949. SAI SERVICE: (ERRAGADDA) CALL: 7331168888. (MIYAPUR) CALL: 7331168888. ADARSHA: (ATTAPUR) CALL: 8897973366. (KARMANGHAT) CALL: 8297576633. KALYANI MOTORS: (NACHARAM) CALL: 9100102157. (LB NAGAR) CALL: 9100102157. GEM MOTORS: (KONDAPUR) CALL: 9272506060. E-OUTLETS: SAI SERVICE: (SANGAREDDY) CALL: 7331168888. ADARSHA: (SIDDIPET) CALL: 9581656633. VARUN: (MEDAK) CALL: 9703656111. AUTOFIN: (MEDCHAL) CALL: 8885040034. PAVAN: (IBRAHIMPATNAM) CALL: 7093711199.

*Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/ variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. *Terms and conditions apply. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. Above offers are valid till 30th September, 2024.

बीजेपी नेता की पत्नी से विवाद में कैसे फंस गए संजय राउत

15 दिन की कैद; फिर कोर्ट ने सजा 30 दिन टाली

मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मझगांव ने शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत को मानहानि मामले में दोषी ठहराया है। उन्हें 15 दिन की कैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही उन पर 25,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी डॉ. मेधा की गई शिकायत पर दर्ज मामले में यह फैसला सुनाया गया है। हालांकि, बाद में कोर्ट ने राउत की सजा को 30 दिन के लिए टाल दिया और उन्हें जमानत दे दी। डॉ. मेधा ने पिछले साल याचिका में कहा था- राउत ने निराधार और अपमानजनक आरोप लगाया है कि वे और उनके पति मुंबई के मीरा भायंदर इलाके में सार्वजनिक शौचालयों को बनाने और रखरखाव से जुड़े 100 करोड़ रुपए के घोटाले में शामिल हैं।

क्या है वो पूरा मामला?

किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि संजय राउत ने उनके और उनके पति के खिलाफ पूरी तरह से आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि राउत ने उन पर मीरा भयंदर नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में कुछ सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण और रखरखाव पर 100 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया था। मेधा ने अपनी शिकायत में ये भी आरोप लगाया था कि आरोपी द्वारा मीडिया को दिए गए बयान अपने आप में अपमानजनक हैं। आरोपी के उस बयान से मेरे चरित्र को खराब करने की कोशिश की जा रही है। आम जनता की नजर में मेरी छवि खराब हो रही है।

संजय राउत ने 12 अप्रैल 2022 को शिवसेना के मुखपत्र कहे जाने वाले सामना में किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया पर एक लेख लिखा था। इस लेख में राउत ने मेधा और उनके एनजीओ युवा प्रतिष्ठान पर करोड़ों के शौचालय घोटाले का आरोप लगाया था। उन्होंने लिखा कि मेधा ने अपनी राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल करते हुए मीरा-भायंदर इलाके में 16 शौचायल के निर्माण के लिए कॉन्ट्रैक्ट लिया था। इसमें मेधा ने करीब 3 करोड़ 90 लाख रुपये से अधिक का घोटाला किया था। सामना में इस लेख के छपने के बाद विवाद खड़ा हो गया। इस लेख को देखकर मेधा सोमैया ने कहा कि उनकी छवि खराब हुई है और इससे उन्हें मानसिक पीड़ाओं का सामना करना पड़ा। मेरे मान को ठेस पहुंची है। मेरे दोस्त, नाते रिश्तेदार और सगे-संबंधी मुझे शक की नजरों से देखते हैं। लोग मुझसे तरह-तरह के सवाल पूछते हैं। वहीं मेधा के पति और बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने कहा कि सोमैया परिवार के खिलाफ 100 करोड़ का भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाकर जो अभियान चलाया था उसे लेकर हमने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और तत्कालीन पुलिस कमिश्नर से शिकायत की थी।

उन्होंने कुछ भी नहीं किया इसलिए मेधा सोमैया ने 18 मई 2022 को आधिकारिक कानूनी शिकायत दायर की। 28 महीने इस मामले में सुनवाई हुई। आज अदालत ने संजय राउत को दोषी ठहराया है। 15 दिन की सजा सुनाई गई है। पुलिस ने तुरंत संजय राउत को कब्जे में लिया है। साथ ही 25 हजार रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया है।

नेता किरीट सोमैया- डॉ। मेधा किरीट सोमैया- संजय राउत

राउत को सजा मिलने पर क्या बोलीं मेधा?

संजाय राउत के खिलाफ कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए मेधा सोमैया ने कहा कि मुझे खुशी है कि मुझे न्याय मिला और मेरे और मेरे परिवार के सदस्यों के खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे साबित हुए। मैंने न्याय पाने के लिए लड़ाई लड़ी और वैसा ही किया जैसा परिवार की कोई अन्य महिला करती। मुझे लगता है कि अदालत ने एक शिक्षक और एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में मेरी स्थिति का सम्मान किया है। फैसले के खिलाफ अपील करने के आरोपी के अधिकार के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान फोर्टिस अस्पताल में भर्ती, कैसी है तबीयत?

चंडीगढ, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि नियमित जांच के लिए सीएम मान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी उनका स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक बताया जा रहा है। कुछ और जरूरी जांच के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। बता दें कि कुछ दिन पहले सीएम मान की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके पेट में इंफेक्शन की समस्या हो गई थी। इससे पहले चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर विमान से उतरते वक्त भी मुख्यमंत्री की तबीयत बिगड़ी थी, तब उन्हें चंडीगढ़ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इसके बाद उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री को 17 सितंबर को रात 9 बजे साउथ दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी उनसे मिलने के लिए पहुंचे थे। उस दौरान पेट में मरोड़ और दर्द की समस्या की वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उत्तराखंड में बिगड़ सकते हैं हालात, 30 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट, नदी-नाले उफान पर

चमोली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। टिहरी, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जैसे क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जिससे भूमि कटाव और भूस्खलन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 30 सितंबर तक राज्य के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। टिहरी जिले के घनसाली क्षेत्र में देर रात से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे धर्मगंगा नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है।

इस कारण नदी के पास सड़क खोलने के लिए जुटी पोकलैंड मशीन नदी के बीचों-बीच फंस गई है। बूढ़ाकेदार क्षेत्र के ग्राम प्रधान सनौप सिंह राणा ने बताया कि क्षेत्र में लगातार बारिश जारी है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। बाजार के समीप पीएमजेएसवाई विभाग द्वारा बनाई जा रही बूढ़ाकेदार-पिंस्वाड मोटरमार्ग भी नदी के कटाव से क्षतिग्रस्त हो गई है। क्षेत्र में सड़कों के बहने और नदी किनारे भूमि कटाव की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे लोगों का आवागमन ठप हो गया है।

पूर्व ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से मिली राहत बढ़ी

अब 4 अक्टूबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण 4 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। जानकारी के मुताबिक, संबंधित वकीलों द्वारा विस्तृत प्रस्तुतियां देने के लिए समय मांगे जाने के बाद अदालत ने मामले को स्थगित कर दिया। इस बीच, दिल्ली पुलिस के वकील ने अदालत को सूचित किया कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, मामले में एक बड़ी साजिश सामने आ रही है।

सर्टिफिकेट में पूजा खेड़कर ने बदला था अपना नाम

बता दें, पूर्व ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर के मामले में दिल्ली पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि पूजा द्वारा दिया गया विकलांगता प्रमाणपत्र फर्जी है। दिल्ली पुलिस में हाई कोर्ट में दाखिल की गई अपनी स्टेटस रिपोर्ट में माना था कि पूजा खेड़कर का डिसएबिलिटी सर्टिफिकेट फर्जी है। सिविल परीक्षा 2022 और 2023 के दौरान पूजा ने सर्टिफिकेट दाखिल किया था। सर्टिफिकेट में पूजा खेड़कर ने अपना नाम बदला था। इन सर्टिफिकेट के महाराष्ट्र से जारी होने का दावा भी झूठा पाया गया था।

इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने 29 अगस्त को पूर्व आईएएस परिवीक्षाधीन अधिकारी पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से दिया गया अंतरिम संरक्षण 5 सितंबर तक बढ़ा दिया था। उन पर धोखाधड़ी और गलत तरीके से ओबीसी और दिव्यांगता कोटे का लाभ प्राप्त करने का आरोप है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई पांच सितंबर तक के लिए टाल दी और पुलिस को इस बीच ताजा स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने की स्वतंत्रता दी थी।

खेत बेचकर अमेरिका जा रहे हरियाणा के युवा बेरोजगारी चरम पर: राहुल गांधी

करनाल, 26 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में अपने चुनावी अभियान का आगाज करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र और प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने असंध में आयोजित रैली में कहा कि हरियाणा की सरकार ने हरियाणा को खत्म कर दिया है। यहां के युवा खेत बेचकर अमेरिका जाने को मजबूर हो रहे हैं। यहां पर बेरोजगारी चरम पर है। अपने संबोधन की शुरुआत में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कुछ दिन मैं अमेरिका गया।

अमेरिका में मेरा कार्यक्रम टेक्सास में था, किसी ने मुझसे कहा कि वहां पर मुझे हरियाणा के युवाओं से मिलना चाहिए। मैं आपको उस वीडियो के बारे में बोलना चाहता हूं। आज हरियाणा के बारे में जो समझना चाहते हो तो उस वीडियो में सब कुछ है। जब मुझे बताया कि हरियाणा से 15 से 20 हजार लोग अमेरिका गए। मैं हैरान हो गया कि आखिर हरियाणा से इतने लोग अमेरिका क्यों जा रहे हैं। वहां पर मैं डैलस में हरियाणा के लोगों से मिला। वहां एक कमरे में 15 से 20 लोग सोते हैं, मैंने उनसे पूछा कि आप अमेरिका कैसे आए। उन्होंने मुझे देशों की लिस्ट दे दी। जिसमें टर्की-ताजिकिस्तान से होते हुए कई देशों से फिर वहां पहुंचे। अमेरिका के सफर के दौरान हमें कई बार लूटा गया।

हमने अपनी आंखों से अपने लोगों को मरते हुए देखा। उन्होंने बताया कि हम यहां तक 30-35 लाख रुपये खर्च करके पहुंचे हैं। इसके लिए अपनी जमीन तक बेचनी पड़ी। कई ने महंगे दर पर बैंक से लोन लिए। राहुल ने कहा कि अमीर के घर से अगर आप नहीं हैं तो आपको लोन भी नहीं मिलता। हरियाणा के युवा खेत बेचकर अमेरिका जाने को मजबूर हो रहे हैं। यहां पर बेरोजगारी चरम पर है। प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार अपनी स्पीड पकड़ता जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज गुरुवार से हरियाणा में अपने चुनावी अभियान का आगाज किया। राहुल गांधी ने करनाल जिले में आने वाली असंध सीट पर पार्टी के उम्मीदवार शमशेर सिंह गोगी के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया। सैलजा के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा भी मंच पर मौजूद रहे।

दिल्ली में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो शातिर गिरफ्तार, हथियार बरामद

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में आपराधिक वारदात थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली पुलिस स्पेशल स्टाफ और बदमाशों के बीच गुरुवार सुबह के समय भी ख्याला इलाके में मुठभेड़ होने की सूचना है। यह घटना ख्याला इलाके के नाला रोड पर सुबह आठ बजकर 30 मिनट की है। दिल्ली पुलिस ने इस घटना में एनकाउंटर के दौरान दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक एनकाउंटर के दौरान बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिससे वो फरार होने में कमायाब नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से हथियार भी बरामद किए हैं। डीसीपी के मुताबिक दोनों बदमाश पश्चिमी जिले में लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे थे। दोनों घायल की पहचान विकास और रमेश के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक दोनों बदमाश सुबह के समय इलाके में बड़ी वारदात को अंजाम देने आए थे। दोनों क्रिमिनल्स आपराधिक घटना को अंजाम दे पाते, उससे पहले पुलिस ने उन्हें एनकाउंटर के दौरान दबोच लिया।

पाकिस्तानी महिला को देखते ही दे बैठा दिल

मिलने के लिए कश्मीर से निकला और गुजरात में हो गया गिरफ्तार

कच्छ, 26 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान जाने के लिए एक युवक गुजरात में बॉर्डर के पास पहुंचा था। शख्स बॉर्डर पार जाने की कोशिश कर रहा था इसी दौरान सुरक्षाबलों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, प्यार के चक्कर में पड़ा युवक अपनी प्रेमिका से मिलने जा रहा था। सुरक्षाबलों ने शख्स को गुजरात के कच्छ जिले के खावड़ा गांव से हिरासत में ले लिया। वहीं अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर के एक शख्स को बॉर्डर पार जाने की कोशिश के दौरान गिरफ्तार करने की जानकारी दी। गिरफ्तार किया गया शख्स जम्मू कश्मीर के बांदीपुरा जिले का रहने वाला है। इम्तियाज शेख मुल्तान को एक मीडिया इन्फ्लुएंसर से सोशल मीडिया पर प्यार हो गया था। जिसके बाद वो अपनी प्रेमिका से मिलने जा रहा था। इसके लिए वो गुजरात से पाकिस्तानी सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के बाद से उसे छोड़ दिया गया। इम्तियाज शेख मुल्तान कानूनी रूप से पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश करना चाहता था। इम्तियाज ने पूछातछ में बताया कि उसने स्थानीय लोगों की मदद से अधिकारियों की अनुमति लेने की कोशिश की थी।

ओडिशा केस में कोर्ट का बड़ा फैसला

भरतपुर थाने के एसएचओ का होगा नार्को, ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफी टेस्ट

भुवनेश्वर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में आर्मी अफसर और उसकी मंगेतर के साथ मारपीट और उत्पीड़न मामले में कोर्ट ने बड़ा फैसला लिया है। भरतपुर थाने के जिस पुलिस अफसर (एसएचओ) पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं, उसका नार्को, ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफी टेस्ट होगा। भरतपुर के थाना प्रभारी दीनकृष्ण मिश्र ने कोर्ट में तीनों टेस्ट करवाने के लिए अपनी सहमति दी है। एसएचओ ने कोर्ट में कहा, मैं निर्दोष हूं, मैं अपराध में शामिल नहीं हूं। मेरे खिलाफ गलत आरोप लगाए गए हैं। मुझे नार्को, पॉलीग्राफी और ब्रेन फिंगर प्रिंटिंग टेस्ट से गुजरने में कोई आपत्ति नहीं है। एसएचओ के बयान के बाद कोर्ट ने तीनों टेस्ट करवाने का ऑर्डर जारी किया है। इस मामले में ओडिशा की क्राइम ब्रांच टीम जांच कर रही है। इससे पहले राज्य सरकार ने न्यायिक जांच के आदेश भी जारी किए हैं। मुख्यमंत्री मोहन माझी सरकार का कहना है कि न्यायिक जांच की अध्यक्षता जस्टिस चितरंजन दास करेंगे और 60 दिनों के भीतर रिपोर्ट दाखिल की जाएगी। राज्य सरकार ने उड़ीसा हाईकोर्ट से पुलिस की क्राइम ब्रांच द्वारा की जा रही जांच की निगरानी करने का भी अनुरोध किया है। सरकार का कहना है कि हम भारतीय सेना का सम्मान करते हैं। हमारी सरकार महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और अधिकारों को लेकर पूरी तरह सजग है। इससे पहले सेना अधिकारी को प्रताड़ित करने और उसकी मंगेतर का उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस महकमे ने भरतपुर थाने के पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

क्या है पूरा मामला?

सेना के मेजर ने आरोप लगाया था कि वो 14 सितंबर की रात अपनी मंगतेर के साथ रेस्टोरेंट से लौट रहे थे। इस बीच रास्ते में कुछ अराजकतत्वों ने पीछा कर रोक लिया और घेर लिया। इस पूरे मामले की वो शिकायत करने के लिए भरतपुर थाने पहुंचे तो वहां बदसलूकी, मारपीट और उत्पीड़न किया गया। शिकायतकर्ता मेजर पश्चिम बंगाल में तैनात हैं।

आपस में भिड़ गए मुसलमानों के दो गुट, एक की मौत, सीएम ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

शाजापुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शाजापुर में दो पक्षों के बीच बड़े स्तर पर हिंसा हुई है। जानकारी के मुताबिक, जिले के मक्सी इलाके में मुस्लिम समाज के ही 2 गुट आपस में भिड़ गए। इसके बाद दोनों पक्षों की तरफ से जमकर पत्थरबाजी हुई है। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक कई राउंड गोलियां भी चली हैं। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई है और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। इलाके तनाव को देखते हुए पुलिस को तैनात किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने दिल्ली से पुलिस को सख्त आदेश जारी किए हैं। जानकारी के मुताबिक, शाजापुर के मक्सी में बीजेपी का मेंबरशिप अभियान चल रहा था। एक गुट ने बीजेपी की मेंबरशिप अभियान से जुड़े समीर मेव नाम के युवक को उसी के घर में घुसकर मारा पीटा, जिसके बाद मुस्लिम समाज के दो गुट आपस में बुरी तरह भिड़ गए। फायरिंग में एक शख्स की मौत गई है

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को एससी से मिली सशर्त जमानत

चेन्नई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी को जमानत पर रिहा करने की अनुमति दी है, जिन्हें पिछले साल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में हिरासत में लिया था। यह फैसला 12 तारीख को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आया है, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ईडी का

प्रतिनिधित्व किया और वरिष्ठ अधिवक्ता सुले रोहतगी सिद्धार्थ लारा ने बाल की पैरवी की। अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह द्वारा दिए गए फैसले में बालाजी की रिहाई के लिए सख्त शर्तें शामिल थीं।14 जून को बालाजी की गिरफ़्तारी, जो पिछली अन्नाद्रमुक सरकार में परिवहन मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान कथित नकद-नौकरी घोटाले से संबंधित थी, ईडी द्वारा की गई जांच में एक महत्वपूर्ण बिंदु थी। एजेंसी ने 12 अगस्त को उनके खिलाफ़ 3,000 पन्नों का आरोप पत्र प्रस्तुत किया था।उच्च न्यायालय ने पहले बालाजी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें सार्वजनिक हित पर उनकी रिहाई के संभावित नकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया गया था। इसने तर्क दिया कि इस तरह के महत्वपूर्ण मामले में जमानत देने से कानूनी व्यवस्था में जनता का भरोसा कम हो सकता है।

भाजपा ने 24 दिन में बनाए 1.81 करोड़ सदस्य, दूसरा चरण 1 से 15 अक्टूबर तक

भोपाल, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश भाजपा ने उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे नंबर पर 1 करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाएं है। भारतीय जनता पार्टी ने दो सितंबर से शुरू सदस्यता अभियान में 25 सितंबर तक 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बनाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सिर्फ 24 दिन के अंदर प्रमाणिक एवं पारदर्शी तरीके से 1 करोड़ सदस्य बनाकर नया रिकॉर्ड कायम किया है। लोकतंत्र में किसी राजनीतिक दल के इतने कम समय में रिकॉर्ड बनाना अभूतपूर्व है। संगठन पर्व के पहले चरण में प्रदेश में 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बने, जिसमें से 95 लाख ऑनलाइन फॉर्म भरे गए।

भाजपा के सदस्यता अभियान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री, सांसद, विधायक और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं ने एक साथ उतरकर और गली गली घूमकर सदस्य बनाएं।

शर्मा ने कहा कि यह बताता है कि मध्य प्रदेश में भाजपा का कार्यकर्ता कर्मठता और संगठन की निष्ठा का आदर्श है। शर्मा ने कहा कि पहले चरण के सदस्यता अभियान की 28 सितंबर को समीक्षा की जाएगी। इसमें जिन क्षेत्र में पीछे रहे उन्हें भी अगले चरण में आगे लाने को लेकर योजना बनाई जाएगी।

पत्नी के बाहर जाने पर बेटी का यौन शोषण करता था पिता

पड़ोसी ने किया खुलासा, अब मिली ये सजा

ठाणे, 26 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक विशेष पोक्सो कोर्ट ने यौन शोषण के एक आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने 35 वर्षीय आरोपी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। आरोपी व्यक्ति अपनी नौ साल की बेटी से यौन शोषण करता था। पड़ोसी ने पूरे मामले को उजागर किया था। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत के न्यायाधीश डी।एस। देशमुख ने मामले पर सुनवाई की। इस दौरान विशेष लोक अभियोजक संध्या एच। म्हात्रे ने कोर्ट को बताया कि आरोपी व्यक्ति की पत्नी जब घर से बाहर होती थी तो वो अपनी बेटी का यौन शोषण करता था। इस दौरान वो अपने अन्य बच्चों को वहां से भगा देता था।

अब मराठी भाषा को लेकर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा जयराम रमेश ने पीएम मोदी से पूछा तीखा सवाल

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के संचार मामलों के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर सवाल उठाए हैं, खास तौर पर कई अहम मुद्दों पर उनकी निष्क्रियता को उजागर किया है। रमेश ने जिन चिंताओं को संबोधित किया, उनमें महाराष्ट्र के चीनी उद्योग के प्रति कथित लापरवाही सबसे प्रमुख है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा इथेनॉल उत्पादन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की ओर इशारा किया, जिससे महाराष्ट्र के चीनी मिल मालिकों पर लगभग 925 करोड़ रुपये का बिना बिका स्टॉक जमा हो गया है। रमेश चीनी उत्पादन पर सरकार के गलत अनुमानों और इथेनॉल तथा स्प्रिट के अधिशेष से उत्पन्न वित्तीय तथा सुरक्षा जोखिमों की आलोचना करते हैं। उन्होंने इन नीतिगत विफलताओं के लिए प्रधानमंत्री की जवाबदेही पर सवाल उठाए और चीनी उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों को हल करने के लिए भाजपा की योजनाओं के बारे में पूछताछ की। रमेश की जांच पुणे के चाकन औद्योगिक क्षेत्र से विनिर्माण इकाइयों के पलायन के बारे में भी है, उन्होंने कहा कि पलायन का कारण अपर्याप्त सड़क अवसंरचना और लगातार यातायात की समस्या है।

चल रही सड़क परियोजनाओं के बावजूद, क्षेत्र में यातायात की भीड़ और दुर्घटनाएं जारी हैं, जो यातायात पुलिस की निगरानी की कमी के कारण और भी बढ़ गई हैं। इस स्थिति ने उत्पादन कार्यक्रम को बाधित कर दिया है, क्योंकि कच्चे माल और तैयार माल की आवाजाही में काफी देरी हो रही है। रमेश ने बताया कि लगभग 50 विनिर्माण इकाइयाँ दूसरे राज्यों में स्थानांतरित हो गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप नौकरियाँ चली गई हैं और महायुति सरकार द्वारा आगे के पलायन को रोकने के लिए उठाए गए उपायों पर सवाल उठाए गए हैं।

'दुर्गा पूजा करना है तो 5 लाख दो', बांग्लादेश के हिंदू मंदिरों को वसूली की मिलीं धमकियां

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा। दुर्गा पूजा से पहले बांग्लादेश में इस्लामिक समूहों के जरिए कुछ मंदिरों को धमकियां मिली है। मंदिर समितियों को धमकी दी गई कि अगर उन्होंने दुर्गा पूजा मनाना है तो उन्हें 5 लाख बांग्लादेशी टका देने होंगे। अगर पैसे नहीं दिए गए तो पूजा नहीं करने दी जाएगी। वहीं, 22 सितंबर को मदरसा के कुछ लोगों ने लक्ष्मीगंज जिले के रायपुर इलाके में दुर्गा प्रतिमाओं को तोड़ा गया था। बरगुना जिले में भी प्रतिमाएं तोड़ी गई थी। इस मामले पर हिंदू समुदाय के कुछ लोगों ने चटगांव और खुलना में जिले के अधिकारियों के सामने शिकायत भी दर्ज करवाई थी। हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के महासचिव महेंद्र नाथ ने कहा कि खुलना शहर के डाकोप कस्बे में 25 से अधिक मंदिरों को पांच दिवसीय उत्सव मनाने के लिए 5 लाख रुपये की मांग करते हुए धमकियां मिली हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने फरमान जारी करते हुए कहा था कि दुर्गा पूजा के दौरान अजान से पहले और नमाज के दौरान कोई भी संगीत न बजाएं।

सुविचार: ईश्वरीय नियमों का पालन करने पर आप समझ सकते हैं कि प्रेम कैसे किया जाता है

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी/इ.इजीएस/08/2024-25 दि.24/09/2024 PUB/0947/24

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों के लिए, नीचे दिये गये तिथिनुसार समय 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. 1, निविदा सं. बी/इ.29/1/इजीएस/20/24-25 कार्य विवरण: बीजेडए डिवीजन- 1)विजयवाडा वैगन डिपो-वैगान्स के रखरखाव हेतु बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना। 2)सीएओ:- आयओएच लाइन्स 11 व 12 पर एडीशनल इंस्पेक्शन पिट व्यवस्था तथा कोचिंग डिपो में एलएचपीबी कोचेस के ध्यान हेतु मौजूदा पिट या गड्ढे का विस्तार करना 3)इएलएस/बीजेडए-इलेक्ट्रिक लोको शेड पर व्हील रिपेयर सुविधाओं के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर का प्रावधान-बिजली व्यवस्था। **पूरा करने की अवधि:** 12 महिने, **निविदा मूल्य:** रु. 11534942.70, **पूधरा बोली सुरक्षा राशि:** रु. 207700/-, **निविदा दस्तावेज मूल्य रु.** शून्य, **बंद करने की तिथि:** 17.10.2024

भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के बदलाव/शुध्दिपत्र को नोट करने के लिए,तत्संबंधित निविदा के बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट:www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली)/विजयवाडा

निविदा सूचना सं. बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-12-24-25 दि.25.09.2024 PUB/0948/24

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु आइआरपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं. /बी/इ.29-टीआरडी-टीएनडीआर-12-2024-25, **कार्य विवरण:** बीजेडए-जीडीआर सेक्शन: विजयवाडा डिवीजन-डिपाजिट वर्क्स के तहत विजयवाडा-विशाखापट्नम सेक्शन में डीप वाटर पोर्ट लाइन्स पर प्रस्तावित एडीबी सडक विस्तार से संबंधित ओएचइ का परिवर्धन तथा परिवर्तन कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.** 51,61,189.68, **पूरा करने की अवधि:** 12 महिने, **बोली सुरक्षा राशि**(पूधरा) रु. 1,03,200/-, **बंद करने की तिथि:** 18/10/2024 के 15.00 बजे, **निविदा प्रपत्र मूल्य:** रु. शून्य

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/विजयवाडा

निविदा सूचना सं.59 से 61 डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी दि.24.09.2024 PUB/0949/24

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्युरमेन्ट के माध्यम से दि. 18/10/2024 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं. 59 डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी **कार्य विवरण:**/एडीइएन/इ-I/एचवायबी तथा एडीइएन/इ-II/एचवायबी क्षेत्राधिकार के तहत दो वर्षों(2024-26) की अवधि के लिए, ग्राउण्ड लेवल स्टोरेज टैन्क्स/ओवरहेड टैन्क्स/रूफ टैन्क्स की समय समय पर सफाई करना। **अनुमानित मूल्य:** रु. 1,48,67,983/-**पूधरा: रु.** 2,24,300

क्रम सं.2, निविदा सं. 60 डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी, **कार्य विवरण:** एससी-डीएचएनइ सेक्शन: दुगाडु (डीयू)- माल यातायात या गूड्स ट्राफिक की डील करने तथा रेल संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए, अतिरिक्त दो लूप लाइनों की व्यवस्था(एक लूप लाइन के लिए कार्य निष्पादित किया जाना चाहिए)। **अनुमानित मूल्य:** रु. 99,40,881/-, **पूधरा:** रु. 1,98,800

क्रम सं. 3, निविदा सं.3,61_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी, **कार्य विवरण:** एससी-एमयूइ सेक्शन: 1) एसएइ/पी.डब्ल्यू/एमडी सेक्शन के तहत उपकर या सेस मरम्मत कार्य। (चयनित उपकर मरम्मत कार्य- 86400सीयूएम.,संबंध वर्ष 2024-24 का भाग) **अनुमानित मूल्य:** रु.1,12,10,561/-, **पूधरा:** रु. 2,06,100

विभागीय रेल प्रबंधक/ कार्य/हैदराबाद

सं.एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/2024-25 दि.25.09.2024 PUB/0950/24

निविदा के विवरण को पहले ही वेबसाइट :www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202425-3-056, **प्राधिकरण:** को-आर्ड., **निविदा मूल्य रु.**10534900.49, **पूधरा रु.**202700.00, **पूरा करने की अवधि:** बारह महिने, **कार्य विवरण:** कार्य का नाम-पीयू- पीयू-एके लाइन के लिए अनुकूल क्रासओवर, कनेक्शन तथा पूर्णा स्टेशन पर (अर्थात अप व डाउन मेन लाइन जैसे कामन लाइन) जंक्शन टाइप व्यवस्था। **निविदा प्रपत्र मूल्य रु.** शून्य

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202425-3-056, समान प्रकृति का कार्य(मूल्य पचास लाख रुपये से अधिक) जैसे कोई भी ट्रैक रखरखाव कार्य सहित रेलवे ट्रैक कार्य।

उपरोक्त निविदा दि.**16.10.2024 के 16.00** बजे बंद होगी।

सीनि. डीइएन/को-आर्ड/एनइडी

एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/जीएस/2024-25 दि.17.09.2024 PUB/0951/24

निम्न कार्यों हेतु खुली निविदा जारी की गयी है तथा निविदा के विवरण को पहले ही वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202425-जीएस-02,**प्राधिकरण:**डीवाय. सीइ/जीएस/एनइडी, **विज्ञापित निविदा मूल्य: रु.** 13,13,02,939.80, **पूधरा रु.** 8,06,500/-, **पूरा करने की अवधि:** बारह महिने, **कार्य विवरण:** एससीआर गति शक्ति: नांदेड डिवीजन-जे-एडब्ल्यूबी सेक्शन में बदनापूर-करमाड स्टेशनों(19.47किमी) के बीच जीवीआरएआई(गेवराइ) पर स्टैन्डर्ड लेआउट(दो लूप लाईन) का नया क्रासिन्ग स्टेशन व्यवस्था। **निविदा प्रपत्र मूल्य:** रु.शून्य

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202425-जीएस-02, समान प्रकृति का कार्य(मूल्य पचास लाख रुपये से अधिक) एर्थवर्क इन फार्मेशन या मिट्टी का कार्य निष्पादन तथा किसी भी प्रकार के पुलों के निष्पादन से संबंधित कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

उपरोक्त निविदा दि.18.10.2024 के 15.00 बजे बंद होगी।

उप मुख्य अभियंता/जीएस/ नांदेड

ए 1217

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया हमारे वेबसाइट:https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

प्रिंट मीडिया को बदलने और इसके भविष्य को सुरक्षित करने की रणनीतियों पर दिग्गजों ने की चर्चा

भारतीय प्रिंटर्स शिखर सम्मेलन में स्थिरता और सक्रियता केन्द्रीय विषय रही

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एचआईसीसी में आयोजित भारतीय प्रिंटर शिखर सम्मेलन के 32वें संस्करण में प्रिंट मीडिया को बदलने और इसके भविष्य को सुरक्षित करने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया। शिखर सम्मेलन में दो दिवसीय कार्यक्रम के लिए 50 से अधिक संगठनों के 280 से अधिक मीडिया प्रमुख एकत्रित हुए। शिखर सम्मेलन की शुरुआत एक प्रेरक उद्घाटन भाषण से हुई, जिसका शीर्षक था, प्रिंटिंग टुमॉरो: ट्रांसफॉर्मिंग प्रिंट मीडिया फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर, जिसे जर्मनी के फुनके मेडिएन ग्रुप के चीफ प्रोक्योरमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर गुंडुला उल्लाह ने दिया। अपने संबोधन में, उल्लाह ने मुद्रण उद्योग के मूल में संधारणीय प्रथाओं को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया। उद्घाटन मुख्य भाषण के बाद, भारतीय समाचार मीडिया समूहों के जेननेक्स्ट लीडर्स ने एक पैनल चर्चा में भाग लिया, जिसमें जेनएआई दुनिया में समाचार मीडिया की भूमिका पर चर्चा की गई। प्रिंटर्स मैसूर लिमिटेड की निदेशक सौभाग्यलक्ष्मी तिलक , ईटीवी भारत की निदेशक बृहती चेरुकुरी, सकाल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक जान्हवी पवार और एजीए पब्लिकेशन लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक गौरव संघी ने चर्चा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि अगर प्रकाशक अपने पाठकों के लिए प्रासंगिक बने रहेंगे और खुद को ढाल लेंगे तो प्रिंट मीडिया टिकेगा। शिखर सम्मेलन में दो समानांतर ट्रैक आयोजित किए गए। मुद्रण शिखर सम्मेलन और विज्ञापन शिखर सम्मेलन।

प्रिंटिंग समिट : इस ट्रैक में समाचार पत्र निर्माण के पारिस्थितिक प्रभावों पर चर्चा की गई, जिसमें उत्पादन में स्वचालन और कार्बन तटस्थता प्राप्त करने की रणनीतियों जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उल्लेखनीय सत्रों में समाचार पत्र निर्माण की स्थिरता पर एक पैनल शामिल था, जिसकी अध्यक्षता बेनेट कोलमैन कंपनी लिमिटेड के तकनीकी निदेशक और वर्ल्ड प्रिंटर्स फोरम इंडिया चैप्टर के अध्यक्ष स्नेहाशीष सी रॉय ने की।

विज्ञापन शिखर सम्मेलन : विज्ञापन ट्रैक ने डिजिटल दुनिया में अभिनव रणनीतियों और प्रिंट मीडिया की शक्ति का पता लगाया। आकर्षक पैनल ने विज्ञापन में कहानी कहने की भूमिका और प्रभावशाली अभियान बनाने के लिए ब्रांड पाठकों से कैसे जुड़ सकते हैं, इस पर चर्चा की। पाठकों की सहभागिता बढ़ाने में एआई की भूमिका पर सत्र को विशेष रूप से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

शिखर सम्मेलन के दौरान, डब्ल्यूएएन-इफ्रा के अंतर्राष्ट्रीय रंग गुणवत्ता क्लब (आईसीक्यूसी) ने 2024-2026 के लिए 39 नए सदस्यों की घोषणा की, जिसमें उनकी असाधारण और निरंतर रंगीन मुद्रण गुणवत्ता को मान्यता दी गई। इस सदस्यता ने उन प्रकाशनों की उपलब्धियों को उजागर किया जिन्होंने लंबे समय तक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रण मानकों का पालन किया है। अपने समापन भाषण में, ओम्नीकॉम मीडिया ग्रुप इंडिया के मुख्य मीडिया अधिकारी, राबे अय्यर ने मीडिया उद्योग के भविष्य और टिकाऊ प्रिंट व्यवसाय प्रथाओं के लिए आगे के मार्ग पर अंतर्दृष्टि साझा की। अय्यर ने कहा पाठकों को सब्सक्राइबर में बदलने और विज्ञापनदाताओं की पहुंच बढ़ाने से प्रिंट विज्ञापन खर्च में वृद्धि होगी। विरासत प्रणालियों और प्रौद्योगिकी में व्यवधान अपरिहार्य हैं। हमें उपभोक्ता व्यवहार को समझने और उसे अपनाने के तरीके खोजने होंगे । शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान, वान-इफ्रा दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक, मगदूम मोहम्मद ने कहा, यह हाल के वर्षों में हमारे बेहतरीन कार्यक्रमों में से एक रहा है। पारंपरिक समाचार प्रकाशकों के राजस्व में प्रिंट का योगदान %0% से अधिक है, और वे इसे जारी रखने के लिए उत्साहित हैं।

इस कार्यक्रम में इस बात पर विचार किया गया कि इसे कैसे बनाए रखा जाए और एकीकृत मीडिया परिदृश्य के लिए कैसे तैयार किया जाए। भारतीय समाचार पत्र सोसायटी (आईएनएस) ने एक सूचना-तालिका प्रदर्शनी के साथ शिखर सम्मेलन को सह-प्रायोजित किया, जिसमें 14 आपूर्तिकर्ता कंपनियों ने भाग लिया।

सीसीएमबी के ओपन डे पर कैंपस में हजारों लोग आए

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी), हैदराबाद ने आज अपना ओपन डे मनाने की अपनी परंपरा को जारी रखा। संस्थान ने सभी लोगों के लिए अपने दरवाजे खोले, ताकि वे अंदर आ सकें, अपने वैज्ञानिकों से बातचीत कर सकें और जीव विज्ञान में उनके शोध को समझ सकें। लगभग 7000 लोग, जिनमें से ज़्यादातर स्कूल और कॉलेज के थे, कैंपस में आए। विशाल प्रदर्शनी ने सीसीएमबी में अध्ययन किए जाने वाले विभिन्न जीवों से लेकर जीवित कोशिकाओं को बनाने वाले परमाणुओं तक प्रासंगिक पारिस्थितिकी और जनसंख्या-स्तरीय प्रश्नों की एक झलक दी। ओपन डे के एक छात्र प्रतिभागी ने कहा, हमने सीखा कि वैज्ञानिक जेब्राफिश, फ्रूटफ्लाई, बिच्छू, मिलीपेड, चूहे, चूहे और यहां तक कि यीस्ट, वायरस और बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्म जीवों का अध्ययन कैसे करते हैं। इसके अलावा, ऐसे स्टॉल भी थे, जो यह समझा रहे थे कि कोई व्यक्ति जीवन विज्ञान उद्यमी कैसे बन सकता है और विज्ञान के बारे में बात करने के लिए कला का उपयोग कैसे कर सकता है। ओपन डे में स्कूलों से भारी भागीदारी देखने को मिली, भले ही उनकी परीक्षाएं चल रही हों। सीसीएमबी ने शिक्षकों को धन्यवाद दिया कि उन्होंने परीक्षा के बाद छात्रों को लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए। साथ ही, यह शिक्षा क्षेत्र में वास्तविक वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान में क्या होता है, इसके बारे में अधिक जानने की रुचि के बारे में भी बताता है। जारी बारिश के बावजूद, आगंतुक न केवल हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों से आए, बल्कि आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के आस-पास के राज्यों से भी आए।

गुरुकुलों एवं बी.सी. छात्रावासों में सुधार हेतु कदम उठाये जाने चाहिए : पोन्नम

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने गुरुकुलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके छात्रों के व्यक्तिगत कौशल में सुधार के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर सचिवालय के सम्मेलन कक्ष में बीसी कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की। उन्होंने गुरुकुल ने बीसी छात्रावासों को और सुधार के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी है। यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि गुरुकुल में छात्रों के अध्ययन के समय, नाश्ते और दोपहर के भोजन के समय में कोई समस्या न हो। अधिकारियों को छात्रों के शैक्षिक मानकों, पाठ्यक्रम, प्रैक्टिकल, खेल आदि में सुधार के लिए किए जाने वाले उपायों पर हर 15 दिनों में एक बार एक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया। इस उद्देश्य से मंत्री पोन्नम प्रभाकर 1 अक्टूबर को गुरुकुल जिला बीसी कल्याण विभाग के अधिकारियों, सहायक बीसी कल्याण अधिकारियों, आरसीओ, डीसीओ के साथ सभी निगम के एमडी और उच्च अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित करेंगे। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे कि गुरुकुलों में क्या लेना है, यहां तैयार किए गए बिंदुओं पर बीसी कल्याण विभाग के अधिकारियों, आरएसवोनो, डीसीओ, गुरुकुल प्राचार्यों, छात्रावास वार्डन, आवासीय विद्यालय के प्राचार्यों, बीसी के साथ बैठक में विचार किया जाएगा। अक्टूबर के पहले सप्ताह में हैदराबाद में होने वाली बैठक में कल्याण विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया जायेगा।

जयंती पर चकाली ऐलम्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी और विधानसभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार ने गुरुवार को यहां तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष की नेता चकाली ऐलम्मा को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों नेताओं ने विधानसभा परिसर में चकाली ऐलम्मा के चित्र पर माल्यार्पण किया और लोगों के कल्याण के लिए उनके संघर्ष को याद किया। कार्यक्रम में बोलते हुए विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने चकाली ऐलम्मा की एक बहादुर महिला के रूप में प्रशंसा की, जिन्होंने निजाम के दमनकारी शासन के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी।

भाजपा और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू : केटीआर

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची के प्रति कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता के दोहरे मानदंडों को उजागर करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने गुरुवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को याद दिलाया कि किस तरह तेलंगाना में कांग्रेस दलबदल और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संविधान के साथ खिलवाड़ किया और किस तरह तेलंगाना में कांग्रेस के मुख्यमंत्री संविधान को रौंद रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल के कड़े जवाब में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट किया था कि चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने और गिराने के भाजपा के कपटी तरीके पहला विधायकों को लालच देना दूसरा दसवीं अनुसूची का दुरुपयोग करना तीसरा डर पैदा करना (ईडी, सीबीआई) चौथा राज्यपालों का अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों से परे काम करना... भाजपा के लिए संविधान का मतलब गीता से भी ज्यादा है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि श्री सिब्बल, कांग्रेस सदाचार की मिसाल नहीं है। भाजपा और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं... तेलंगाना में भी यही कहानी है।

फार्मा और लाइफ साइंसेज में तेलंगाना की सफलता की कहानी : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि भारत दवा उत्पादन और निर्यात में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है, वहीं तेलंगाना एक प्रमुख फार्मा विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने गुरुवार को हाईटेक्स में 'इंडिया लैब एक्सपो-2024' के उद्घाटन पर बोलते हुए, उन्होंने दवा उद्योग के प्रतिनिधियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कि कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत में चार टीके बनाए गए थे, जिनमें से तीन हैदराबाद में बनाए गए थे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश में सभी टीकों में से एक-तिहाई की आपूर्ति तेलंगाना से की जाती है। इसके अतिरिक्त, 30 प्रतिशत दवा उत्पादन राज्य के भीतर होता है, और भारत से निर्यात की जाने वाली 40 प्रतिशत दवाएं तेलंगाना से आती हैं। श्रीधर बाबू ने गर्व से उल्लेख किया कि थोक दवा निर्यात का 50 प्रतिशत तेलंगाना से होता है। उन्होंने आगे बताया कि तेलंगाना में जीवन विज्ञान और मेड-टेक स्टार्टअप उपक्रमों में 19% हिस्सेदारी है। पिछले चार वर्षों में, जीवन विज्ञान क्षेत्र ने 10,000 करोड़ का निवेश आकर्षित किया है। मंत्री ने कहा कि राज्य के उद्योग-अनुकूल माहौल के कारण, फार्मा और जीवन विज्ञान कंपनियां तेलंगाना को विस्तार के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में देख रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना एमएसएमई क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने के लिए अत्यधिक अनुकूल है और कुशल मानव संसाधनों की कोई कमी नहीं है। राज्य जीनोम वैली विस्तार के चौथे चरण के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान कर रहा है। श्रीधर बाबू ने उद्योगपतियों से जीवन विज्ञान में निवेश करके अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने खुशी जताई कि लैब एक्सपो में 25 देशों के 25,000 उत्पाद प्रदर्शित किए गए। भूपिंदर सिंह, हर्षित शाह और डॉ. एस.वी. वीरमणि सहित फार्मा उद्योग के जाने-माने नेता इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

एकतरफा कार्रवाई कर रहा हाइड्रा : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने गुरुवार को हाइड्रा की कार्रवाई पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि राज्य सरकार बिना किसी योजना या नीति के झील तल और बफर जोन में संरचनाओं को ध्वस्त कर रही है, जिससे लोगों में भय और भ्रम पैदा हो रहा है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को संबोधित एक पत्र में किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि हाइड्रा राजस्व विभाग, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) द्वारा जारी अनुमतियों और दस्तावेजों पर विचार किए बिना एकतरफा निर्णय ले रहा है। यह कहते हुए कि राज्य सरकार को सभी हितधारकों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए थी और फिर निर्णय लेना चाहिए था, किशन रेड्डी ने सरकार से विभिन्न अनुमतियां देने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा।

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that my client Smt. Susheela Agarwal W/o Late. Sri Purshottam das, aged around 75 years, R/o H.No.8-2-293/82/A/1088, Road No.55, Jubilee Hills, Hyderabad, TG-500033., hereby declaring / debarred / disowned and severed her all relations and ties with her Youngest / Third Son Bajranglal Agarwal from her life and properties / Assets., Because of his bad behavior, mental harassment, ill-treatment with immoral and unethical acts. Anyone who is interested to continue the relation of any kind with him shall continue at his own risk and responsibility.

M/s. Shyam Sunder Agarwal, Sukhraj, Advocates,H.No.12-1-274, Asif Nagar, Kummarwadi, Hyd-500028, TG
Cell No.9000554466

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JAYALAKSHMI , Legally wedded Spouse of SGT SWAMYSETTI VENUGOPAL , R/O: H.No.5A, JANAPRIYA BUNGALOWS, DOVETON, BOLLARUM, SECUNDERABAD – 010 TG, have changed my name from JAYALAKSHMI to ANABATHULA JAYALAKSHMI and my DOB is:04-01-1962 vide Affidavit dt.25-9-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, RUBI DEVI , Legally Wedded Spouse of JC 776843N NB/SUB M/TECH COMN MANURAJ PANWAR, R/O: Ailum, Shamli, Shamli, Uttar Pradesh – 247771 have changed my name from RUBI DEVI to RUBI vide Affidavit dt.26-9-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना के युवाओं के भविष्य के लिए विशेष उपाय : पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी

> प्रत्येक जिले में कौशल विकास महाविद्यालय की स्थापना

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार ने तेलंगाना के युवाओं के कल्याण के लिए व्यापक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने बेरोजगारों को कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की है और प्रवेश इसी शैक्षणिक वर्ष से शुरू हो रहे हैं। यह घोषणा की गई है कि आने वाले दिनों में हर जिला केंद्र में कौशल विकास कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय एमएसएमई संस्थान (एनआई-एमएसएमई) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) पीएमकेवीवाई 4.0 (अल्पकालिक प्रशिक्षण) योजना के तहत "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। मंत्री गुरुवार को यूसुफगुड़ा में आयोजित 'सरकारी स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य तेलंगाना को एक अग्रणी गंतव्य बनाना है जो दुनिया भर के निवेशकों को आकर्षित करे और स्थानीय और वैश्विक स्तर पर नौकरियां पाने के लिए तेलंगाना के युवाओं में विश्व स्तरीय कौशल विकसित करना है। इस उद्देश्य के साथ, तेलंगाना सरकार ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी के रूप में हैदराबाद में "तेलंगाना कौशल विश्वविद्यालय" की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में विभिन्न उद्योगों के लिए आवश्यक कौशल सिखाने के लिए 17 प्रकार के प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रम स्थापित किए गए हैं और इन पाठ्यक्रमों की शिक्षण सामग्री नौकरी पाने के एकमात्र उद्देश्य से डिजाइन की जाएगी। युवाओं को आधुनिक उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए, आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) में परिवर्तित किया जा रहा है, तदनुसार, राज्य सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) के साथ दस साल के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

65 आईटीआई को एटीसी में अपग्रेड करने का लक्ष्य मिला। एटीसी में युवाओं को आधुनिक उद्योगों की जरूरतों के मुताबिक प्रशिक्षित किया जाता है। इसके लिए एटीसी में उन्नत उपकरण और तकनीक लगाई जाएगी। टीटीएल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 130 विशेषज्ञों को नियुक्त करता है। एटीसी में 15,860 लोगों को छह प्रकार के दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाता है और 31,200 लोगों को 23 प्रकार के अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में राज्य के आईटीआई में केवल 1.5 लाख लोगों को प्रशिक्षित किया गया था, लेकिन इन एटीसी के साथ, हम अगले दस वर्षों में चार लाख लोगों को प्रशिक्षित करने की योजना बना रहे हैं। यह घोषणा की गई है कि 2,324 करोड़ रुपये की लागत से आईटीआई को एटीसी में परिवर्तित किया जा रहा है।

एटीसी न केवल विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण तक सीमित हैं बल्कि कौशल विकास केंद्र के रूप में भी काम करते हैं। साथ ही, ये एटीसी महत्वाकांक्षी उद्यमियों के साथ-साथ छोटे, सूक्ष्म, मध्यम और बड़े उद्योगों के लिए टेक्नोलॉजी हब (प्रौद्योगिकी केंद्र) के रूप में भी काम करते हैं। मंत्री ने स्वच्छता कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

प्रार्थना सभा

स्व. पटेल पुंजालाल रामजी सुराणी
स्वर्गवास मंगलवार दि: 24-09-2024 की मध्यरात्री
प्रार्थना सभा :
शुक्रवार दि: 27-09-2024 को 3:30 से 4:30 तक,
स्थल : श्री पाटीदार भवन, मुसापेट, हैदराबाद.
शोकातुर : पुंजालाल रामजी सुराणी परिवार
पत्नी : देवमणी बेन पुंजालाल सुराणी
बहू - बेटा : कमला - जसवंत पुंजालाल सुराणी
बहू - बेटा : अनीता - दिनेश पुंजालाल सुराणी
पोती : मोनिका जसवंत, युक्ता दिनेश
पोते : आशिष जसवंत, यश दिनेश
Surani Agencies
Kukatpally Y Junction, Hyderabad 500 018.
9849003582 | 9849021582

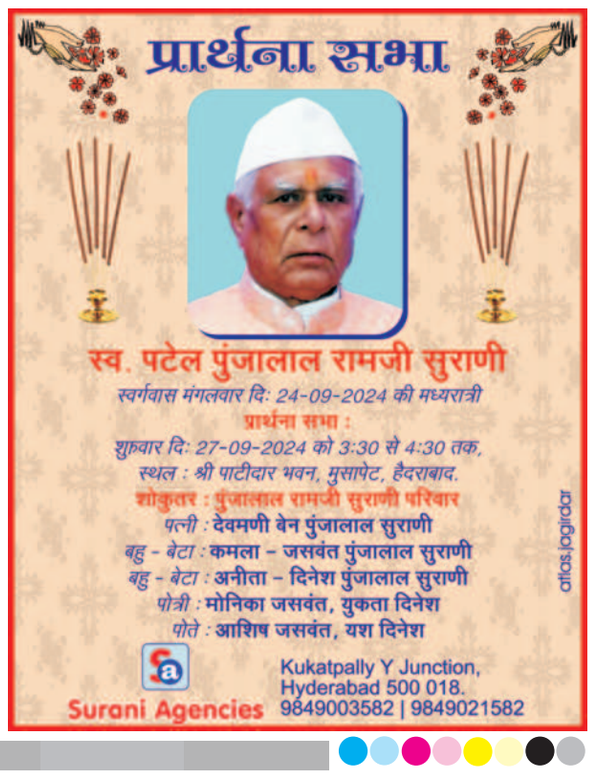

जीतन राम मांझी पर भड़के लालू यादव

पूर्व मुख्यमंत्रियों में छिड़ी 'जाति की जंग'

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में इन दिनों दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। गड़ेरिया बनाम मुसहर की राजनीतिक सियासत गर्म हो गई है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बीच जाती को लेकर जुबानी जंग छिड़ गई है।पहले जीतन राम मांझी ने लालू यादव की जाति पर निशाना साधा था, तो अब राजद सुप्रीमो ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री मांझी ने लालू प्रसाद यादव को 'गड़रिया' करार दिया, जिस पर लालू यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि तो ऊ मुसहर है क्या?

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, 17 सितंबर को दिल्ली के नए मुख्यमंत्री आतिशी के नाम की घोषणा के बाद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा था कि राबड़ी देवी मुबारक हो। इसके बाद आरजेडी के पार्टी प्रवक्ताओं ने मांझी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। मगर जीतन राम मांझी यही नहीं रुके। 19 सितंबर को नवादा अग्निकांड को लेकर अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि विपक्षी दलों के गुंडे हमारे घर, दरवाजों को तोड़ सकते हैं पर हमारे लोगों का हौसला नहीं तोड़ सकते। घर जलाने वाले 'यादव' समाज के लोग हैं। लालू पाल (गरेड़ी) जी आप राजनीति के लिए अपनी जाति छुपा सकतें हैं, पर हम नहीं।

तेजस्वी यादव ने दिया जवाब

उसी दिन बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी केंद्रीय मंत्री के बयान पर पटवार करते हुए जीतन राम मांझी को जीतन राम शर्मा कह दिया था। 25 सितंबर को जीतन राम मांझी दिल्ली से पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर एक बार फिर लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा हम गर्व से कहतें हैं कि हम मुसहर हैं। लालू जी में हिम्मत है तो वह भी कहकर दिखाएं कि हम गरेड़ी हैं।

लालू ने किया पलटवार

जीतन राम मांझी के इस बयान पर पलटवार करते हुए लालू यादव ने कहा कि तो ऊ मुसहर है क्या?' बता दें कि लालू प्रसाद यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। केंद्र में केंद्रीय मंत्री का भी पद संभाल चुके हैं । वहीं जीतन राम मांझी भी बिहार के मुख्यमंत्री का कुर्सी संभाला चुके हैं और फिलहाल वोकेंद्रीय मंत्री के रूप में मोदी कैबिनेट का हिस्सा हैं।

एमपी वीणा देवी के पुत्र की सड़क दुर्घटना मामले में आया नया मोड़

साजिशन हत्या की एफआईआर दर्ज

मुजफ्फरपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में 23 सितंबर को लोजपा सांसद वीणा देवी के पुत्र छोटू सिंह की सड़क दुर्घटना में हुई मौत मामले में नया मोड़ आ गया है। जिसमें छोटू सिंह के पिता जेडीयू एमएलसी दिनेश सिंह ने साजिशन हत्या की आशंका को लेकर जैतपुर ओपी में देर रात मामला दर्ज कराया है। अज्ञात लोगों और अज्ञात वाहन पर प्राथमिकी दर्ज करवाई है जिसके बाद पूरे मामले की जांच में अब हत्या की आशंका का मोड़ आ गया है।

वहीं, इस दौरान पूरे मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच कर कार्रवाई में जुटी है। पुलिस टोल से गुजरने वाले हर एक गाड़ी की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार जिस पेट्रोल पंप के पास छोटू सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी उस पेट्रोल पंप पर सीसीटीवी के कैमरे की मॉनिटरिंग सड़क पर नहीं थी जिसको लेकर एसएसपी राकेश कुमार ने पंप मालिक को शो कॉज भी किया है। इस बीच घटनास्थल से पहले एक टोल प्लाजा और घटनास्थल के बाद एक ढाबे पर लगी सीसीटीवी की जांच पुलिस कर रही है।

पटना में 2 युवकों की पीट-पीटकर हत्या, चोरी के आरोप में पकड़कर मारा, 4 लोग गिरफ्तार

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के दीघा में दो युवकों को लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। गुरुवार (26 सितंबर) की अल सुबह दोनों का शव मिला है। चोरी के आरोप में इन दोनों युवकों की बेरहमी से पिटाई की गई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस इलाज के लिए दोनों को दानापुर अनुमंडल अस्पताल ले गई लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पूरी घटना दीघा थाना क्षेत्र के पॉलसन रोड की है। मृतकों की पहचान रोहित और राकेश के रूप में की गई है।

थूककर रोटी बनाने वालों पर भड़कीं साध्वी प्राची

बोलीं- एनकाउंटर करे सरकार, राहुल-अखिलेश पर साधा निशाना

बागपत, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बागपत जनपद के राष्ट्र वंदना चौक पर ब्लॉक परिसर में पहुंची साध्वी प्राची ने कहा कि रोटी पर थूकने और जूस में पेशाब मिलाने वालों का एनकाउंटर कराया जाए। तभी ऐसी घटनाएं रुकेंगी और ऐसे लोगों की घिनौनी मानसिकता पर शिकंजा कसा जा सकेगा। साध्वी प्राची ने कहा कि हिंदू समाज के लोगों का धर्मभ्रष्ट करने के लिए साजिश चल रही है। जिसमें वर्ग विशेष के होटलों पर हिंदुओं को थूककर बनाई गई रोटी और पेशाब वाला जूस पिलाने की घटनाएं बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर सरकार ठीक कार्रवाई कर रही है, लेकिन ऐसे अपराध के लिए आजीवन कारावास जैसी भी सजा कम है। ऐसे लोग जेल में रहकर भी गंदगी फैलाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी घिनौनी हरकतें करने वालों का एनकाउंटर किया जाए और उनकी संपत्तियों पर बुल्डोजर चलाया जाए। साध्वी प्राची ने कहा कि जिस समय वक्फ बोर्ड बनाया गया, उस समय किसी से अनुमति नहीं ली गई। इसी तरह वक्त बोर्ड को समाप्त किया जाए।

नकली क्राइम ब्रांच चलाने वाले दरोगा पर गैंगस्टर:वाराणसी पुलिस ने फिर जेल भेजा

लूटकांड में हाईकोर्ट से जमानत पर छूटा था सूर्य प्रकाश

वाराणसी, 26 सितंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में वर्दी की आड़ में लुटेरों का गैंग चलाने वाले दरोगा सूर्य प्रकाश पांडे पर पुलिस ने गैंगस्टर लगाया है। केस में चार्जशीट दाखिल होने के बाद पुलिस ने गुरुवार को दरोगा को फिर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर अब दरोगा को बर्खास्त किया जाएगा। जांच में दरोगा के कई और मामले खुलकर सामने आए। एसीपी कोतवाली ईशान सोनी ने दरोगा से थाने में 3 घंटे पूछताछ की। दरोगा के केस में इंस्पेक्टर रामनगर ने 4 दिन पहले ही चार्जशीट एसीपी कोतवाली को सौंपी थी। फिलहाल उसको कोर्ट में पेश किया गया है। दरअसल, इस केस के मुख्य आरोपी सूर्य प्रकाश पांडे को पिछले दिनों पुलिस की लचर पैरवी से जमानत मिल गई थी। कोर्ट में पुलिस पूरे सबूत भी पेश नहीं कर सकी थी। किरकिरी होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने फिर दरोगा को गिरफ्तार किया। अब उसकी गिरफ्तारी नए गैंगस्टर केस में हुई है, जिसमें उसके अन्य साथियों को भी शामिल किया गया है।

दरोगा सूर्य प्रकाश पांडे और उसके गुर्गों के खिलाफ जांच के बीच हाईकोर्ट से उसको जमानत मिल गई। इस बारे में जब आला अधिकारियों को पता चला, तब पुलिस आयुक्त ने नाराजगी जताई। उसकी रिपोर्ट भेजने के बाद फॉलोअप भी नहीं किया गया। तत्कालीन एसीपी कोतवाली और रामनगर थाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय जांच बैठाई गई। कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने फिलहाल एसीपी कोतवाली अमित श्रीवास्तव को हटाकर एसीपी सुरक्षा बना दिया है। इंस्पेक्टर रामनगर अनिल कुमार शर्मा को लाइन हाजिर कर दिया। चार्जशीट दाखिल होने के बाद सवाल उठने लगे हैं। 42.50 लाख की डकैती के मामले में रामनगर थाना प्रभारी निरीक्षक ने चार्जशीट दाखिल की है।

इसमें दरोगा की कितनी भूमिका दिखाई गई है, ये अभी सामने नहीं आया है। वाराणसी में वर्दी की आड़ में दरोगा सूर्य प्रकाश पांडे लुटेरों का गैंग चला रहा था। दरोगा ने 4 शातिर युवकों के साथ नकली 'स्पेशल क्राइम ब्रांच' बनाई और हाईवे पर लूट करने लगा। दोस्त रेकी करते थे, फिर दरोगा साथियों के साथ छापेमारी करता। इसके बाद जब्त माल को आपस में बांट लेते थे। उसने 22 जून, 2024 को जीटी रोड पर ज्वेलरी कारोबारी के कर्मचारियों से 93 लाख रुपए पकड़े थे।

हवाला का पैसा बताकर 42 लाख रुपए रख लिए और 51 लाख लौटा दिए थे। कारोबारी ने केस दर्ज कराया, तब पुलिस ने जांच शुरू की। वारदात के वक्त दरोगा के नंबर की लोकेशन घटनास्थल पर मिली। यह पता चलने पर कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया।

भाजपा पार्षद के भतीजे ने सफाईकर्मी को पीटा, नाराज साथियों ने घेरी कोतवाली जमकर किया हंगामा

प्रयागराज, 26 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज नगर निगम की भाजपा पार्षद सुनीता चोपड़ा के भतीजे सनी चोपड़ा ने सफाई कर्मचारी की जमकर पिटाई कर दी। यही नहीं उसने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी होते ही सफाई कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को काम ठप करने के बाद कोतवाली का घेराव कर दिया। बड़ी संख्या में जुटे सफाई कर्मचारियों ने कोतवाली के सामने पुलिस और पार्षद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब तीन घंटे से हंगामा चल रहा है। भाजपा पार्षद भी मौके पर पहुंच गईं और उन्होंने समझौते का प्रयास किया, लेकिन सफाई कर्मचारी मानने के लिए तैयार नहीं हुए। वह आरोपी सनी चोपड़ा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तारी की मांग की है

आईजी राकेश सिंह की बेटी नैंसी सिंह को लंदन में मिला "यंग वुमन इन आर्ट" अवार्ड

बरेली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली रेंज के इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) डॉ। राकेश सिंह की बेटी नैंसी सिंह को लंदन में प्रतिष्ठित "यंग वुमन इन आर्ट" अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें वूमन इन आर्ट प्राइज संस्था द्वारा उनके फोटो सीरीज "आइ वेंट बैक टू सी देम" के लिए प्रदान किया गया। नैंसी की इस फोटो सीरीज में उन्होंने प्रवास और विस्थापन की पीड़ा को अपने फोटोग्राफी के जरिए प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है।

विशेष रूप से यह सीरीज इस बात पर केंद्रित है कि जब लोग अपने देश से दूसरे देश में प्रवास करते हैं, तो उनके पीछे उनके परिवार, खासकर महिलाओं पर क्या बीतती है। जौनपुर की मूल निवासी नैंसी पिछले सात वर्षों से लंदन में रह रही हैं,

यूपी सरकार के कदम से नाराज इलाहाबाद हाईकोर्ट

चीफ सेक्रेटरी से मांगा जवाब

प्रयागराज, 26 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में सरकारी अधिकारियों के नाम से पहले माननीय शब्द जोड़े जाने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हैरानी जताई है। हाईकोर्ट ने इस मामले में यूपी सरकार से जवाब तलब कर लिया है। कोर्ट ने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव से पूछा कि राज्य के सरकारी अधिकारी माननीय कैसे हैं। वह किस प्रोटोकॉल के तहत अपने पद नाम या नाम के साथ माननीय शब्द लगाने के हकदार हैं। अदालत ने यूपी के प्रमुख सचिव से इस बारे में हलफनामा दाखिल करने को कहा है। यह आदेश जस्टिस जेजे मुनीर की सिंगल बेंच ने इटावा जिले के कृष्ण गोपाल राठौर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। इस मामले में इटावा के डीएम ने कानपुर के कमिश्नर को लिखे पत्र में उनके पद नाम के साथ माननीय शब्द का इस्तेमाल किया था।

अदालत ने अपने फैसले में टिप्पणी करते हुए कहा कि अक्सर यह देखने को मिल रहा है कि सरकारी पत्राचार में राज्य के विभिन्न रैंक के अधिकारियों के नाम या पदनाम के साथ माननीय शब्द का इस्तेमाल नियमित तौर पर किया जा रहा है। अदालत ने कहा है कि यह हैरान करने वाला मामला है।

कौन कर सकता है माननीय शब्द का इस्तेमाल?

अदालत के फैसले के मुताबिक राज्य के मंत्री व अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त होने वाले लोग ही माननीय शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकार के अधीन काम करने वाले सरकारी अधिकारी इसका इस्तेमाल कैसे कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने इस बारे में राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव से हलफनामा दाखिल कर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। हलफनामे के साथ उस प्रोटोकॉल की जानकारी भी तलब की है, जिसके तहत अधिकारी मनमाने तरीके से माननीय शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं।

अदालत ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार इंप्लीमेंट को आदेश की कॉपी 24 घंटे के अंदर लखनऊ व इटावा के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के जरिए राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव और इटावा के डीएम को भेजने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को फ्रेश केस के तौर पर होगी। उसी दिन प्रमुख सचिव की तरफ से कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया जाएगा।

बर्बरता: छोटे भाई ने किया प्रेम विवाह, बड़े को दी तालिबानी सजा

बरेली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बदायूं के दातागंज कस्बे के मोहल्ला अरेला में अरशद नाम के युवक का मंगलवार रात अपहरण करने के बाद 15-20 लोगों ने उसे चोर बताते हुए खंभे से बांधकर पीटा। सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने भी आरोपी उसे पीटते रहे। बाद में घसीटते हुए उसे पुलिस की गाड़ी में डाला। पुलिस ने पीटने वालों पर कार्रवाई तब की, जब घटना का वीडियो वायरल होने पर एसएसपी ने सख्ती दिखाई। मामले में लल्ला बाबू, जमील व जुल्फकार को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया है कि छोटे भाई ने एक युवती से प्रेम विवाह कर लिया था, इसलिए अरशद को पीटा गया।

यूपी उपचुनाव: इंडिया गठबंधन में कहां बनी है गांठ, कांग्रेस से बदला लेने के मूड में सपा?

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाले है। लेकिन इस चुनाव में इंडिया गठबंधन खटाई में जाता दिख रही है। माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश और हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं होने का बदला सपा यूपी में ले सकती है। सपा यूपी उपचुनाव में कांग्रेस से गठबंधन के मूड में नहीं है। पार्टी मानती है कि इस गठबंधन के आने वाले समय में नुकसान हो सकते हैं। सपा ने इंडिया गठबंधन के तहत मध्य प्रदेश और हरियाणा में चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस मजबूत स्थिति में थी। सपा ने मध्य प्रदेश में दो और हरियाणा में भी कुछ सीटों की मांग की थी। लेकिन, कांग्रेस की राज्य ईकाई ने गठबंधन से साफ इनकार कर दिया। कांग्रेस हाईकमान के दखल के बाद भी बात नहीं बन सकी। अखिलेश यादव के करीबी बड़े सपा नेता ने दावा किया है कि कांग्रेस के साथ यूपी उपचुनाव में गठबंधन की संभावना न के बराबर है। उन्होंने दावा किया कि यूपी में कांग्रेस और सपा अलग-अलग चुनाव लड़े यो उनकी पार्टी के हित में होगा। जिस तरह मध्य प्रदेश और हरियाणा में सपा का जनाधार नहीं है। उसकी तरह कांग्रेस का यूपी में भी जनाधार नहीं है। सपा ने फैसला लिया है कि यूपी में होने वाले उपचुनावों में कांग्रेस के साथ सीटों का बँटवारा नहीं होगा। इसके लिए सपा ने सभी सीटों पर पार्टी संगठन को अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। बता दें कि यूपी की दस विधानसभा करहल, मिल्कीपुर, सीसामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, खैर और मीरापुर सीटों पर उपचुनाव होना है।

घोड़ासहन रेलवे ट्रैक बम प्लांटिंग केस: एनआईए कोर्ट से 6 आरोपी दोषी करार, आईएसआई के इशारे पर रची थी साजिश

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पटना की एनआईए अदालत ने छह आरोपियों को पूर्वी चंपारण में ट्रेन पलटने की आतंकी साजिश रचने का दोषी पाया है। इन लोगों पर 2016 में घोड़ासहन स्टेशन के पास नेपाली बॉर्डर पर आईईडी बम लगाने का आरोप था। अदालत ने गवाहों और सबूतों के आधार पर यह फैसला सुनाया है। घटना 30 सितंबर 2016 की है जब घोड़ासहन रेलवे स्टेशन के पास नेपाली बॉर्डर पर रेलवे ट्रैक पर आईईडी बम प्लांट करने की खबर मिली थी। यह बम प्रेशर कुकर में रखा गया था।

समय रहते बम को डिफ्यूज कर लिया गया था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस मामले में एनआईए कोर्ट ने मोती लाल पासवान, रंजय कुमार साह, मुकेश यादव, राकेश कुमार यादव, गजेन्द्र कुमार शर्मा और उमाशंकर पटेल को दोषी ठहराया है।

विशेष न्यायाधीश अभिजीत कुमार ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने साबित कर दिया है कि इन लोगों ने ट्रेन को उड़ाने की साजिश रची थी। सभी दोषी फिलहाल बेउर जेल में बंद हैं। अदालत 5 अक्टूबर को सजा सुनाएगी। इस साजिश के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ था।

आईएसआई ने स्थानीय लोगों को पैसा देकर उन्हें अपने साथ मिलाया था और ट्रेन उड़ाने की साजिश रची थी। इस मामले में कुल नौ लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। इनमें से तीन आरोपी अभी भी फरार हैं। इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों में एक भोजपुरी गायक भी शामिल है। गजेंद्र शर्मा नाम का यह शख्स भोजपुरी गानों की रिकॉर्डिंग के लिए स्टूडियो चलाता था। वहीं, राकेश यादव एक मजदूर का बेटा है। इनके अलावा मोती लाल पासवान और मुकेश यादव नेपाल सीमा से सटे एक गांव बखरी के रहने वाले हैं।

मोती लाल पासवान और मुकेश यादव 20 नवंबर 2016 को कानपुर के पास इंदौर-पटना एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की साजिश में भी शामिल हैं। इस हादसे में 148 लोगों की मौत हो गई थी। एनआईए ने इस मामले में भी चार्जशीट दाखिल की है। एनआईए का कहना है कि इस पूरे मामले का मुख्य साजिशकर्ता नेपाली नागरिक समसुल और पाकिस्तान का रहने वाला मोहम्मद साफी था।

खानपान में मिलावट पर मायावती को रास नहीं आया सीएम योगी का फैसला

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खानपान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट या गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एक उच्च स्तरीय बैठक में सीएम योगी ने प्रदेश के सभी होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट आदि को लेकर निर्देश दिए हैं। इस फैसले पर बीएसपी चीफ मायावती की प्रतिक्रिया आई है। मायावती ने कहा, 'यूपी सरकार द्वारा होटल, रेस्तराँ, ढाबों आदि में मालिक, मैनेजर का नाम, पता के साथ ही कैमरा लगाना अनिवार्य करने की घोषणा, कावंड़ यात्रा के दौरान की ऐसी कार्रवाई की तरह ही, फिर से काफी चर्चाओं में कि यह सब खाद्य सुरक्षा हेतु कम व जनता का ध्यान बांटने की चुनावी राजनीति ज्यादा।' बीएसपी चीफ ने कहा, 'वैसे तो खासकर खाद्य पदार्थों में मिलावट आदि को लेकर पहले से ही काफी सख्त कानून मौजूद हैं, फिर भी सरकारी लापरवाही/मिलीभगत से मिलावट का बाजार हर तरफ गर्म है, किन्तु अब दुकानों पर लोगों के नाम जबरदस्ती लिखवा देने आदि से क्या मिलावट का कालाधंधा खत्म हो जाएगा?'

चिंतन जरूरी- मायावती

उन्होंने कहा, 'वैसे भी तिरुपति मन्दिर में 'प्रसादम' के लड्डू में चर्बी की मिलावट की खबरों ने देश भर में लोगों को काफी दुखी व उद्वलित कर रखा है और जिसको लेकर भी राजनीति जारी है। धर्म की आड़ में राजनीति के बाद अब लोगों की आस्था से ऐसे घृणित खिलवाड़ का असली दोषी कौन? यह चिन्तन जरूरी,' उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किए जा सकते। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं नहीं हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं। ऐसे ढाबा, रेस्टोरेंट आदि खानपान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी आवश्यक है।

बीजेपी गठबंधन को चुनौती देने यूपी आ रहे चिराग पासवान

एलजेपी सांसद बोले- 'बिहार से बाहर एनडीए के साथ नहीं'

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की लोक जनशक्ति पार्टी आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान गुरुवार को उत्तर प्रदेश के दौरे पर हैं। वह कौशांबी जिले में रैली को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान चिराग पासवान दलित वर्ग के साथ दूसरे वोटरों को साथ लाने की कोशिश करने वाले हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के सिंबल पर जमुई सीट से सांसद अरुण भारती ने एबीपी लाइव से चिराग

पासवान के दौरे को लेकर कहा था कि एनडीए से हमारा गठबंधन सिर्फ बिहार चुनाव और लोकसभा चुनाव को लेकर है। अन्य राज्यों में हमारा कोई समझौता एनडीए के साथ नहीं है और अब हमारा संगठन यहां विस्तार कर रहा है। कुछ लोग उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ना चाहते हैं, जिसकी हम तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग संविधान और आरक्षण को खतरे में बताने का दावा करते हैं उनको चिराग पासवान मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। लोक जनशक्ति पार्टी के उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने से एनडीए पर पड़ने वाले असर को लेकर यूपी सरकार में मंत्री और एनडीए के सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने एबीपी लाइव से बातचीत में कहा कि इसका एनडीए पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है।

संगठन और जनाधार पर संकट नहीं- राजभर

मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि लोजपा का कोई संगठन यूपी में नहीं है। वो पार्टी शुद्ध रूप से बिहार में ही अपना संगठन और आंदोलन चलाए हुए है, उनका यहां उसका न संगठन है और न जनाधार है। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि लोजपा जिस दलित कम्युनिटी की बात करती हैं, उसमें बड़े नेता के तौर पर मायावती यहां पहले से ही हैं। योगी सरकार के मंत्री ने कहा कि बाकी दलितों में जो शेष जातियां हैं वो जातियां कुछ बीजेपी, कुछ सपा, कुछ बसपा और कुछ कांग्रेस के साथ अलग-अलग बंटी हुई है।

दाल खाते ही बिगड़ी तीन बच्चों की हालत, मासूम ने अस्पताल में दम तोड़ा

मेरठ, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर जनपद में एक परिवार के तीन बच्चों की दाल खाते ही हालत बिगड़ गई। शहर कोतवाली के मोहल्ला उत्तरी रामपुरी निवासी करमवीर, उसकी पत्नी, दो बेटियों और एक बेटे की भोजन में दाल खाने से हालत बिगड़ गई। उन्हें उपचार के लिए परिवार को जिला अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान निक्की (10) की मौत हो गई। अन्य सदस्यों को भर्ती कर लिया गया। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली। करमवीर के घर मंगलवार सुबह दाल बनाई थी। जिसे पूरे परिवार ने सुबह, दोपहर और रात को खाया था।

बरेली-सितारगंज हाईवे घोटाला

21 अधिकारियों पर होगी कार्रवाई, कमिश्नर ने भेजी रिपोर्ट

बरेली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली-सितारगंज हाईवे के चौड़ीकरण और रिंग रोड परियोजना में हुए भूमि अधिग्रहण घोटाले को लेकर मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी है। इस रिपोर्ट में 21 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। इसमें चार भूमि अध्याप्ति अधिकारी, एनएचएआई के दो परियोजना निदेशक, और एक निजी कंपनी के अधिकारियों का नाम शामिल है। इन 21 लोगों में से 18 नए नाम सामने आए हैं, जबकि दो भूमि अध्याप्ति अधिकारियों और

एक वैल्युअर का नाम पहले ही डीएम बरेली द्वारा शासन को भेजी गई रिपोर्ट में शामिल था। इस घोटाले में अब तक लगभग 80 करोड़ रुपये की हेराफेरी का खुलासा हुआ है, और अभी केवल उन मामलों की जांच हुई है जिनमें 50 लाख रुपये से अधिक मुआवजा दिया गया था। घोटाले में शामिल एनएचएआई के दो परियोजना निदेशकों, सर्वे फर्मों के पांच कर्मचारियों, एक अमीन, और सात लेखपालों को प्रारंभिक जांच में दोषी पाया गया है।

तत्कालीन परियोजना निदेशक एआर चित्रांशी और बीपी पाठक को परिसंपत्तियों के गलत मूल्यांकन के लिए दोषी ठहराया गया है। साथ ही, साइट इंजीनियर पीयूष जैन और पारस त्यागी को संयुक्त सर्वे और मूल्यांकन में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार माना गया है। साईं सिस्ट्रा ग्रुप और एसए इन्फ्रास्ट्रक्चर कंसल्टेंसी लिमिटेड के अधिकारियों उजैर अख्तर, राजीव कुमार, और सुनील कुमार पर भी घोटाले में शामिल होने का आरोप है।

टीवी का रिमोट लेकर वसूली करने बैंक पहुंचा 16 वर्षीय लड़का

बोला- "मुझे पैसे दो, वरना बम से उड़ा दूंगा"

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बुधवार शाम को एक 16 वर्षीय नाबालिग एक टीवी का रिमोट लेकर एक बैंक पहुंचा, जहां उसने चिल्लाते हुए बैंक को बम से उड़ाने की धमकी दी और बैंक लूटने की कोशिश की। उसकी धमकी सुनते ही बैंक के कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी लड़के को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी इलाके की है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को विकासपुरी थाने में रात आठ बजे के आसपास एक पीसीआर कॉल मिली। कोलर ने बताया कि एक व्यक्ति एक्सिस बैंक में एक प्लास्टिक का डिब्बा और एक पर्ची लेकर गया है, जिस पर पैसे की मांग लिखी हुई है। बैंक में जाने के बाद उस व्यक्ति ने चिल्लाते हुए कहा कि उसे पैसे दिए जाएं, वरना वह बैंक को उड़ा देगा। आरोपित ने बैंक के कर्मचारियों से 10 लाख रुपये की मांग की थी। पुलिस ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी को पकड़ लिया। वह नाबालिग है और उसके पास एक टूटा हुआ रिमोट कंट्रोल था, जो टीवी का लगता है। आरोपी के पिता को थाने बुलाया गया है और उनसे इस घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। मामले की आगे की जांच चल रही है। पुलिस इस घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

'मैं सिंघम, तू सिंघम', सीएम एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस पर भड़के संजय राउत

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बदलापुर में यौन उत्पीड़न के आरोपी अक्षय शिंदे की मौत को लेकर विपक्षी पार्टियां शिंदे सरकार को घेर रही है। आज (गुरुवार, 26 सितंबर) शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि वे खुद को 'सिंघम' मानते हैं, जो एक काल्पनिक कहानी पर आधारित फिल्म थी। राउत ने कहा, "बदलापुर एनकाउंटर को लेकर कल हाईकोर्ट ने (महाराष्ट्र) सरकार से सवाल किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि एनकाउंटर असली नहीं लगता, यह फर्जी एनकाउंटर था। यह सच या झूठ का सवाल नहीं है, यह बलात्कारियों को सख्त सजा दिलाने का सवाल है। ऐसे मामलों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में नहीं फंसना चाहिए। त्वरित न्याय होना चाहिए। लेकिन अगर आप अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए एनकाउंटर करते हैं तो यह गलत है।"

बॉम्बे हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे को गोली मारने से बचा जा सकता था और उसकी मौत की जांच निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए। संजय राउत ने कहा, "देवेंद्र फडणवीस खुद को 'सिंघम' मानते हैं। इन दोनों (देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे) के बीच 'सिंघम' कौन है, यह तय करने की होड़ मची हुई है। एनकाउंटर का श्रेय लेने की होड़ मची हुई है। क्या जितनों ने भी बलात्कार किए है सबका एनकाउंटर आप करेंगे ? कर दो सबका एनकाउंटर। ये रहस्य कुछ और है, ये बीजेपी और आरएसएस को बचाने के लिए एनकाउंटर किया है।"

आप कितने लोगों का एनकाउंटर करने जा रहे हैं?- संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) के नेता ने देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के पोस्टर्स को लेकर का कि एक तरफ फडणवीस तो दूसरी तरफ शिंदे के हाथ में बंदूक है, मानों उन्हें बड़ी बहादुरी दिखाते हुए परमवीर चक्र से सम्मानित किया जाने वाला है। महाराष्ट्र में, ठाणे जिले में, नागपुर में कई बलात्कार हुए हैं, आप कितने लोगों का एनकाउंटर करने जा रहे हैं? कल ही नालासोपारा में बीजेपी के एक पदाधिकारी को सामूहिक बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया, फडणवीस आप इसके लिए क्या करेंगे, क्या आप गोलियां चलाएंगे? अक्षय शिंदे पर ठाणे जिले के बदलापुर के एक स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के यौन उत्पीड़न का आरोप था। उसे तलोजा जेल से वापस बदलापुर ले जाया जा रहा था तभी गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घटना सोमवार को उस वक्त हुई, जब अक्षय शिंदे को उसकी पूर्व पत्नी की तरफ से दर्ज करायी गयी प्राथमिकी से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में बदलापुर लाया जा रहा था।

दमोह-पन्ना जिले की बॉर्डर पर अनियंत्रित होकर पलटी बस, 10 से अधिक मुसाफिर घायल

दमोह, 26 सितंबर (एजेंसियां)। दमोह-पन्ना जिले की बॉर्डर पर गुरुवार सुबह सिमरिया थाना क्षेत्र में क्रॉसिंग के दौरान एक बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गई। इसमें 10 से अधिक यात्री घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल ही सिमरिया थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों का रेस्क्यू कर उन्हें इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। वहीं मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पन्ना से दमोह आने वाली सुखेजा कंपनी की यात्री बस गुरुवार सुबह दमोह जिले की ओर आ रही थी। गेसाबाद से कुछ दूर आगे सिमरिया थाना क्षेत्र के रतारु गांव में सामने से एक बाइक चालक को बचाने में बस अनियंत्रित होकर पलट गई। जैसे ही बस पलटी यात्रियों ने चीख पुकार मचाना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने तत्काल सिमरिया थाना पुलिस को सूचना दी। थाने से एसआई प्रकाश मंडल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना में घायल यात्रियों को उप स्वास्थ्य केंद्र सिमरिया पहुंचा गया। इस घटना में दस यात्री घायल हुए हैं जिनमें रश्मि पिता प्रकाश पटेल (21) निवासी पड़रिया मोहंद्रा, श्याम बाई पति प्रकाश पटेल (45) निवासी पड़रिया मोहंद्रा, कुंती बाई पति नत्थू अहिरवार (45) पड़रिया अमानगंज, कमलबाई पति नोनेलाल अहिरवार (40) निवासी पड़रिया अमानगंज के अलावा अन्य यात्री हैं, जिनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। इस घटना में चालक, परिचालक भी मामूली रूप से घायल होना बताया गया है।

बीज प्रमाणीकरण विभाग का चपरासी 10 करोड़ के गबन का आरोपी

जीतू पटवारी बोले- लीपापोती में लगे विभाग के अधिकारी

भोपाल, 26 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि बीज प्रमाणीकरण विभाग में करोड़ों रूपयों का व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किये जाने का मामला पहले ही सामने आ चुका है। अब विभाग के एक चपरासी द्वारा 10 करोड़ रूपयों की एफडी को तुड़वाकर अपने खाते में ट्रांसफर कराये जाने का मामला सामने आया है। संज्ञान में यह बात सामने आयी है कि विभाग का उक्त चपरासी विगत 10 वर्षों से कार्यालय में नौकरी करने ही नहीं जाता, फिर भी उसे पूरा वेतन मिल रहा है, इससे स्पष्ट है कि विभाग के आला अधिकारी इस एफडी कांड में शामिल हैं।

भोपाल स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया से जुड़ा मामला

पटवारी ने कहा कि मामला राजधानी भोपाल के इमामी गेट के स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया से जुड़ा हुआ हैं। बीज प्रमाणीकरण विभाग ने इमामी गेट स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया में विगत 30 नवम्बर 2023 को 5-5 करोड़ रुपए की दो एफडी बनवाई थी। जब अधिकारी इन एफडी को तुड़वाने के लिए बैंक पहुंचे तो मामला सामने आया कि इन एफडी की राशि को चपरासी द्वारा तोड़कर एचडीएफसी बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी गई है। इतना ही नहीं एफडी पर मिले 66 लाख रूपये के ब्याज की राशि भी उक्त चपरासी के खाते में ट्रांसफर की गई है।

अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं

पटवारी ने कहा कि एफडी कांड में चपरासी के साथ बैंक मैनेजर या विभाग के आला-अफसर और एमडी की मिलीभगत तो नहीं है? मामला सामने आते ही बैंक प्रबंधन और प्रशासन ने जांच तो शुरू कर दी, लेकिन सच्चाई अभी भी कुछ और ही बयां कर रही है। वहीं पुलिस ने धोखाधड़ी और गबन के मामले की एफआईआर दर्ज कर ली है लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस फर्जीवाड़े को अंजाम देने में कौन-कौन से अन्य लोग शामिल हैं, इतनी बड़ी राशि का गबन करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जानी चाहिए।

पत्नी-बेटे की हत्या कर कॉन्ट्रैक्टर ने खुद को मारी गोली, महिला के हाथ पर लिखे सुसाइड नोट से हुआ ये खुलासा

ग्वालियर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां 45 वर्षीय एक सिविल कॉन्ट्रैक्टर ने अपनी पत्नी और किशोर बेटे की हत्या करने के बाद कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) आयुष गुप्ता ने कहा, उनकी पत्नी के हाथ में एक नोट मिला, जिसमें उन्होंने अपने भाई को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि ठेकेदार नरेंद्र सिंह चौहान बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के 12 बीघा कॉलोनी के निवासी थे। नरेंद्र सिंह चौहान उनकी पत्नी सीमा (42) और उनके बेटे आदित्य (18) का शव उनके घर की पहली मंजिल पर मिले। वहीं सीमा की हथेली पर सुसाइड नोट भी लिखा पाया गया है।

विवादित बयान देने वाले अशोक चौधरी पर मेहरबान हुए सीएम नीतीश, दिया बड़ा पद

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार के मंत्री और जेडीयू नेता अशोक चौधरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा तोहफा दिया है। नीतीश ने मंत्री अशोक चौधरी को जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। आपको बता दें कि बीते दिनों अशोक चौधरी ने नीतीश कुमार को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने इशारों में सोशल मीडिया पर सीएम नीतीश की बढ़ती उम्र पर निशाना साधा था। हालांकि, अब नीतीश कुमार, अशोक चौधरी पर मेहरबान हो गए हैं।

तत्काल प्रभाव से नियुक्ति

जनता दल यूनाइडेट की ओर से अशोक चौधरी की नियुक्ति को लेकर जानकारी साझा की गई है। जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी को तत्काल प्रभाव से जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है।

क्या था अशोक चौधरी का विवादित बयान?

मंत्री अशोक चौधरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कविता लिखी थी- बढ़ती उम्र में इन्हें छोड़ दीजिए।। एक दो बार समझाने से यदि कोई नहीं समझ रहा है तो सामने वाले को समझाना ₹छोड़ दीजिए₹। बच्चे बड़े होने पर वो ख़ुद के निर्णय लेने लगे तो उनके पीछे लगना, छोड़ दीजिए। अशोक चौधरी के इस पोस्ट से माना गया कि उन्होंने सीएम नीतीश की बढ़ती उम्र पर निशाना साधा है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने अशोक चौधरी के इस पोस्ट पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि सीएम नीतीश को किसी के सुझाव की जरूरत नहीं है।

सीएम नीतीश से हुई थी मुलाकात

विवाद के बाद अशोक चौधरी की सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात हुई थी। डेढ़ घंटे तक चली मुलाकात के बाद सीएम हाउस से निकलने के बाद अशोक चौधरी ने सीएम नीतीश के साथ तस्वीर शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने लिखा था कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना।।

20 साल के युवक को उठा ले गए बदमाश.40 करोड़ की फिरौती मांगी, पुलिस ने सुलझाया केस

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अंबरनाथ के एक बिल्डर संजय रंभाजी शेलके के 20 साल के बेटे को कुछ लोगों ने किडनैप कर लिया। बेटा वापस करने के बदले उन्होंने 40 करोड़ रुपये की मांग की। 20 वर्षीय बेटे को छुड़ाने के लिए संजय ने पुलिस की मदद मांगी। जानकारी के मुताबिक, इस किडनैपिंग में 10 लोग शामिल थे, जिनको पुलिस ने 12 घंटे में पकड़ लिया। पुलिस ने युवक को सकुशल उसके घर पहुंचा दिया। मंगलवार को 20 साल के लड़के को किडनैप कर लिया गया। इस दौरान किडनैपर्स कार में सवार होकर आए थे, जो जबरन लड़के को उठा ले गए। किडनैपर्स ने देर ना करते हुए संजय शेलके से 40 करोड़ रुपये की डिमांड कर डाली। उन्होंने धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए बेटे को मार दिया जाएगा। संजय शेलके ने इसकी सूचना अंबरनाथ पुलिस को दी। पुलिस ने उसके बाद तुरंत 15 अधिकारियों और 80 पुलिसकर्मियों की 8 टीमों का गठन किया।

सरकार ने हाईकोर्ट में पेश की रिपोर्ट, 2017 से अब तक पकड़े गए 10 जंगली हाथी

जबलपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार ने हाईकोर्ट में पेश की गई रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2017 से अब तक 10 जंगली हाथियों को पकड़ा गया है, जिनमें से दो हाथी 2024 में पकड़े गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से 10 वर्षीय एक हाथी को जल्द ही जंगल में छोड़ दिया जाएगा, जबकि दूसरे हाथी, जिसकी उम्र लगभग 25 साल है, की ट्रेनिंग में कुछ समय और लगेगा। हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस देव नारायण मिश्रा की युगलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर 2024 को निर्धारित की है। रायपुर निवासी नितिन सिंघवी द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ से जंगली हाथियों के झुंड मध्य प्रदेश के जंगलों में प्रवेश करते हैं, जिससे किसानों की फसलें बर्बाद होती हैं और घरों में तोड़फोड़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। कुछ मामलों में जंगली हाथियों द्वारा किए गए हमलों में लोगों की मृत्यु भी हो चुकी है। याचिका में यह भी बताया गया है कि प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर फॉरेस्ट (पीसीसीएफ) वाइल्डलाइफ के आदेश पर ही इन हाथियों को पकड़ा जा सकता है। जंगली हाथी संरक्षित वन्य प्राणियों की प्रथम सूची में आते हैं, और पकड़े जाने के बाद उन्हें टाइगर रिजर्व में भेजकर प्रशिक्षण दिया जाता है। हालांकि, याचिकाकर्ता का दावा है कि ट्रेनिंग के दौरान हाथियों को यातनाओं का सामना करना पड़ता है, जो कि केंद्रीय पर्यावरण विभाग की गाइडलाइन्स के अनुसार नहीं होना चाहिए। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि जंगली हाथियों को पकड़ने का कदम अंतिम उपाय के रूप में होना चाहिए, लेकिन मध्य प्रदेश में इसे पहले विकल्प के रूप में अपनाया जा रहा है।

ईडी ने ऑनलाइन गेमिंग एप पर कसा शिकंजा, फ्रीज किए 25 करोड़ रुपए, 400 करोड़ की धोखाधड़ी का खुलासा

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन गेमिंग एप फ़िएविन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 25 करोड़ रुपए की संपत्ति को फ्रीज कर दिया है। इस एप के जरिए 400 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई है, जिसका पैसा चीन पहुंचाया गया।

ईडी की जांच में पता चला कि चीनी नागरिकों ने इस एप का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों में किया। कैसे हुआ घोटाला? फ़िएविन एप का संचालन चीनी नागरिकों द्वारा किया जा रहा था, जिन्होंने भारतीय नागरिकों की मदद से इसे चलाया। एप के जरिए लोगों से जमा किए गए पैसे को रिचार्ज व्यक्ति के खातों में डाला गया, जो इसे क्रिप्टो करेंसी में बदलकर चीन भेजते थे। इस काम में उड़ीसा के अरुण साहू और आलोक साहू जैसे लोग शामिल थे, जिन्होंने इस एप के लिए बैंक खातों का इस्तेमाल किया। क्रिप्टो करेंसी और मनी लॉन्ड्रिंग का जाल ईडी की जांच में पता चला कि पटना के एक इंजीनियर चेतन प्रकाश ने इस मनी लॉन्ड्रिंग के काम में मदद की।

उन्होंने जमा किए गए पैसों को क्रिप्टो करेंसी (यूएसडीटी) में बदलने में अहम भूमिका निभाई। जोसेफ स्टालिन नामक एक अन्य व्यक्ति ने भी इस घोटाले में हिस्सा लिया, जिसने एक चीनी नागरिक पाई पेंग्युन को अपनी कंपनी का सह-निदेशक बनने में मदद की। क्या था घोटाले का तरीका? पाई पेंग्युन और जोसेफ स्टालिन ने लोगों का विश्वास जीतकर उन्हें एप पर बड़े दांव लगाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद एप से जुड़े पैसों को क्रिप्टो करेंसी में बदलकर चीन के बिनेंस वॉलेट में ट्रांसफर किया गया।

ईडी की जांच से पता चला कि करीब 400 करोड़ रुपए इस तरह चीनी नागरिकों के नाम से चलाए जा रहे 8 बिनेंस वॉलेट में भेजे गए। 25 करोड़ की संपत्ति फ्रीज ईडी ने इस मामले में अब तक 25 करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रीज की है और चार लोगों अरुण साहू, आलोक साहू, चेतन प्रकाश और जोसेफ स्टालिन को गिरफ्तार किया है। इन सभी आरोपियों ने टेलीग्राम के जरिए चीनी नागरिकों से संपर्क रखा और इस धोखाधड़ी में सक्रिय भूमिका निभाई।

2600 रुपये की रिश्वत के चक्कर में फंस गए इंजीनियर साहब, एसीबी ने जाल बिछाकर किया अरेस्ट

ठाणे, 26 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बिजली विभाग के एक इंजीनियर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किए जाने की खबर सामने आई है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यानी कि एसीबी ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उसने ठाणे में महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (एमएसईडीसीएल) के एक इंजीनियर को बिजली उपभोक्ताओं से 2,600 रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इंजीनियर ने पहले 4 हजार रुपये मांगे थे, लेकिन बाद में 2600 रुपये पर बात तय हो गई थी। एसीबी ने बताया कि इंजीनियर को रंगे हाथ पकड़ने के बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। एसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 43 साल के सहायक इंजीनियर ने पहले 4 बिजली मीटर लगाने के एवज में उपभोक्ताओं से 4,000 रुपये की मांग की थी लेकिन बातचीत के बाद उसने रकम घटाकर 2,600 रुपये कर दी थी। ब्यूरो के मुताबिक, इन उपभोक्ताओं ने एसीबी की ठाणे इकाई में शिकायत कर दी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने बुधवार को ठाणे के शील फाटा में एमएसईडीसीएल के दफ्तर में जाल बिछाकर आरोपी को एक शिकायतकर्ता से 2,600 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। एसीबी ने कहा कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आर्मी कैंटीन से कार दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला युवक गिरफ्तार

खुद को पीएमओए अधिकारी बताता था

इंदौर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर में पुलिस ने एक ठग को गिरफ्तार किया है, जो खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय पीएमओ का अफसर तो कभी नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी (एनएसए) का अफसर बताकर लोगों से ठगी करता था। आरोपी ने आर्मी कैंटीन से कार दिलाने का झांसा देकर अपने म्यूजिक टीचर से ही लाखों रुपये और दस्तावेज ले लिए। इसके अलावा उनसे मुंबई के एक युवक को भी ठगा। कार डिलेवर होने में आनाकारी करने पर मामला पुलिस तक पहुंचा। आरोपी कल्पेश बेलदार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके घर से एनएसए लिखी बुलेट जब्त की। उस पर वह तिरंगा लगाकर रखता था। आरोपी ने किन-किन लोगों को ठगा है। इस मामले में पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। कल्पेश एक निजी कंपनी में काम करता है और म्यूजिक सीखने इंदौर में ही भूषण तिवारी से म्यूजिक सीख रहा था। उसने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर कल्पेश से मेलजोल बढ़ाया और ज्यादा डिस्काउंट में वस्तुएं खरीदने का झांसा दिया। भूषण ने कार लेने की इच्छा जताई। इस बीच भूषण ने मुबंई में प्रभात मिश्रा को भी लालच दिया था।

बिट्टू सिंह समेत पांच लोगों को आजीवन कारावास की सजा, जुर्माना भी लगाया

पूर्णिया, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया जिले के चर्चित मलय सिंह हत्याकांड में शामिल पांच आरोपियों को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पूर्णिया सिविल कोर्ट स्थित द्वितीय अपर जिला व सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन सहाय ने बिट्टू सिंह, विक्की सिंह, रमन सिंह, करकू सिंह और बजरंग सिंह उर्फ बजरंगी सिंह को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही साथ सभी अभियुक्तों को 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। वहीं, आरोपी बिट्टू सिंह पूर्व से ही भागलपुर सेंट्रल जेल में बंद है। वहीं, जमानत पर चल रहे अन्य आरोपियों की सजा पहले ही कोर्ट ने रद्द कर दी थी। बता दें कि 16 साल पहले पांच सितंबर 2008 गिरजा चौक के निकट दिन के तीन बजे दिनदहाड़े बाइक सवार मलय सिंह को रोककर उसके सिर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या को लेकर मृतक सरसी निवासी प्रमिला देवी पति स्वर्गीय कामेश्वर प्रसाद सिंह ने केहाट थाने में कांड संख्या 352/08 के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी थी। उसने कहा था कि उस दिन वह बाइक पर अपने छोटे बेटे मलय सिंह के साथ बैठकर बैंक में खाता खुलवाने जा रही थी। गिरजा चौक से थोड़ा आगे बढ़ते ही मालिक गैरेज से आगे बढ़ते ही बजरंगी सिंह मलय को रुकने का इशारा किया। उसने बाइक रोक दी। इतने में श्रीनगर रोड की ओर से बाइक पर सवार बिट्टू सिंह, विक्की सिंह, रमन सिंह, करकू सिंह आया और उसे बाइक से उतार दिया।

मुंबई में बारिश के बाद बने हालात पर आदित्य ठाकरे ने सरकार को घेरा

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में भारी बारिश के कारण बुधवार को निचले इलाकों में पानी भर गया, लोकल ट्रेनों का आवागमन थम गया और मुंबई आने वाली करीब 14 फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ा. साथ ही जगह-जगह जलभराव से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा. वहीं इसको लेकर शिवसेना यूबीटी के नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे सरकार को घेरा है. आदित्य ठाकरे ने कहा, मुंबई, ठाणे और पुणे में बड़ी संख्या में नागरिकों को परेशानी हुई. 2005 के बाद पहली बार वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे कल भरा हुआ नजर आया. बीएमसी नागरिकों की मदद करने वाली टीमें कहीं नजर नहीं आईं. गड्ढे साफ होने चाहिए थे, लेकिन जगह-जगह सड़कें खोद दी गई हैं.

'इतनी बुर स्थिती नहीं देखी'

ट्रेन से यात्रा करने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा. इतनी बुरी स्थिति कहीं नहीं देखी गई. उन्होंने कहा कि मुंबई, पुणे और ठाणे पर कोई ध्यान नहीं देता. क्या सड़क पर नजर आया नगर निगम प्रशासन? कई पंप काम नहीं कर रहे हैं.

'मुंबई को चलाने वाले कहां थे'

पूर्व मंत्री ठाकरे ने कहा कि वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे जो कभी नहीं भरा वो भी बुधवार को भरा हुआ था. उन्होंने सवाल किया कि मुंबई को चलाने वाले कहां थे. इसके अलावा उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पर निशाना साधते हुए कहा कि रेलवे की स्थिति सही नहीं, प्रभारी कहां थे?

गर्भवती महिला को पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

वहीं एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने नौ माह की एक गर्भवती महिला को घाटकोपर के एक अस्पताल तक पहुंचाने में मदद की, क्योंकि रात में भारी बारिश के कारण उसे वहां जाने के लिए कोई वाहन नहीं मिल पाया था. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इससे पहले मुंबई एवं आसपास के इलाकों - ठाणे, पालघर, रायगढ़ के लिए गुरुवार की सुबह 'रेड अलर्ट' जारी किया था.

खेत की मेड़ काटने के विवाद में जमकर चले लाठी-डंडे, जमीन पर लिटाकर मारा; एक की मौत

रुड़की, 26 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के रुड़की में एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आयी है. यहां एक मामूली विवाद में दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई. आपस में लाठी डंडे चले, एक दूसरे पर फरसे से वार किया. इस घटना में एक आदमी की मौके पर ही मौत हो गई है. वहीं दोनों पक्षों के करीब दर्जन भर लोग घायल हो गए हैं. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं दोनों पक्षों की ओर से आई तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है. पुलिस के मुताबिक बुधवार को एक पक्ष के लोगों खेत की मेड़ को छांट दिया था. इस बात पर दूसरे पक्ष ने आपत्ति जताई तो कहासुनी हो गई. देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग लाठी डंडे लेकर एक दूसरे के आमने सामने आ गए और एक दूसरे पर लाठी डंडे से वार करने लगे. इस वारदात में एक व्यक्ति को सिर पर लाठी लगने से मौके पर ही मौत हो गई. वहीं दोनों पक्षों के करीब दर्जन भर लोग लाठी और फरसे के प्रहार से गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है.सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने सभी घायलों के बयान दर्ज किए हैं. इसके अलावा पास पड़ोस के लोगों से भी घटना की जानकारी ली है.

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 27 सितंबर- 2024

डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

आर.के. सिन्हा

भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े हुए सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकि; सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देश भर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करौली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोज चार- पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं। भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल क़ॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं।

आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्कि; युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा।

दरअसल मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व होता है। यहां पर जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है मार्गदर्शन के लिए। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे जो इस पेशे में आ रहे हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिल-जुलकर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना एक जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं।

क्या किसी को बताने की जरूरत है कि अब भी देश के ग्रामीण भागों में अनुभवी डॉक्टरों की भारी कमी है? ग्रामीण भारत की जनता बीमार होने पर बड़े शहरों के अस्पतालों में पहुंचती है। हर रोज राजधानी दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, गंगा राम अस्पताल वगैरह में हजारों ग्रामीण दूर-दराज के राज्यों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। अगर उनके गांवों के पास पर्याप्त डॉक्टर और श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हों तो वे क्यों सैकड़ों मील चलकर दूर आयेंगे? सरकारी डॉक्टरों की उम्र बढ़ाने से गांवों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक पूर किया जा सकता है।

ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस समस्या का एक हल यह भी है कि रिटायरमेंट की आयु बढ़ने से वहां पर तैनात डॉक्टरों को सेवा करने का मौका मिलता रहेगा।

डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि देश के ग्रामीण भागों में सर्जनों, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों, फिजीशियनों और बाल रोग विशेषज्ञों की मांग को भी पूरा करने की जरूरत है। डॉक्टरों का सेवा विस्तार करने से गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है।

वरिष्ठ डॉक्टर अक्सर हेल्थ सेक्टर मैनेजमेंट और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सेवा विस्तार करने से उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीतियों को आकार देने और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा। जैसा कि ऊपर कहा गया कि जब भारत में डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की, तो हिन्दुस्तानियों की औसत उम्र काफी कम थी। 1950 और 1960 के दशक में, जब औसत उम्र कम थी, तो 55 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु उचित मानी जाती थी। 1970 के दशक में बढ़कर 58 वर्ष हुई, और फिर 1990 के दशक में 60 वर्ष हुआ। 2017 में केंद्र सरकार के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई थी, ताकि अनुभवी चिकित्सा पेशेवरों को अधिक समय तक बनाए रखा जा सके। अब वक्त का तकाजा है कि केन्द्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों से जुड़े डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ाया जाए।

अमेरिका और यूरोप के देशों में शोध कार्यों से जुड़े डॉक्टर जीवन भर सेवा में रहते हैं। जब यह व्यवस्था अन्य देशों में हो सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं। भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस लिहाज से सरकार जल्दी कोई फैसला लेगी।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संकट में सिद्दारमैया

मुदा मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट से मिले झटके के बाद कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया पर संकट गहराता जा रहा है। हाईकोर्ट ने राज्यपाल की ओर से जांच की मंजूरी देने के फैसले को सही ठहराया है। अब मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच शुरू हो चुकी है। नतीजतन विपक्ष उनसे इस्तीफे की मांग पर अडा है। विपक्ष अब किसी भी हालत में इस सुनहरे मौके को गंवाना नहीं चाहता। इसलिए शहर दर शहर विरोध प्रदर्शन भी किया जा रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस को भरोसा है कि सीएम के पास सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का विकल्प खुला हुआ है। जहां से उन्हें न्याय की उम्मीद है। देखा जाए तो कर्नाटक हाईकोर्ट का यह फैसला मुख्यमंत्री की भूमिका पर कोई सीधी टिप्पणी नहीं करता दिखाई दे रहा है। दरअसल, कोर्ट के सामने सवाल यह रखा गया था कि मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच को मंजूरी देने का राज्यपाल का फैसला सही है या नहीं। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल आम तौर पर कैबिनेट की सलाह के मुताबिक ही काम करते हैं, लेकिन अपवाद के तौर पर कुछ मामलों में वह अपने विवेक से भी फैसला ले सकते हैं। इसलिए मौजूदा मामला हाईकोर्ट के मुताबिक अपवाद की श्रेणी में आता है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब यह रास्ता खुल गया है कि इस मामले में जांच की कार्रवाई आगे बढ़ाई जाए। मुदा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दोषी हैं या नहीं, यह तो जांच के बाद ही पता चल सकेगा। लेकिन हाईकोर्ट के फैसले के बाद पक्ष और विपक्ष में दावे-प्रतिदावे जमकर किए जा रहे हैं। जाहिर है दावे के आधार पर तो कोई ठोस नतीजा नहीं निकाला जा सकता। लेकिन मुख्यमंत्री के खिलाफ किसी मामले में जांच शुरू हो जाना भी कोई छोटी बात नहीं नहीं मानी जानी चाहिए। ऐसे में यह सवाल भी लाजिम हो जाता है कि क्या संबंधित व्यक्ति के मुख्यमंत्री पद पर बने रहते हुए सरकारी एजेंसियां निष्पक्ष जांच कर पाएंगी, या प्रभाव के चलते जांच में हीला-हवाली कर सकती हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को बल मिला है। बहरहाल, अभी हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील का विकल्प बाकी है। बहुत संभव है कि मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और कांग्रेस पार्टी इस मसले पर अपना रुख बदलने से पहले सुप्रीम कोर्ट की राय सामने आने का इंतजार करें। बता दें कि हाल के वर्षों में जहां राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं और सरकार चला रहे लोगों के खिलाफ आरोपों और विवादों में तेजी आई है, वहीं इन विवादों पर संबंधित पक्षों से एकदम अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिलती रही हैं। हाल के ऐसे दो चर्चित मामले देखें तो झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेल जाने से पहले पद छोड़ दिया था लेकिन जमानत पर छूटने के बाद वापस पद पर काबिज हो गए। दूसरी ओर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में रहते हुए पद पर बने रहे और जमानत पर बाहर आने के बाद पद से इस्तीफा दिया। ऐसे हर मामले में राजनीति के अलग-अलग रंग व समीकरण देखने को मिल जाते हैं। ये मामले देश की लोकतांत्रिक चेतना के अलग-अलग पहलुओं का भी परिचय देते हैं। देखना होगा कि कर्नाटक का घटनाक्रम आगे चुनावी राजनीति का कौन सा रंग दिखाता है। लेकिन कांग्रेस निश्चिंत इसलिए भी है कि अभी निकट भविष्य में चुनाव का कोई जोखिम नहीं है।

संस्कारों और प्रगतिशीलता का संतुलन ही जीवन की सफलता

संजीव ठाकुर

मनुष्य को मानव जीवन बड़ी मुश्किल से मिलता है और मानव जीवन अमूल्य है। मनुष्य जीवन ही ऐसा है जिसमें मस्तिष्क, सोचने की क्षमता होती है और हंसने मुस्कुराने का विशिष्ट गुण होता है और यही गुण मनुष्य को पशु पक्षी और जानवर से पृथक करता है। मानव जीवन नाटकीय परिस्थितियों से भरा पड़ा है।

जिंदगी जीने के कई दृष्टिकोण मनुष्य के सामने होते हैं कई व्यक्ति आर्थिक सफलता को जीवन में सर्वोच्च स्थान देता है, कोई समाज सेवा को और कोई सामाजिक सम्मान का अति लोभी भी हो जाता है ,कोई व्यक्ति राजनीति के उच्चतम शिखर पर पहुंचना चाहता है ।यह सभी मनुष्य के जीवन जीने के अलग अलग तरीके हो सकते हैं अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्या आवश्यक साधन एवं तरीके अपनाए जाएं यह एक यक्ष प्रश्न की तरह मनुष्य के सामने खड़ा होता है। मनुष्य का हमेशा जिंदगी जीने के लिए एक ललक और प्यास रखने की आवश्यकता होती है जीवन को यह अंतिम जीवन हैं कहकर जीने की आवश्यकता होती है एवं इसे निश्चित धैर्य में बांधकर जीवन जीने की बजाए प्रयोग के साथ नवीनता और परिवर्तनशीलता लबालब रखना चाहिए मगर शर्त यह है कि यह मनुष्य के जीने का तरीका सामाजिक नियमों या परिपाटी का खुला उल्लंघन ना हो। खुले जीने के तरीके मनुष्य को आत्म संतुष्टि प्राप्त नहीं होती है। जीवन जीने का तरीका एक यह भी है की विपरीत परिस्थितियों से डटकर मुकाबला कर उसे सहज स्वीकारना चाहिए। वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में जहां पूरी दुनिया एक वैश्विक ग्राम बनकर रह गई है वहां जीवन नाटकीय ता से परिपूर्ण हो सकता है क्योंकि मनुष्य का आज का जीवन विश्व की तमाम क्रिया प्रतिक्रिया एवं घटनाओं से काफी हद तक प्रभावित होता रहा है भले ही उससे समक्ष या परोक्ष रूप से मनुष्य जुड़ा हुआ हो या न हो। हाल की घटनाओं में ले लीजिए रूस यूक्रेन और इजराइल फिलिस्तीन युद्ध से पूरा विश्व जनमत प्रभावित हुआ है एवं वैश्विक महंगाई में भी इजाफा हुआ है क्योंकि विश्व के तेल आयातक देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए। मनुष्य के निजी जीवन में कई घटनाएं, दुर्घटनाएं आकस्मिक सामने आ जाती हैं तो ऐसे में मनुष्य को बिना हिचकिचाहट दर्शाए उन परिस्थितियों से रूबरू होकर उसका सामना संयम ,मनोबल तथा पूरी शक्ति से करना चाहिए ऐसे में निश्चित तौर पर मनुष्य को विषम परिस्थितियों में सफलता प्राप्त होती है।

क्योंकि मनुष्य को श्रम करने की आदत हो तो जीवन के अनेक पहलुओं को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। जीवन के अनेक दृष्टिकोण से परिस्थितियों को गुणवत्ता के आधार पर स्वीकार तथा आज स्वीकार करते हुए निरंतर अग्रसर होते रहना चाहिए और कठिन श्रम निरंतर मेहनत पर मनुष्य को भरपूर भरोसा होना चाहिए।

क्योंकि कर्म पर भरोसा रखने से और इस प्रक्रिया से भविष्य के परिणाम बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं जीवन को सकारात्मक विचारों के साथ निरंतर आगे बढ़ाकर परिस्थितियों का दास नहीं उस पर नियंत्रण करता होना चाहिए, तब जाकर मनुष्य अपने लक्ष्य को सफलता के रूप में प्राप्त कर सकता है। मनुष्य को केवल जीवन जीना ही नहीं है उसे उस जीवन को सफल और सफलता के चरमोत्कर्ष तक पहुंचाना होता है। साधारण जिंदगी जिए और मृत्यु को प्राप्त हो गए ऐसा जीवन तो जानवर पशु पक्षी भी जीते हैं यदि आपको मनुष्य योनि में जन्म मिला है तो इसे सार्थक करने के लिए आपको अनथक प्रयत्न कर इस लोक जगत और मानव सभ्यता के लिए परोपकार की भावना भी आपके व्यक्तित्व में समाहित करना होगा।

पर्यटन से पनपती है शांति एवं मुस्कान की संभावनाएं

ललित गर्ग

विश्व पर्यटन दिवस दुनियाभर में पर्यटन के महत्व और इसके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव को उजागर करने के लिए मनाया जाता है। हर साल 27 सितंबर को आयोजित होने वाला यह दिन अंतरराष्ट्रीय एकता, शांति, सौहार्द और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने में पर्यटन की शक्ति की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है। इस दिवस की 2024 की थीम है 'पर्यटन और शांति।' दुनिया में शांति एवं अयुद्ध को बढ़ावा देने में पर्यटन की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अंतर-सांस्कृतिक बातचीत को प्रोत्साहित करता है। लोग जितना अधिक यात्रा करते हैं, उतना ही वे विविध संस्कृतियों का अनुभव करते हैं जिससे अधिक सहिष्णुता और समझ विकसित होती है, एक दूसरे के नजदीक आने का अवसर मिलता है। इससे शांति, अमन एवं सौहार्द का वातावरण निर्मित होता है। पर्यटन बाधाओं को तोड़ सकता है और राष्ट्रों के बीच स्थायी बंधन बना सकता है। यह रोजगार प्रदान करके और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों को ऊपर उठाने में भी मदद करता है, इस प्रकार क्षेत्रों की दीर्घकालिक शांति और समृद्धि में योगदान देता है। पर्यटन न केवल एक आर्थिक चालक है बल्कि एक अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण दुनिया बनाने का एक साधन भी है। पर्यटन क्षेत्र वैश्विक अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देता है और लाखों नौकरियाँ प्रदान करता है। यह स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करता है और सामुदायिक बुनियादी ढाँचे में निवेश को प्रोत्साहित करता है। पर्यटन लोगों को अपनी संस्कृतियों, परंपराओं और ज्ञान को साझा करने का अवसर देता है। यह आदान-प्रदान सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और विविध समुदायों के बीच सम्मान, सौहार्द, सद्भावना और समझ को बढ़ावा देने में मदद करता है। संधारणीय पर्यटन प्रथाएँ यात्रियों को पर्यावरण की रक्षा करने और जिम्मेदारी से यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। इससे पारिस्थितिकी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है और हमारे ग्रह की बेहतर देखभाल को बढ़ावा मिलता है। पर्यटन से स्थानीय क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएँ और सेवाएँ मिल सकती हैं, जिससे आगंतुकों और निवासियों दोनों को लाभ होगा। यह विकास स्थानीय समुदायों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकता है। भारत में पर्यटन उद्योग ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। पर्यटन क्षेत्र द्वारा 2024 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 21.15 ट्रिलियन रुपये (लगभग 253 बिलियन डॉलर) जोड़ने का अनुमान है, जो पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। भारत विश्व स्तर पर पाँचवाँ सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाज़ार बनने के लिए तैयार है, जिसका अनुमान है कि 2027 तक आउटबाउंड पर्यटन व्यय 89 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा जो 2019 में 38 बिलियन डॉलर था। भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं। 2024 के लिए, इतिहास, संस्कृति और लुभावने परिदृश्यों से समृद्ध देश जॉर्जिया विश्व पर्यटन दिवस की मेजबानी करेगा। जॉर्जिया पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया के चौराहे पर स्थित है, जो संस्कृतियों का एक अनूठा मिश्रण पेश करता है। यह अपने प्राचीन चर्चों, वाइन क्षेत्रों और आश्चर्यजनक पर्वत श्रृंखलाओं के लिए प्रसिद्ध है। जॉर्जिया का पर्यटन क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे लाखों अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आकर्षित हो रहे हैं। अपने खूबसूरत नज़ारों के साथ, जॉर्जिया यह दिखाने के लिए एकदम सही जगह है कि पर्यटन किस तरह शांति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। पर्यटन का महत्व और पर्यटन की लोकप्रियता को देखते हुए ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1980 से 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के तौर पर मनाने का निर्णय लिया। पर्यटन दिवस को वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास हेतु मील के पत्थर के रूप में देखा जाता है एवं इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में इस बात को प्रसारित तथा जागरूकता फैलाने के लिए हैं कि किस प्रकार पर्यटन वैश्विक रूप से, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा आर्थिक मूल्यों को तथा आपसी समझ बढ़ाने में सहायता कर सकता है। हर व्यक्ति किसी-ना-किसी परेशानी से घिरा हुआ है, भय और जीवनसंकट के इस दौर में ऐसा लगता है मानो खुशी एवं मुस्कान तो कहीं गुम हो गई है। बावजूद इन सबके हर व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ समय ऐसा जरूर निकालना चाहिए जिसमें खुशी, शांति एवं प्रसन्नता के पल जीवंत हो सके, इसका सशक्त माध्यम है पर्यटन। पर्यटन सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को वापस लाने में ही मदद नहीं करेगा बल्कि यह किसी भी देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी बनेगा। कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यूरोपीय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और भारत आदि ऐसे देश हैं जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है।

भारत जैसे देशों के लिए पर्यटन का खास महत्व है। देश की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। आज भारत जैसे देशों को देखकर ही विश्व के लगभग सभी देशों में पुरानी और ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण, संवर्द्धन किया जाने लगा है। भारत में प्राचीन समय से पर्यटन की व्यापक संभावनाएं एवं स्थितियां रही है, लेकिन एक समय ऐसा आया जब भारत के पर्यटन स्थल खतरे में नजर आने लगे और लगने लगा कि शायद अब भारत पर्यटक स्थल के नाम पर पर्यटकों की पहली पसंद नहीं रहेगा। दुनिया में आई आर्थिक मंदी और आतंकवाद के चलते ऐसा लगने लगा कि पर्यटक अब भारत का रुख करना पसंद नहीं करेंगे, पर ऐसा नहीं हुआ। भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुन्दरता इतनी ज्यादा है कि पर्यटक ज्यादा समय तक यहां के सुन्दर नजारे देखने से दूर नहीं रह सके। यही वजह है कि भारत में विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूरगामी सोच से अनेक पर्यटन योजनाओं को लागू किया है। वे खूद भी पर्यटन को प्रोत्साहन देने को तत्पर रहते हैं, पिछले दिनों उनकी लक्षद्वीप की यात्रा एवं आम चुनाव के बाद कन्याकुमारी में विवेकानन्द आश्रम में एकान्त साधना से इन स्थलों के पर्यटन को अनायास ही प्रोत्साहन मिला।

सरकार द्वारा विभिन्न शहरों के लिये अलग-अलग योजनाएं भी लागू की गयीं हैं। भारतीय पर्यटन विभाग ने 'अतुल्य भारत' नाम से अभियान चलाया था। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय पर्यटन को वैश्विक मंच पर प्रोत्साहित करना था जो काफी हद तक सफल हुआ। देश के द्वार विदेशी सैलानियों के लिए खोलने का काम यदि सही और सटीक विपणन ने किया तो हवाई अड्डों से पर्यटन स्थलों के सीधे जुड़ाव ने पर्यटन क्षेत्र के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वर्कलोड: टेंशन लेने का नहीं देने का!

रजनीश कपूर

संजय दत्त की बहुचर्चित फ़िल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' का एक डायलॉग काफ़ी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे 'टेंशन लेने का नहीं - देने का'। परंतु शायद उस फ़िल्में में दिये गये संदेश को कुछ लोग गंभीरता से नहीं ले सके। इसीलिए वे मामूली से तनाव को इतना बढ़ा लेते हैं कि वह कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो जाता है। इस फ़िल्म ने कठिन परिस्थितियों को गंभीरता से न लेने की सलाह दी। परंतु आजकल के 'वर्क प्रेशर' व प्रतिस्पर्धा के चलते हर दूसरा व्यक्ति तनाव में दिखाई देता है। इस तनाव का असर न सिर्फ़ उसकी सेहत पर पढ़ता है बल्कि उसके पारिवारिक जीवन में भी तनाव पैदा हो जाता है। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर पुणे की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना सेबेस्टियन की माँ की चिट्ठी काफ़ी चर्चा में रही। भारत में इस कंपनी के अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में ऐना की माँ ने इस बात का उल्लेख किया कि किस तरह उनकी पुत्री पर कंपनी ने काम का दबाव बनाया हुआ था। मात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली। इस दबाव का एक स्पष्ट उदाहरण तब भी दिखा जब ऐना के अंतिम संस्कार में कंपनी में काम करने वाले सहकर्मी भी नहीं पहुँचे। जैसे ही ऐना की माँ का यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही इस बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम कर चुके पूर्व कर्मचारियों ने अपने भयानक अनुभव भी साझा किए। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा वैसे ही कंपनी की ओर से 'वर्क प्रेशर' का खंडन किया गया। इसके साथ ही सरकार ने भी इस मामले में जाँच बैठा दी है। ऐना की मृत्यु ने आज के कॉर्पोरेट जगत में कई सवाल खड़े कर दिये हैं। इस दुखद घटना के बाद कई तरह की प्रतिक्रियाएँ भी आ रही हैं। दरअसल 'वर्क प्रेशर' के बढ़ते हुए तनाव के कारण दुनिया भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां प्रतिस्पर्धा की दौड़ में आगे रहने के चलते कई लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। चीन में एक व्यक्ति ने लगातार 104 दिनों तक बिना किसी छुट्टी के काम किया और अंततः शरीर के कई अंगों की विफलता के कारण उसकी मौत हुई। वहाँ की अदालत ने उस व्यक्ति की कंपनी को उसकी मौत का 20 प्रतिशत तक ज़िम्मेदार ठहराया। वहीं अमरीका के एक बैंक कर्मचारी की मृत्यु का कारण भी उसके काम का दबाव ही बना। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जहां कर्मचारियों से अधिक काम करवाने के चलते ऐसे हादसे हो रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आँकड़ों के अनुसार दुनिया भर में काम के दबाव व तनाव के चलते प्रतिवर्ष क़रीब 7.50 लाख लोगों की मृत्यु होती है। ऐसा इसलिए होता है कि अधिक काम करने का सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। काम का तनाव लेने से मनुष्य में हृदय रोग, डायबिटीज़ व स्ट्रोक जैसी घातक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं आज के सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में जब हम घंटों कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करते हैं तो हमारे जोड़ो में जकड़न, कमर में दर्द, सरदर्द, आँखों में थकान, जैसे प्रारंभिक लक्षण भी दिखाई देते हैं। तनाव के चलते हमारे शरीर में ऐसे रसायन पैदा हो जाते हैं जो रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को भी बढ़ा देते हैं। इसलिए हम चिड़चिड़े भी हो जाते हैं। तनाव के चलते जब गाड़ी चलाकर हम अपने दफ़्तर से घर या घर से दफ़्तर जा रहे होते हैं तो ऐसे में दुर्घटना होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

मोबाइल फ़ोन और ईमेल के चलते हम हर समय अपने काम से जुड़े रहते हैं इसलिए हमें काम से आराम नहीं मिल पाता। ऐसे तनाव का सीधा अनुभव आपको उस समय होता होगा जब आपके मोबाइल पर आपके बॉस का फ़ोन बजता होगा। आप यदि अपने घर पर हों और परिवार के साथ समय बिता रहे हों, तभी आपके बॉस का फ़ोन बजे तो आपके चेहरे पर एक अजीब से तनाव की झलक मिल जाती है। ऐसे में पारिवारिक सुख को भी झटका लगता है। जानकारों के अनुसार, सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करने वालों में तनाव बढ़ने की संभावना अधिक होती है। यह तनाव अन्य बीमारियों को बढ़ावा देता है। परंतु इसका मतलब यह नहीं है कि आपको कामयाब होने के लिए कम मेहनत करनी चाहिए। बिना मेहनत के किसी को कामयाबी नहीं मिलती।

इसलिए हमें परिश्रम और अतिश्रम के बीच एक को चुनना चाहिए। परिश्रम किया जाए तो एक सीमा के तहत ही किया जाए। आपको अपने शरीर की क्षमता अनुसार ही काम करना चाहिए। समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जाँच भी करवाते रहना चाहिए। इसके साथ ही नियमित रूप से तनाव-मुक्ति के कई साधन, जैसे योगा, ध्यान, भजन, मनोरंजन आदि का भी सहारा लेना चाहिए। वहीं अगर इम्प्लॉयर की बात करें तो उन्हें भी अपने लक्ष्य की पूर्ति के चलते कर्मचारियों पर दबाव बनाना पड़ता है। परंतु यह दबाव भी एक सीमा तक ही दिया जाए। आज हमारे समाज को काम और आराम के बीच एक संतुलन बनाने की ज़रूरत है। वरना ऐना सेबेस्टियन जैसे कई और होनहार कर्मचारियों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। आजकल के युवा भी जल्द कामयाबी पाने के चक्कर में काम और आराम में संतुलन नहीं बना रहे हैं। इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसलिए हर युवा व वरिष्ठ कर्मचारी को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' फ़िल्म से सीख लेते हुए 'टेंशन न लेने' की आदत डाल लेनी चाहिए।

सरकार का जादू: वादों की हवा में उड़ती परियाँ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गांव में विकास का सपना कुछ ऐसा है, जैसे बारिश का बादल—आसमान में घुमते रहते हैं, पर जमीन पर कभी नहीं बरसते। गांववालों ने तो इस इंतज़ार में एक नई कला विकसित कर ली है: ₹कैसे जीना है बिना सड़क के। अब तो वो हर मोड़ पर जीवन की एक नई गाथा लिखते हैं, जैसे कोई गाइडबुक हो—आपको यहाँ से सीधे कच्चे रास्ते पर जाना है, और फिर भेड़ों के झुंड से दाएं मुड़ना है। किसान अपने खेतों में तोड़ते हैं सपने, पर किसी ने बताया कि सरकार ने 'खेतों की समृद्धि योजना' बनाई है? ये सुनकर उन्होंने सोचा—"समृद्धि, वो तो दूर की बात है, हमारे पास तो खुद की ज़मीन नहीं है!" बस, यहीं से शुरू होती है एक अद्भुत लॉटरी—किसका होगा खेत? एक नए गेम शो की शुरुआत! बिजली आई है, लेकिन गांव में उसे ढूंढना ऐसे है जैसे जंगल में टार्ज़न की तलाश करना। जब कभी कोई अधिकारी गांव में आता है, तो ऐसा लगता है जैसे चाँद पर आ गए हों—सभी चकित। "सरकार का मतलब है हम ही," एक बूढ़ा कहता है। अब भला, अगर ये सरकार हैं, तो फिर बिजली के तार कहाँ हैं? शायद वो भी इधर-उधर घूमते होंगे, जैसे छुट्टी पर। गांववाले विकास की बात करते हैं, और नेता एक कहानी सुनाते हैं—"किसान को चाहिए क्या? बस अच्छे सड़कें, शिक्षा, स्वास्थ्य, और... वो तो सपना है!" अब भला, ये क्या होता है? गांव के लोग तो बस इतनी उम्मीद में हैं कि कोई ऐसे दाता आएगा, जो सड़कें फेंक दे—जैसे दिवाली पर मिठाई! महात्मा गांधी कहते थे, "गांवों में भारत की आत्मा है।" लेकिन इस गांव की आत्मा तो कहीं खो गई है—लगता है, किसी लघु फिल्म की स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। स्वतंत्रता का जश्न मनाते हुए, यहां के लोग सोचते हैं, "आज़ादी से ज्यादा जरूरी तो पानी है!" राजनीति की बिसात पर गांववाले एक अद्भुत खेल खेलते हैं, जहां वादे तो बिछ जाते हैं, लेकिन हकीकत का खेल कभी शुरू नहीं होता। नेता कहते हैं, "हम आपके लिए सब कुछ करेंगे!" और गांववाले बस मुस्कुराते हैं—"हमें तो ये बयानों की दाल-भात दे दो!" उम्मीद की एक किरण हर सुबह उगती है—कभी कभी एक सफेद घोड़ा आता है, और गांववाले सोचते हैं, "क्या ये वो है, जो हमारे लिए लाएगा विकास?" लेकिन जब वो घोड़ा चूक जाता है, तो सब फिर से अपनी पत्तियों की तरह गिर जाते हैं।

पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए इंदिरा एकादशी पर जरूर करें ये काम

हिंदू धर्म में इंदिरा एकादशी व्रत का विशेष महत्व है। पितृपक्ष में इस एकादशी व्रत को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है और यह व्रत प्रत्येक वर्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी रखा जाता है। इस विशेष दिन पर भगवान विष्णु और भगवान शालिग्राम की विशेष उपासना की जाती है। पंचांग के अनुसार, यह व्रत 28 सितंबर 2024, शनिवार के दिन रखा जाएगा। वहीं पितरों के आत्मा की मुक्ति के लिए श्राद्ध कर्म व तर्पण किया जाता है। लेकिन इस विशेष दिन पर कुछ खास बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए, जिससे पितर प्रसन्न होते हैं।

इंदिरा एकादशी के दिन जरूर करें ये काम

पद्म पुराण में यह बताया गया है कि पितृपक्ष के दौरान इंदिरा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की विधिवत उपासना के साथ-साथ पूर्वजों के नाम पर दान पुण्य जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और श्री हरि के चरणों में स्थान प्राप्त होता है।

पद्म पुराण में यह भी बताया गया है कि जो व्यक्ति इंदिरा एकादशी व्रत का पालन करता है उनके सात पीड़ियों तक के पितर मोक्ष की प्राप्ति करते हैं और स्वयं भी मोक्ष प्राप्त होता है।

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि इंदिरा एकादशी के दिन आंवला, तुलसी, अशोक, चंदन या पीपल का वृक्ष लगाने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। इसके साथ-साथ पितरों को भी शांति प्राप्त होती है और वह आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

इंदिरा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान-ध्यान के बाद पितरों के नाम का तर्पण, श्राद्ध कर्म या पिंडदान करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

नवरात्रों में बोए जाने वाले जौ सोने के समान, जानें कैसे?

हिंदू धर्म में हर एक त्यौहार का अपना एक अलग महत्व है। वहीं साल में दो बार आने वाले नवरात्रों को भी भक्त बेहद ही श्रद्धा भाव के साथ मनाते हैं। यह शक्ति की उपासना का त्यौहार है और इसके जरिए देवी के नौ रूपों की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए हम अनुष्ठान और पूजा-पाठ करते हैं।

ऐसे में नवरात्र के पहले दिन घट स्थापना का विधान है और इस घट स्थापना के समय घट के नीचे मिट्टी और जौ के दाने डाले जाते हैं जिस पर कलश यानी घट को रखा जाता है। ये जौ नवरात्रि के नौ दिनों के अंदर कलश के नीचे रखे ये ज्वार के दानों में पौधे निकल आते हैं और मान्यता है कि ये पौधे जितने गहरे और घने होते हैं मां की कृपा से उस घर में उतनी ही शांति और समृद्धि आती है।

शारदीय नवरात्रि के पहले दिन भक्त मां की भक्ति करते हुए कलश स्थापना के साथ जौ भी उगाते हैं। मान्यता है कि नवरात्रों में जौ बोना बेहद ही शुभ और फल देने वाला माना जाता है।

नवरात्रि के पहले दिन जौ बोने का क्या महत्व है इस पर अधिक जानकारी के लिए आईएएनएस ने ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार परविंदर कौर जिंदल से बात की।

परविंदर कौर ने बताया," नवरात्रि के 9 दिन हमें शक्ति प्रदान करते हैं। नवरात्रि की पूजा में मां की आराधना करने के लिए कई तरह की पूजा सामग्री का उपयोग किया जाता है उनमें से जौ उगना भी एक महत्वपूर्ण चीज है, इसके बिना नवरात्रि की पूजा को संपन्न नहीं माना जाता।"

उन्होंने आगे कहा, "अगर शास्त्रों की मानें तो यह वैदिक धर्म में ही नहीं बल्कि पृथ्वी की रचना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मान्यता है कि जब ब्रह्मा जी ने पृथ्वी का निर्माण किया था तो सबसे पहली फसल जौ की बोई गई थी। शास्त्रों में जौ को ब्रह्म स्वरूप माना गया है।"

ज्योतिषी ने बताया, "शास्त्रों में जौ को सोने के समान अनमोल माना गया है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति सोना खरीदने के लिए समर्थ नहीं है, वह अपने मंदिर में एक मुट्ठी जौ रख ले तो वह भी सोने के समान ही फल देगा।"

जौ बोने के बारे में बताते हुए परविंदर कौर ने कहा, "जौ बोने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि किसी अच्छी मिट्टी का चुनाव करें जो किसी स्वच्छ जगह की हो, ध्यान रखें कि वह काली मिट्टी नहीं होनी चहिए। इसके साथ ही जौ बोने के लिए शुभ मुहूर्त का भी ध्यान रखना जरूरी है। जौ के पात्र को मंदिर की उत्तर-पूर्व दिशा यानि ईशान कोण में रखना चाहिए, साथ ही इसमें नियमित तौर पर जल का छिड़काव करते रहना चाहिए।"

जौ बोने के बारे में और अधिक जानकारी देते हुए परविंदर कौर ने कहा कि जौ घर में खुशहाली लाने का काम करते हैं। अगर जौ 2 से 4 दिन में उग आते हैं तो यह उन्नति, समृद्धि और खुशहाली का संकेत होता है। ऐसे घर में कभी भी धन की कमी नहीं होती। वहीं अगर जौ 4 से 5 दिन में होते हैं तो इससे पता लगता है कि आपको अपने कार्य में अधिक मेहनत और परिश्रम करने की आवश्यकता है।"

नवरात्रि पूजा के बाद जौ का क्या करना चाहिए इस पर उन्होंने कहा, "नवरात्रि के दसवें दिन सूर्योदय से पहले जौ को बहते पानी में प्रवाहित कर देना चाहिए, ध्यान रहे कि पात्र में से थोड़े से जौ निकालकर लाल कपड़े में बांधकर अपनी अपनी तिजोरी में रखें, इससे आपके घर में धन की कमी कभी नहीं होगी। आपके काम भी सुचारू रूप से होते जाएंगे।"

कैसे होता है पितृ दोष

कैसे होता है पितृ दोष

पितृ दोष का पता कुंडली से चलता है। किसी भी व्यक्ति की जन्म कुंडली/जन्म पत्रिका के दूसरे भाव, आठवें भाव और दसवें भाव में सूर्य के साथ अगर केतु ग्रह है तो पितृ दोष बनता है। इसके अलावा आपके घर में असामयिक मृत्यु होने या किसी धार्मिक कर्मकांड के अधूरे होने से पितरों की मुक्ति न होने से पितृ दोष बन सकता है या पूर्वजों की गलत गतिविधि से उन्हें मुक्ति न मिलने पर पितृ दोष हो सकता है। लेकिन आपकी कुंडली या जन्म पत्रिका नहीं बनी है तब भी आप पता कर सकते हैं कि आपकी लाइफ में पितृदोष है या नही है...

पितृ दोष के लक्षण

आपके पास जन्म पत्रिका नहीं है तो भी अपनी लाइफ में पितृ दोष है या नहीं इसका पता लगा सकते हैं। इसके लिए गरुड़ पुराण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में लक्षण बताए गए हैं। आइये जानते हैं पितृ दोष के लक्षण यदि किसी व्यक्ति का वंश आगे नहीं बढ़ रहा है और संतान प्राप्ति में अड़चन आ रही है तो यह पितृ दोष का लक्षण हो सकता है।

घर के आंगन, घर की दरारों या टूटे गमलों में बिना आपके लगाए पीपल का पौधा उग रहा है तो यह पितृ दोष का लक्षण है।

कड़ी मेहनत के बाद भी नौकरी और व्यापार में परेशानी आ रही है, तरक्की नहीं हो रही है तो यह पितृ दोष का संकेत हो सकता है। पितृ दोष होने पर तरक्की नहीं मिलती है।

घर में बच्चे अक्सर बीमार पड़ रहे हैं और घर के सदस्यों में बेवजह विवाह हो रहा है तो यह पितृ दोष का लक्षण है।

यदि आपकी लाइफ में एक के बाद एक दुर्घटना हो रहीं हैं तो इसे पितृ दोष का संकेत समझना चाहिए।

सिर के बाल बार-बार झड़ या गिर रहे है, हड्डियां बार बार टूट रही या कमजोर हो रही हैं तो ये पितृ दोष का लक्षण हो सकता है।

असमय आंखो की रोशनी कम हो रही है या घर परिवार में किसी प्रकार का अनिष्ट हो रहा है तो भी इसकी वजह पितृ दोष हो सकता है।

आपके लगाए पौधे सूख रहे हैं और सपनो में बार-बार पितृ नजर आ रहे हैं तो यह पितृदोष का संकेत हो सकता है।

पितृ दोष से मुक्ति के उपाय

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में पितृ दोष है तो इससे मुक्ति पाने के लिए श्राद्ध के दिनों में कुछ ज्योतिषीय उपाय करने चाहिए..

अपने पितर की मृत्यु की तिथि पर गरीबों और ब्राह्मणों को भोजन कराएं। इसके अलावा उन्हें अपने सामर्थ्यानुसार दक्षिणा भी दें।

पीपल के पेड़ पर जल अर्पित करें और अक्षत, पुष्प, गंगाजल और काले तिल चढ़ाएं।

श्राद्ध के दिनों में रोज सुबह उठने के बाद दक्षिण दिशा में मुख कर के अपने पितरों को प्रणाम करें।

किसी गरीब कन्या के विवाह में आर्थिक मदद करने से भी पितृ दोष हट जाता है।

पितृ पक्ष में गौ दान का भी बहुत महत्व है।

कुंडली का ये भाव बताता है आप 'अमीर' है या 'गरीब'

कुंडली को जन्म-कुंडली, जन्म पत्रिका, जन्म-पत्री, वैदिक कुंडली आदि नामों से भी जाना जाता है। एक कुंडली नक्षत्रों और ग्रहों की उन सटीक स्थितियों को दर्शाती है जो जातक के जन्म के समय आकाश में थीं। इन खगोलीय स्थितियों को सरल रूप में कुंडली की सूरत में चिन्हित किया जाता है जिससे उसका विश्लेषण किया जा सके। कुंडली में बारह भाव होते हैं। इन भावों में स्थित नौ ग्रह विभिन्न योग बनाते हैं। ग्रहों की स्थिति और अन्य ग्रहों के साथ युति के आधार पर ही व्यक्ति के सुख-दुख और धन संबंधी मामलों का अनुमान लगाया जाता है। कुंडली के कुछ योग धन संबंधी बातों से जुडे हैं।

धन नष्ट हो जाने के संकेत दूसरे भाव में बुध के और उस पर चंद्रमा की दृष्टि होने पर व्यक्ति के हमेशा गरीब रहने की सम्भावना बनी रहती है। कुंडली में इन ग्रहों के अवस्थित होने पर कठिन प्रयासों के बावजूद व्यक्ति धन संग्रह नहीं कर पाता।

जन्म कुंडली में सूर्य और बुध के दूसरे भाव में अवस्थिति की स्थिति में व्यक्ति के पास पैसा नहीं टिकता।

-कुंडली में चंद्रमा के अकेले होने और उसके द्वादश में किसी भी ग्रह के न होने की स्थिति उस व्यक्ति के आजीवन धनहीन होने का द्योतक है।

-जन्म कुंडली के द्वितीय भाव में चंद्रमा के स्थित होने और उस पर बुध की दृष्टि पडने पर उस व्यक्ति के परिवार का धन नष्ट हो जाता है। जन्म कुंडली का दूसरा घर या भाव धन का होता है। इस भाव के कारण ही व्यक्ति की स्थायी संपत्ति का अनुमान लगाया जाता है। इस भाव के तहत ही धन, आभूषण आदि का अनुमान लगाया जाता है।

-व्यक्ति की कुंडली के दूसरे भाव मे शुभ माने जाने वाले ग्रहों के अवस्थित होने पर अत्यधिक धन-सम्पदा की प्राप्ति हो सकती है।

-दूसरे भाव में चंद्रमा के स्थित होने पर धनवान होने की प्रबल सम्भावना होती है। प्रचुर धन होने के कारण ऐसे व्यक्तियों को किसी भौतिक वस्तुओं की प्राप्ति के लिये अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ता है।

सूर्य की रोशनी का महत्व

ऊर्जा का स्रोत: सूर्य की रोशनी प्राकृतिक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है। जब यह आपके घर में प्रवेश करती है, तो यह सकारात्मक ऊर्जा को उत्पन्न करती है, जिससे घर के वातावरण में ताजगी और खुशहाली बनी रहती है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव: सूर्य की रोशनी विटामिन डी का प्रमुख स्रोत है, जो हड्डियों और इम्यून सिस्टम के लिए अत्यंत आवश्यक है। पर्याप्त प्राकृतिक प्रकाश के संपर्क में रहने से तनाव कम होता है और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

वातावरण का संतुलन: वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य की रोशनी से घर के अंदर हवा का प्रवाह सुगम होता है। यह न केवल आंतरिक तापमान को नियंत्रित करता है बल्कि बैक्टीरिया और अन्य हानिकारक जीवाणुओं को भी नष्ट करता है।

रिश्तों पर प्रभाव: घर में सूर्य की रोशनी परिवार के सदस्यों के बीच संबंधों को मजबूत बनाती है। सकारात्मक ऊर्जा का संचार और खुशहाल वातावरण परिवार में मेलजोल को बढ़ाता है।

वास्तु के सिद्धांत

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की विभिन्न दिशायों में सूर्य की रोशनी का सही प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए कुछ दिशाएं महत्वपूर्ण होती हैं:

पूर्व दिशा: पूर्व दिशा से सुबह की सूर्य की रोशनी घर में सकारात्मक ऊर्जा भरती है। इसे घर के मुख्य दरवाजे या खिड़कियों के लिए आदर्श माना जाता है।

उत्तर दिशा: उत्तर दिशा भी सूर्य की रोशनी का महत्वपूर्ण स्रोत है। यहां की रोशनी घर के अंदर ताजगी और जीवन शक्ति लाती है।

दक्षिण और पश्चिम दिशा: दक्षिण और पश्चिम दिशा में अत्यधिक सूर्य की रोशनी अवांछित गर्मी पैदा कर सकती है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। इसलिए, इन दिशाओं में खिड़कियों और दरवाजों की स्थिति का सही ध्यान रखना आवश्यक है।

आज के दिन पहली बार विदेशी धरती पर मैडम भीकाजी कामा ने फहराया था झंडा

'भारत में ब्रिटिश शासन जारी रहना मानवता के नाम पर कलंक है। भारत के हितों को इससे भारी क्षति पहुंच रही है इसलिए इस दासता से मुक्ति दिलाने के लिए भारतवासियो आगे बढ़ो, हम हिन्दुस्तानी हैं और हिन्दुस्तान हिन्दुस्तानियों का है।''

यह आह्वान और जयघोष मैडम भीकाजी कामा ने 22 अगस्त, 1907 को जर्मनी के स्टटगार्ट में 7वीं अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस में 'वन्देमातरम' अंकित भारत का प्रथम तिरंगा ध्वज फहराने के बाद अंग्रेजों को कड़ी चुनौती देते हुए किया।

मैडम कामा भारतीय मूल की पारसी नागरिक थीं जिन्होंने लंदन, जर्मनी तथा अमरीका का भ्रमण कर भारत की स्वतंत्रता के पक्ष में माहौल बनाया। उन्होंने ब्रिटिश शासन को भारत पर लगा कलंक बताकर उनकी जड़ें हिलाने का काम किया था।

मैडम कामा का जन्म 24 सितम्बर, 1861 को बम्बई में एक धनी पारसी परिवार में हुआ था। इनके पिता सोराबजी पटेल प्रसिद्ध व्यापारी थे, जबकि मां जयजीबाई सोराबाई पटेल धार्मिक विचारों की महिला थीं। मैडम कामा शुरू से ही तीव्र बुद्धि वाली और संवेदनशील थीं। उनमें लोगों की मदद और सेवा करने की भावना बचपन से ही कूट-कूट कर भरी थी। इनका विवाह 1885 में एक पारसी समाज सुधारक रुस्तम जी कामा से हुआ।

ये दोनों अधिवक्ता होने के साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता भी थे, किंतु दोनों के विचार भिन्न थे। रुस्तम कामा अपनी संस्कृति को महान मानते थे, परंतु मैडम कामा अपने राष्ट्र के विचारों से प्रभावित थीं। उन्हें विश्वास था कि ब्रिटिश लोग भारत के साथ छल कर रहे हैं इसीलिए वह भारत की स्वतंत्रता के लिए सदा चिंतित रहती थीं।

धनी परिवार में जन्म लेने के बावजूद इस साहसी महिला ने आदर्श और दृढ़ संकल्प के बल पर सुखी जीवन वाले वातावरण को तिलांजलि दे दी और शक्ति के चरमोत्कर्ष पर पहुंचे साम्राज्य के विरुद्ध क्रांतिकारी कार्यों से उपजे खतरों तथा कठिनाइयों का सामना किया। भारत की स्वाधीनता के लिए लड़ते हुए उन्होंने लंबी अवधि तक निर्वासित जीवन बिताया।

1896 में मुम्बई में प्लेग फैलने के बाद भीकाजी ने तन-मन से मरीजों की सेवा की और वह खुद भी इस बीमारी की चपेट में आ गईं। इलाज के बाद वह ठीक तो हो गईं लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें आराम और आगे के इलाज के लिए यूरोप जाने की सलाह दी। वर्ष 1902 में वह इसी सिलसिले में लंदन गईं और वहां भी उन्होंने भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के लिए काम जारी रखा। भीकाजी हालांकि अहिंसा में विश्वास रखती थीं लेकिन उन्होंने अन्यायपूर्ण हिंसा के विरोध का आह्वान भी किया था।

भीकाजी कामा 33 सालों तक भारत से बाहर रहीं। इस दौरान वह यूरोप के अलग-अलग देशों में घूम-घूमकर भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के पक्ष में माहौल बनाती रहीं। लंदन में रहते हुए वह दादाभाई नौरोजी की निजी सचिव भी थीं। आजादी से चार दशक पूर्व पहली दफा किसी विदेशी सरजमीं पर भारत का झंडा फहराया गया। ऐसा करने वाली भीकाजी कामा ही थीं। 1907 में जर्मनी के शहर स्टटगार्ट में इंटरनैशनल सोशलिस्ट कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा था, जिसमें हिस्सा ले रहे सभी लोगों के देशों का झंडा लगा हुआ था लेकिन भारत के लिए ब्रिटिश झंडा था। उनको यह स्वीकार नहीं था। उन्होंने एक नया झंडा बनाया।

उसे फहराते हुए कहा कि यह भारत का झंडा है जो भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। भीकाजी द्वारा लहराए गए इस झंडे में इस्लाम, हिंदुत्व और बौद्ध मत को प्रदर्शित करने के लिए हरा, नारंगी और लाल रंग इस्तेमाल किया गया था। बीच में देवनागरी लिपि में 'वंदे मातरम' लिखा था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन्हें काफी कष्ट झेलने पड़े। भारत में उनकी सम्पत्ति जब्त कर ली गई। उन्हें लगातार एक देश से दूसरे देश भागना पड़ा। जीवन के अंतिम दिनों में 1935 में वह भारत लौटीं। उन्होंने मुंबई में 13 अगस्त, 1936 को अपनी अंतिम सांस ली।

हमारे काम को लोगों का अटूट प्यार ही सबसे खास बनाता है : पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े बॉलीवुड ही नहीं, बल्कि साऊथ की कई फिल्मों में भी बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकी है। हाल ही में उसने दुबई में दक्षिण भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (एस.आ ई .आई.एम.ए.) में 'बुट्टा बोम्मा' और 'सीटी मार' जैसे लोकप्रिय गीतों पर शा न दा र प्रस्तुति दी। उसने कहा, प्रशंसकों के प सं दी दा गीतों पर परफॉर्म क र ना हमेशा एक अविश्वसनीय अनुभव होता है। उनका अटूट प्यार ही इसे इतना खास बनाता है। दर्शकों की ऊर्जा और शहर का माहौल वाकई बेमिसाल है। परफॉर्म करते हुए मुझे बहुत मजा आया।

दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 14 और 15 सितम्बर को दक्षिण भारतीय सिनेमा के तत्वावधान में एस. आई. आई. एम.ए. कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपनी प्रस्तुति में पूजा ने कई गीतों पर जबरदस्त डांस किया जिसे सबने बहुत पसंद किया।

पूजा ने कहा, हमारा काम दर्शकों का मनोरंजन करना है और पुरस्कार समारोह हमें इस काम को सर्वश्रेष्ठ तरीके से करने के लिए प्रेरित करता है। पुरस्कार प्राप्त करना एक अविश्वसनीय एहसास है और इस वर्ष सभी योग्य विजेताओं को बधाई। मेरा इस एसोसिएशन से बहुत अच्छा जुड़ाव है और इस कार्यक्रम में मेरे पिछले प्रदर्शन के दौरान मुझे जो प्यार मिला, वह अविश्वसनीय था। मैं इस वर्ष भी अपने प्रदर्शन से उत्साहित हूं। इस समारोह में पूजा हेगड़े के अलावा निधि अग्रवाल, श्रिया सरन, अविका गोर, शानवी श्रीवास्तव, नेहा शैट्टी, फारिया अब्दुल्ला और अ शो क गल्ला जैसे क ई क ला का रों ने प्रस्तुति दी।

अगली फिल्में

पू जा की पिछली दो बॉलीवुड फिल्में 'किसी का भाई किसी की जान' और 'सर्कस' बॉक्स ऑफिस पर खास रंग नहीं जमा पाईं लेकिन इन दिनों वह फिल्म 'देवा' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई है।

यह फिल्म पूरी तरह से एक्शन, थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर होगी। इस फिल्म में पूजा के साथ शाहिद कपूर लीड रोल में है। इस फिल्म को मशहूर फिल्ममेकर रोशन एंड्रयूज निर्देशित कर रहे हैं, जो उनकी डेब्यू बॉलीवुड फिल्म है।

पूजा ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसके बाद 'देवा' की टीम ने उसे एक स्पैशल नोट भेजा। इस नोट को पूजा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसमें लिखा है, हाय पूजा, हमारी फिल्म में आपके बेहतरीन और अविश्वसनीय काम और मौजूदगी के लिए हार्दिक धन्यवाद ! आपकी प्रतिभा और समर्पण ने सैट में इतनी जान डाल दी और यह वाकई में फिल्म में दिखाई देता है, यूं ही चमकती रहो। हमारी ओर से बहुत सारा प्यार।

इस फिल्म में शाहिद कपूर एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएगा जबकि पूजा के रोल के बारे में अभी निर्माताओं की ओर से अधिक खुलासा नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि इसमें उसका रोल बहुत हट कर होगा। उसने आगे कहा, इसके अलावा वह साऊथ की बिग बजट फिल्म 'सूर्या 44' में भी नजर आएगी।

अब तक का करियर

पूजा वर्ष 2010 के' आई एम शी-मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता' में दूसरी रनर अप रही थी। 2012 में उसने तमिल फिल्म 'मुगामूडी' से अभिनय की शुरुआत की। उसकी पहली तेलुगु फिल्म 2014 में 'ओका लैला कोसम' आई। इसमें उसके साथ नागा चैतन्य मुख्य भूमिका में था। उसने 2016 में एक्शन फिल्म 'मोहनजोदारो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में था। वह 'हाऊसफुल 4', 'राधे श्याम', 'सर्कस' और 'किसी का भाई किसी की जान' जैसी कई हिन्दी फिल्मों में नजर आ चुकी है।

हमेशा से परिवार शुरू करना और मां बनना चाहती हैं शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला जिंदगी के नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। 8 अगस्त को अभिनेता ने शोभिता धुलिपाला के साथ सगाई कर ली है। दोनों ने एक-दूजे को मंगनी की अंगूठी पहनाईं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने बताया है कि शादी कर के घर बसाने की उनकी हमेशा से इच्छा रही है। यही नहीं, अभिनेत्री ने मां बनने पर भी खुलकर बात की है।

एक साक्षात्कार के दौरान, शोभिता धुलिपाला ने बताया कि कैसे वह हमेशा शादी करना चाहती थीं और शादी के बाद बच्चे पैदा करना चाहती थी। उन्होंने खुलासा किया कि वह हमेशा खुद को शादी करने और मां बनने के अहसास को अपनाने की कल्पना करती रहती थीं। शोभिता ने कहा, मैंने हमेशा सोचा था कि मैं हमेशा मां बनने का पूरा अनुभव चाहती हूं। मैं इस बारे में बहुत स्पष्ट थी और शादी करना चाहती थी। मैंने हमेशा खुद को उस सेटिंग में देखा। यह कुछ ऐसा है, जिसके बारे में मैंने कल्पना की थी।

इसके अलावा इंटरव्यू के दूसरे पॉइंट पर शोभिता ने नागा चैतन्य के साथ अपनी सगाई समारोह के बारे में भी बताया, जिसमें सब कुछ सरल और सादगी से हुआ था। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनके जीवन के इस खास पल को फैंसी होने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह दिन उनके लिए बिल्कुल सही था और वह संतुष्ट महसूस कर रही थीं।

हालांकि, जब से नागा चैतन्य और शोभिता ने सगाई की है, तब से ही इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि उनकी शादी कैसी होगी। हालांकि, दोनों अभिनेताओं के करीबी सूत्रों ने न तो शादी की तारीख और न ही समारोह स्थल का खुलासा किया है, लेकिन कुछ पिछली रिपोर्टों की मानें तो दोनों राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकते हैं।

नागा और शोभिता ने 8 अगस्त को हैदराबाद में अपने करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में सगाई कर ली थी। बाद में, नागार्जुन अक्किनेनी ने जल्द ही शादी करने वाले कपल की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसमें उनकी सगाई की घोषणा की गई और शोभिता का परिवार में स्वागत किया गया था।

पहली फिल्म के बाद अर्चना पूरन सिंह को आने लगे थे बी-ग्रेड फिल्मों के ऑफर

26 सितंबर 1962 को देहरादून में एक पंजाबी परिवार में जन्म लेने वाली अर्चना शुरू से ही एक एक्ट्रेस बनने की चाहत रखती थीं। अर्चना ने अपनी शुरुआती शिक्षा देहरादून से ही पूरी की। मगर बाद में एक एक्ट्रेस बनने की चाहत उन्हें मुंबई खींच लाई। पढ़ाई से ब्रेक लेकर अर्चना ने मॉडलिंग शुरू कर दी।

करियर की शुरुआत में बहुत स्ट्रगल

अपने करियर की शुरुआत में उन्हें बहुत स्ट्रगल करना पड़ा। मॉडलिंग के शुरुआती दिनों में अर्चना ने कई टीवी ऐड में भी काम किया। 1987 में अर्चना ने बॉलीवुड फिल्म जलवा से 'डेब्यू' किया। इस फिल्म में उन्होंने एक्टर नसीरुद्दीन शाह के साथ काम किया। अपनी पहली फिल्म के बाद वह कई अन्य फिल्मों में साइड रोल निभाती नजर आईं। उन्हें उस दौर में कई गानों में भी देखा गया।

अर्चना को बॉलीवुड से बी-ग्रेड फिल्मों के ऑफर

अपनी पहली फिल्म के बाद अर्चना को बॉलीवुड से बी-ग्रेड फिल्मों के ऑफर आने शुरू हुए, मगर एक्ट्रेस ने हार न मानते हुए फिल्मों में साइड रोल करना ही बेहतर समझा।

कॉमेडी सर्कस में दिखाया दम

तब से लेकर आज तक अर्चना पूरन सिंह लोगों का मनोरंजन करती हुई नजर आ रही हैं। कॉमेडी सर्कस में वह अपनी हंसी के दम पर स्क्रीन पर इतनी पसंद की जाने लगीं कि वह आज सबसे बड़े टीवी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में नजर आ रही हैं। शो में कपिल की शानदार कॉमेडी और अर्चना की खूबसूरत हंसी दर्शकों का दिन बना देती है। करियर के शुरुआती दौर से अब तक इन्हें चाहने वालों की कमी नहीं हुई है।

'जाने भी दो पारो', 'श्रीमान-श्रीमती' जैसे सुपहिट शो

'जाने भी दो पारो', 'श्रीमान-श्रीमती' जैसे सुपहिट शो करने वाली अर्चना 2005 में डांसिंग रियलिटी शो 'नाच बलिए' में भी अपने पति परमीत सेठी के साथ नजर आ चुकी हैं।

अब तक अर्चना पूरन सिंह ने अपने करियर में, कल किसने देखा है, राजा हिंदुस्तानी, कृष, मस्ती, बड़े दिलवाले, मोहब्बतें, बोल बच्चन, कुछ कुछ होता है, मेने दिल तुझको दिया, होगा तूफ़ान, शोला और शबनम, निकाह, आशिक आवारा, टक्कर और जानशीन जैसी फिल्मों में काम किया है।

केबीसी में चंदर प्रकाश ने जीते 1 करोड़, सही जवाब देकर भी नहीं जीत सके 7 करोड़

टीवी क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' को इस सीजन का पहला करोड़पति मिल गया है। जम्मू कश्मीर के रहने वाले 22 साल के यूपीएससी एस्पिरेंट्स ने 1 करोड़ रुपये जीत लिए हैं। ऐसा करने वाले वो इस सीजन के पहले कंटेस्टेंट हैं। हालांकि, वो 7 करोड़ रुपये के इस सवाल का सही जवाब नहीं दे पाए। लेकिन उन्हें पछतावा तब हुआ, जब शो क्विट करने के बाद उनसे आखिरी सवाल का जवाब देने को कहा गया और उन्होंने जो जवाब दिया, वो सही निकला।

'कौन बनेगा करोड़पति 16' के लेटेस्ट एपिसोड की शुरुआत धमाकेदार हुई। अमिताभ बच्चन ने होस्ट की कमान संभाली हुई थी। जम्मू कश्मीर के रहने वाले 22 साल के चंदर प्रकाश ने हॉट सीट पर बैठने के लिए बाजी मार ली। वो यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) की तैयारी कर रहे हैं। वो अपने दृढ़ संकल्प के साथ केबीसी 16 खेलते रहे। बुधवार को 1 करोड़ रुपये के सवाल का जवाब दिया और इस सीजन के पहले करोड़पति बन गए। एपिसोड के दौरान चंदर प्रकाश ने जिंदगी में आई चुनौतियों के बारे में भी खुलासा किया। जब उनका जन्म हुआ तो आंत में समस्या थी। जिसके लिए अब तक उनकी 7 सर्जरी हो चुकी है। वो समस्या अभी भी है और डॉक्टर ने आठवीं सर्जरी की सलाह दी है।

अमिताभ बच्चन ने इस बात के लिए चंदर की तारीफ करी कि उनकी एक छोड़कर सारी लाइफलाइन अभी भी बरकरार है। इसके बाद चंदर से 50 लाख रुपये के लिए सवाल पूछा गया, 'पद्म पुराण के अनुसार भगवान कृष्ण ने चित्रसेना के भाग्य को लेकर किसके साथ युद्ध किया था?' चंदर को इसका जवाब नहीं पता था, इसलिए उन्होंने 'वीडियो कॉल ए फ्रेंड' का इस्तेमाल किया। उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो एक और लाइफलाइन का इस्तेमाल किया। तब जाकर वो सही जवाब दे पाए।

7 करोड़ जीतने से चूके चंदर

इस खुशी को सेलिब्रेट करने के बाद चंदर से अमिताभ ने 7 करोड़ रुपये के लिए सवाल पूछा, 'उत्तरी अमेरिका में 1587 में अंग्रेज माता-पिता से जन्म लेने वाला पहला बच्चा कौन था?' चूंकि चंदर को जैकपॉट सवाल का जवाब नहीं पता था और वो अपनी तीनों लाइफलाइन का इस्तेमाल कर चुके थे, इसलिए उन्होंने क्विट करने का फैसला लिया। जब उनसे अनुमान लगाने को कहा तो उन्होंने ऑप्शन A वर्जीनिया डेयर को चुना और बदकिस्मती ये थी कि ये जवाब सही था। यानी अगर चंदर रिस्क लेकर इस सवाल का जवाब देते तो वो अपने घर 7 करोड़ रुपये लेकर जाते, लेकिन उन्हें 1 करोड़ रुपये से ही संतोष करना पड़ा।

'ये तो वही बात है कि मम्मी अच्छी हैं या डैडी'

गायक से अभिनेता बने गुरु रंधावा म्यूजिकल लव स्टोरी फिल्म 'शाहकोट' के साथ पंजाबी में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फैंस अब तक सिंगर की आवाज के जादू को एंजॉय कर रहे थे। हालांकि, अब गुरु स्क्रीन पर अपने अभिनय का जादू भी बिखेरने को पूरी तरह से तैयार हैं। अब हाल ही में, सिंगर ने बॉलीवुड और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के बीच तुलना के बारे में खुलकर बात की। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में गुरु से बॉलीवुड और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की तुलना करने और यह बताने के लिए कहा गया कि उन्हें कौन सी इंडस्ट्री बेहतर लगती है। इस पर उन्होंने कहा, मैं बेहतर हूं, और आप तुलना करने वाले लोगों से यह सवाल कर सकते हैं क्योंकि मैं चीजों की तुलना नहीं करता। मुझे लगता है कि तुलना करना खुशी का दुश्मन है। मैं किसी भी चीज की तुलना करने वाला नहीं हूं।

गुरु ने अगर मैं बॉलीवुड में काम करता, तो मैं पूरे दिल से करता और मैं आभारी रहूंगा कि मैंने यहां काम किया है, लेकिन मैं बॉलीवुड पर निर्भर नहीं हूं। उन्होंने आगे कहा, पंजाबी फिल्मों के लिए भी यही बात लागू होती है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं इसमें काम कर रहा हूं, क्योंकि मैं अपने दर्शकों के लिए कुछ करना चाहता था, कुछ ऐसा जो मेरे आसपास का हो।

जब डिप्रेशन का शिकार हो गए थे जूनियर एनटीआर अभिनेता ने खुद बताई थी इसके पीछे की वजह

जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म देवरा भाग-एक को लेकर लगातार चर्चा में हैं। इस फिल्म से वह दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। यही वजह है कि फैंस को उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म की रिलीज से पहले आज के थ्रोबैक थर्सडे में हम आपको उनसे ही जुड़ी बात बताने जा रहे हैं।

जूनियर एनटीआर की गिनती तेलुगु सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में होती है। हालांकि, आपको जानकर हैरानी होगी कि उनके करियर में एक ऐसा समय भी आया था जब वह डिप्रेशन में आ गए थे। इस बात का खुलासा उन्होंने आरआरआर के प्रचार के दौरान एक साक्षात्कार में किया था।

उन्होंने उस बातचीत में बताया था कि जब उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलीं तो वह डिप्रेशन का शिकार हो गए थे। उस समय को याद करते हुए अभिनेता ने कहा था, कुछ फिल्में नहीं चलीं तो मैं डिप्रेशन में चला गया था। इसलिए नहीं कि फिल्में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं, बल्कि मैं एक अभिनेता के तौर पर उलझन में था, क्योंकि मुझे नहीं पता था कि मुझे क्या करना चाहिए।

अभिनेता ने आगे इस बातचीत में बताया कि उस समय उन्होंने सिनेमा में नाम कमाना शुरू कर दिया था, लेकिन फिर भी उन्हें संदेह था कि वह और कितना सफल हो पाएंगे, क्योंकि हमेशा ही उनके मन में असफल होने का डर बना रहता था। जूनियर एनटीआर को डिप्रेशन से बाहर आने में फिल्मकार एस एस राजामौली ने भी अहम भूमिका निभाई है। अभिनेता के मुताबिक राजामौली ही वह व्यक्ति थे जिन्होंने उनके जीवन और करियर में आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया।

वर्क फ्रंट की बात करें तो देवरा के बाद वह वॉर 2 में नजर आने वाले हैं। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी भी हैं। फिल्म को अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी चल रही है। फिलहाल यह फिल्म अभी शूटिंग के चरण में है।

ऑस्कर 2025 में हिंदी फिल्म 'संतोष' को दी एंट्री, 'लापता लेडीज' को टक्कर देगी शहाना गोस्वामी की फिल्म

किरण राव की मूवी 'लापता लेडीज' को ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री मिलने के बाद भारत से एक और मूवी का नाम सामने आ रहा है, जो इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड को पाने की रेस में आगे बढ़ी है। बताया जा रहा है कि संध्या सूरी की फिल्म 'संतोष' को यूके ने 2025 में होने वाले ऑस्कर के लिए बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म के रूप में चुना है। उसकी भी अब ऑफिशियल एंट्री हो गई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म को बाफटा की तरफ से चुना गया है। 'संतोष' में शहाना गोस्वामी और सुनीता राजवर लीड रोल में हैं। और ये फिल इस साल ही कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर भी हुई थी, जहां पूरी कास्ट पहुंची थी। इस फिल्म को यूके में बड़े पैमाने पर रिलीज की गई थी।

'संतोष' के प्रोड्यूसर-डायरेक्टर

इसे माइक गुडरिज, जेम्स बोशर, बाल्थाजार डी गने और एलन मैकएलेक्स ने प्रोड्यूस किया है। एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर अमा अम्पादु, ईवा येट्स, डायर्मिड स्क्रिमशॉ, लूसिया हसलौअर और मार्टिन गेरहार्ड हैं। फिल्म का निर्माण गुड कैओस ने किया है, जिसमें सह-निर्माता रेजर फिल्म और हाउट एट कोर्ट हैं, और इसे BFI और बीबीसी ने फाइनेंस किया है।

फिल्म 'संतोष' की कहानी क्या है?

संध्या सूरी की लिखी और डायरेक्टेड ये मूवी एक इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर मूवी है। इसकी कहानी की बात करें तो इसमें एक महिला है, जिसकी नई शादी हुई है। मगर पति के गुजर जाने के बाद उसकी पुलिस कांस्टेबल वाली नौकरी पत्नी को मिली है। जिसके बाद वह एक लड़की की हत्या की गुत्थी सुलझाती हुई नजर आती है।

विक्की कौशल को अपना सबसे अच्छा दोस्त मानती हैं तृप्ति डिमरी, कभी भी कर देती हैं फोन

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने हाल ही फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ और बैड न्यूज में विक्की कौशल के साथ काम किया है। इन्ही फिल्मों और सह कलाकारों को लेकर की गई बातचीत में तृप्ति ने अब अपने सबसे अच्छे दोस्त का नाम बताया है, जिनसे वे कभी भी कहीं भी बात कर सकती हैं। आइए आपको बताते हैं कि किसी सह कलाकार को तृप्ति अपना अच्छा दोस्त मानती हैं।

विक्की कौशल को अपना दोस्त मानती हैं तृप्ति

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी से जब पूछा गया कि आप किसे अपना सबसे अच्छा दोस्त मानती हैं तो उन्होंने विक्की कौशल का नाम लिया। तृप्ति ने कहा कि अपने सह-कलाकार विक्की कौशल को अपना सबसे अच्छा दोस्त मानती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान तृप्ति ने कहा, 'मैं उनके बहुत करीब हूं, क्योंकि हम अच्छा समय बिता चुके हैं। हम मसूरी में शूटिंग कर रहे थे और इस दौरान मुझे पता चला कि वह बहुत मस्त मिजाज के इंसान हैं।

तृप्ति डिमरी को 'भाई' कह के बुलाते हैं विक्की

तृप्ति डिमरी ने बातचीत में कहा कि विक्की कौशल अभिनेत्री को 'भाई' कह कर संबोधित करते हैं। दोनों साथ में बहुत अच्छी दोस्ती और बॉन्ड शेयर करते हैं। बैड न्यूज निर्देशक आनंद तिवारी ने बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी को लेकर कहा कि तृप्ति जमीन से जुड़ी हैं।

इन फिल्मों में दिख चुकी हैं तृप्ति

तृप्ति डिमरी ने वर्ष 2017 में पोस्टर ब्वॉयज फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वर्ष 2018 में तृप्ति को साजिद अली की लैला मजनू में देखा गया था। वे बुलबुल, कला, एनिमल, बैड न्यूज में नजर आ चुकी हैं। अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो विक्की विद्या का वो वाला वीडियो, भूल भुलैया 3, धर्मा प्रोडक्शन में धड़क 2 जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

अमिताभ बच्चन पर ऐश्वर्या राय को नजरअंदाज करने का लगाया आरोप तो भड़कीं सिमी ग्रेवाल

यूजर को लगाई जबरदस्त फटकार

ऐश्वर्या राय और बच्चन परिवार के बीच खटपट की खबरें लगातार मीडिया में छाई हुई हैं। मगर कोई भी इस पर कुछ भी नहीं कह रहा है। सभी स्पॉट होते हैं। पपाराजी से रूबरू होते हैं। मगर बातचीत कोई नहीं करता। बच्चन परिवार के सदस्य भी एक्ट्रेस के पोस्ट को लाइक या फिर कमेंट करने से बचते हुए दिखते हैं। जिससे लोग भी तरह-तरह की बातें करते हैं। अब ऐसे ही एक पोस्ट पर एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने लोगों को फटकार लगाई है। उन्होंने अमिताभ बच्चन द्वारा ऐश्वर्या राय को इग्नोर करने वाले एक वीडियो पर कमेंट किया है।

दरअसल, अमिताभ बच्चन लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। वीडियो और फोटोज शेयर करते रहते हैं। मगर परिवार से जुड़ा कोई पोस्ट नहीं करते हैं। ऐश्वर्या राय का जिक्र नहीं करते हैं। अब एक पोस्ट में अमिताभ बच्चन पर ऐश्वर्या राय को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया गया। रेडिट पर वह पोस्ट वायरल हुई, जिसमें सिमी ग्रेवाल का कमेंट शामिल था और उसी ने लोगों का ध्यान भी अपनी तरफ खींच लिया। क्योंकि वह एक्टर के बचाव में उतरी दिखीं।

अमिताभ पर फैन ने लगाए बेटी-बहू में अंतर करने का आरोप

'जागरुक जनता' नाम के इंस्टा हैंडल पर एक महिला अमिताभ पर बेटी और बहू में अंतर करने की बात कहती है। उनका कहना है कि उन्हें ये देखकर हैरानी होती है कि अमिताभ बच्चन के लिए बेटी के लिए एक अलग पैमाना है और बहू के लिए अलग पैमाना है। उनका कहना है कि वह एक्टर की बहुत बड़ी फैन रही हैं लेकिन उनके रवैये से थोड़ा शॉक्ड हैं। महिला वीडियो में कहती है कि ऐश्वर्या राय को अवॉर्ड मिला लेकिन परिवार के किसी सदस्य ने एक पोस्ट नहीं किया। वहीं, अमिताभ बच्चन अपने बेटे-बेटी की पुरानी तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।

सिमी ग्रेवाल ने किया अमिताभ बच्चन का बचाव

अब सिमी ग्रेवाल ने कमेंट में लिखा, 'आप लोग कुछ नहीं जानते हैं। ये सब बंद करिए।' अब इस रिएक्शन से लोगों के मन में हलचल तेज हो गई। हालांकि अभी पेरिस फैशन वीक 2024 में ऐश्वर्या राय लंबे समय बाद अपनी सगाई की अंगूठी पहने दिखाई दी थीं, जिसने सबका ध्यान खींचा था। वह इंस्टाग्राम पर भी सिर्फ अभिषेक बच्चन को ही फॉलो करती हैं। इसके अलावा, ऐश्वर्या राय और आराध्या बच्चन को बीते दिन अभिषेक बच्चन के साथ दुबई एयरपोर्ट पर भी देखा गया था। जिसके वीडियो और फोटोज वायरल हुए थे। हालांकि अभी सच्चाई जानने के लिए थोड़ा-सा और इंतजार करना होगा।

जेब में महज इतने रुपये लेकर मुंबई आए थे देव आनंद, अभिनय से पहले करते थे नौकरी

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जबर्दस्त अभिनेताओं में से एक रहे देव आनंद की आज जयंती है। अपने फिल्मी करियर में उन्होंने 100 से अधिक फिल्मों में अदाकारी का जलवा दिखाया था। देव आनंद की गिनती पुराने जमाने के सबसे हैंडसम अभिनेताओं में होती है। उनका जन्म पंजाब के गुरदासपुर में 26 सितंबर, 1923 को हुआ था।

पिता ने पढ़ाने से किया इनकार

मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता का असली नाम धर्मदेव पिशोरीमल आनंद था। फिल्मी दुनिया में कदम रखने के बाद उन्होंने अपना नाम छोटा करके देव आनंद रख लिया था। देव आनंद ने लाहौर से स्नातक की डिग्री ली थी। उनकी आगे और पढ़ने की इच्छी भी थी, लेकिन पिता ने साफतौर पर कह दिया था कि इसके आगे की पढ़ाई करने के लिए उन्हें आगे का खर्च खुद ही उठाना पड़ेगा।

30 रुपये लेकर पहुंचे थे मुंबई

पिता की इन बातों को सुनने के बाद देव आनंद मुंबई चले आए। इस दौरान उनकी जेब में केवल 30 रुपये ही थे। अजनबी शहर में किसी से जान पहचान न होने की वजह से उन्हें शुरुआत में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्हें मिलिट्री सेंसर ऑफिस में नौकरी मिल गई। इस जगह पर काम के लिए उन्हें 165 रुपये वेतन के रूप में मिलते थे। यहां काम करने के एक साल बाद वह अपने भाई चेतन आनंद के पास चले गए, जो भारतीय जन नाट्य (इप्टा) के सदस्य थे। यही से देव आनंद के अभिनय करने की शुरुआत हुई। वह छोटे-छोटे नाटकों में काम करने लगे।

अधूरी रही मोहब्बत

साल 1946 में उन्हें फिल्म हम एक हैं में बड़ा मौका मिला। इसके बाद वह लगातार कामयाब की सीढ़ी चढ़ते चले गए। देव आनंद अपने जमाने के सबसे स्टाइलिश अभिनेता थे। काले कोट में लड़कियां उन्हें देखकर दीवानी हो जाया करती थीं। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके काला कोट पहनने पर कोर्ट ने पाबंदी तक लगा दी थी। देव आनंद की निजी जिंदगी की बात करें तो वह सुरैया से बेपनाह प्यार करते थे। हालांकि, अभिनेत्री के घरवालों के राजी न होने पर दोनों शादी नहीं कर सके। बाद में, देव आनंद ने कल्पना कार्तिक से शादी कर ली। वहीं, सुरैया ताउम्र कुंवारी रहीं।

निमृत कौर अहलूवालिया ने खोले बिग बॉस के कई राज, एक्ट्रेस ने बताई अंदर की बात, 'कन्फेशन रूम में बुलाया जाता है'

विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 18 को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिनों का समय बाकी है। इसके बाद एक बार फिर सलमान खान शो को होस्ट करते हुए दिखाई देंगे। अभी तक मेकर्स इसके दो प्रोमो भी शेयर कर चुके हैं, जिसमें उन्होने प्रीमियर की तारीख और समय दोनों की जानकारी फैंस के साथ शेयर कर दी है। वहीं, इसमें शामिल होने वाले कंटेस्टेंट के नाम को लेकर भी आए दिन नए-नए अपडेट सामने आ रहे हैं।

हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी फाइनल लिस्ट आना बाकी है। बिग बॉस के अभी तक 17 सीजन आ चुके हैं और हर सीजन को लोगों से काफी प्यार मिला है। इसके साथ ही इस शो से जुड़े कई सवाल भी लोगों के दिमाग में बने रहते हैं, जिसमें से सबसे ज्यादा तो यही होता है कि क्या ये शो सक्रिप्टेड है या नहीं। इसका जवाब तो शो में रह चुके कई कंटेस्टेंट ने बाहर आके दिया, अब इस लिस्ट में निमृत कौर अहलूवालिया का नाम भी शामिल हो गया है। उन्होंने शो से जुड़े कई राज खोले हैं।

निमृत ने बताई अंदर की बात

निमृत कौर अहलूवालिया हाल ही में खतरों के खिलाड़ी 14 में दिखाई दी थीं। उन्होंने टॉप 8 में अपनी जगह बनाई और उसके बाद स्टंट हारकर शो से बाहर हो गईं। वहीं, छोटे पर्दे की एक्ट्रेस बिग बॉस 16 का भी हिस्सा रह चुकी हैं। अब उनसे एक इंटरव्यू में इस रियलिटी शो को लेकर कई सवाल किए गए।

दरअसल, बॉलीवुड बबल के साथ बात करते हुए उन्होंने बताया कि बिग बॉस में आप देखते हैं कि किसी न किसी को कई बार कन्फेशन रूम में बुलाया जाता है ताकि आपको कुछ ज्ञान दिया जा सके, शायद वो इसलिए कि आपको चाभी लगाई जा सके। इसके आगे उन्होंने कहा कि हर बार वीकेंड का वार सेगमेंट में देखते हैं कि पूछा जाता है आपको क्या लगता है, सबसे बेवकूफ कौन है घर में। फिर सब लोग नाम देते हैं, तो वो एक तरह से लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ भड़काने की कोशिश करते हैं। निमृत ने आगे कहा कि तो इस तरह की चीजें जाहिर तौर पर की जाती हैं। मैं भी इसके लिए टीम को ब्लेम नहीं करूंगी, क्योंकि फिर आप घर में ऐसे ही लोगों को छोड़ दें और उन्हें हारने दें फिर। मतलब अगर आप उन्हें कोई निर्देश नहीं देंगे, तो आपको शो से फिर क्या ही कॉन्टेंट मिलेगा। तो इस तरह चीजों को कई मायनें में कंट्रोल किया जाता।

'लापता लेडीज' की सफलता पर बोलीं किरण : 'हमें महिलाओं पर अधिक फिल्में बनाने की जरूरत है'

किरण राव की निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज ' ने रिलीज होने के बाद से ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है और खूब प्यार बटोरा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इसके अलावा ओटीटी पर रिलीज होने के बाद से ही फिल्म को लेकर लोगों का प्यार और भी बढ़ गया है। हालांकि, यह सब यही नहीं रुका। यह फिल्म अब ऑस्कर में ' बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी' में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि है। अब किरण ने महिला प्रधान फिल्मों को लेकर अपनी बात रखी है।

हाल ही में एक बातचीत में, किरण ने बताया कि उन्हें क्या

लगा कि फिल्म की यह कहानी सच में काम आई। उन्होंने कहा, कहानी ने मुझसे बात की। यह दो लड़कियों के बारे में है जो स्वतंत्रता, अवसर और आवाज की तलाश कर रही हैं।, उन्होंने आगे कहा कि हिंदी सिनेमा को महिलाओं के बारे में और महिलाओं द्वारा बनाई गई अधिक फिल्में बनाने की जरूरत है।

किरण राव ने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमें महिलाओं पर अधिक फिल्में बनाने की जरूरत है। यह बहुत जरूरी है कि हम महिला कहानीकारों, निर्माताओं, अभिनेताओं और महिलाओं की निर्देशित प्रोजेक्ट्स में ज्यादा पैसा लगाए। इस फिल्म की सफलता के बाद मैं महिला किरदारों के आस-पास घूमती कहानियां बताना जारी रखूंगी।

यही नहीं, किरण राव ने आगे कहा कि लोगों ने फिल्म से जुड़ाव महसूस किया क्योंकि इसमें कॉमेडी का भी मिश्रण था। हम कॉमेडी के जरिए इन मुद्दों को कहानी में शामिल करना चाहते थे क्योंकि कोई भी सिनेमा में जाने पर लेक्चर नहीं सुनना चाहता। मेरा मानना है कि कॉमेडी सबसे असहज मुद्दों से निपटने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। हमें लगा कि कहानी को जीवंत बनाए रखने से यह कहीं और मनोरंजक बन जाएगी। यही एक मुख्य कारण है कि दर्शकों ने इसे इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

बता दें कि इससे पहले, फिल्म के निर्माता आमिर खान ने ऑस्कर में इसकी प्रविष्टि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम सभी इस खबर से बहुत खुश हैं। मुझे किरण और उनकी पूरी टीम पर गर्व है। मैं फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया की चयन समिति को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने ऑस्कर में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमारी फिल्म को चुना।

'बिग बॉस 18' में 'अनुपमा' और 'पिशाचिनी' फेम एक्ट्रेसेस आएंगी नजर

बिग बॉस 18 के लिए कंटेस्टेंट्स को लॉक कर लिया गया। धीरे-धीरे ये जानकारी बाहर आ रही हैं कि इस बार शो में कौन से सितारे नजर आने वाले हैं। इस बार मेकर्स ने यूट्यूबर और इंफ्लुएंसर को न बुलाने का फैसला किया है, क्योंकि इस बार जितने भी नाम सामने आ रहे हैं वो बड़े सितारे हैं, इनमें से कोई भी यूट्यूबर या सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर नहीं है। बिग बॉस 18 के लिए 2 और एक्ट्रेसेस का नाम सामने आ रहा है। आइए आपको बताते हैं सलमान खान के शो में शामिल होने वाली ये दो एक्ट्रेसेस कौन हैं?

मुस्कान बामने होंगी बिग बॉस 18 में शामिल

सीरियल अनुपमा में अनुपमा की बेटी पाखी के रोल में नजर आ चुकीं मुस्कान बामने भी इस बार बिग बॉस 18 का हिस्सा होंगी। बिग बॉस के अंदर की खबर देने वाले द खबरी ने बताया है कि मुस्कान बामने का नाम बिग बॉस 18 के लिए कन्फर्म हो चुका है। हाल ही में पिंकविला को दिए इंटरव्यू में मुस्कान ने कहा था कि अगर उन्हें सलमान खान का शो बिग बॉस ऑफर होता है तो वो जरूर जाएंगी।

अनुपमा के बाद से मुस्कान लंबे ब्रेक पर थीं। बता दें, अनुपमा में जब लीप आया तब पाखी का किरदार 4 साल की बेटी की मां बन जाती है। मुस्कान को इस उम्र में मां का रोल निभाना सही नहीं लग रहा था तो उन्होंने शो छोड़ने का फैसला कर लिया था। अब बिग बॉस में मुस्कान को देखना काफी इंटरेस्टिंग होने वाला है।

नायरा बनर्जी भी बिग बॉस 18 में आएंगी नजर

टीवी की 'पिशाचिनी' यानी कि नायरा बनर्जी का नाम भी बिग बॉस 18 के लिए कन्फर्म हो चुका है। द खबरी ने नायरा के नाम की भी पुष्टि की है। नायरा ने पिशाचिनी नाम के टीवी शो में लीड रोल निभाया था। इसके अलावा वो कई और सीरियल्स और फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। नायरा ने साउथ की फिल्में भी की हैं। नायरा बनर्जी को आपने रोहित शेट्टी के स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' में देखा है। अब वो बिग बॉस 18 में भी नजर आएंगी।

बिग बॉस 18 के कन्फर्म कंटेस्टेंट्स की लिस्ट

बिग बॉस 18 के कन्फर्म कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में कई जाने-माने नाम शामिल हैं। मुस्कान बामने और नायरा बनर्जी के अलावा निया शर्मा, धीरज धूपर, शोएब इब्राहिम, अविनाश मिश्रा के नाम

सामने आ हे हैं। निया शर्मा टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं, जबकि धीरज धूपर टीवी शो "मेरे अंगने में" में अपने किरदार के लिए प्रसिद्ध हैं।

सलमान खान करेंगे होस्ट के रूप में वापसी

खबरें आ रही थीं कि सलमान खान इस बार का शो होस्ट नहीं करेंगे। क्योंकि वो कुछ हेल्थ इशूज से जूझ रहे हैं। उन्होंने बिग बॉस ओटीटी होस्ट नहीं किया और उनकी जगह अनिल कपूर ने ये शो होस्ट किया था। हालांकि प्रोमो से ये साफ हो गया कि सलमान खान ही बिग बॉस 18 के होस्ट होंगे। शो के प्रोमो लॉन्च के दौरान सलमान खान ने बताया कि उनकी रिब्स में फ्रैक्चर है। सलमान खान के शो बिग बॉस 18 का प्रीमियर कलर्स टीवी पर 6 अक्तूबर, रविवार को होगा।

कभी पानी पीकर गुजारी रातें, आज बड़ा स्टार और 81 करोड़ का मालिक

बॉलीवुड में हर एक्टर का अपना इतिहास है. किसी को नेपोटिज्म से शोहरत मिली तो किसी को ये फेम पाने के लिए खूब पापड़ बेलने पड़े. आज हम आपको एक ऐसे ही एक्टर की कहानी सुना रहे हैं. हम जिस एक्टर की बात कर रहे हैं वो आज अपने करियर के शिखर पर हैं. लेकिन एक दौर में उन्होंने तंगी में दिन गुजारे. हालात ऐसे थे कि उनके पास खाने तक के पैसे नहीं थे.

ये एक्टर राजकुमार राव हैं जो इन दिनों अपने करियर के पीक पर हैं. उनकी एक के बाद एक फिल्में रिलीज हो रही हैं जो दर्शकों का दिल जीत रही हैं. लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए राजकुमार राव को काफी मशक्कत करनी पड़ी. इस बात का खुलासा खुद एक्टर ने अपने कई इंटरव्यूज में किया. एक इंटरव्यू में राजकुमार राव ने बताया था कि उन्हें सिर्फ 12 रुपए में अपना पेट भरना पड़ता था.

राजकुमार ने खुलासा किया था कि कभी-कभी उनके पास पैसे नहीं होते थे. तब तो उन्हें पानी पीकर ही गुजारा करना पड़ता था. एक्टर ने बताया कि उन्हें पहले घर से खर्च के लिए पैसे मिलते थे. कब वे 10-10 जगह ऑडिशन देते थे. एक बार तो उनके पास अकाउंट में सिर्फ 18 रुपए बचे थे. एक्टर ने बताया कि उन्हें पहले घर से खर्च के लिए पैसे मिलते थे. कब वे 10-10 जगह ऑडिशन देते थे. एक बार तो उनके पास अकाउंट में सिर्फ 18 रुपए बचे थे. आज राजकुमार राव फिल्मी दुनिया में बड़ा नाम बन गए हैं. उनके पास शोहरत के साथ खूब दौलत भी है. वे कुल 81 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक हैं. राजकुमार राव के पास अपना आलीशान बंगला है. उनके पास लग्जीरियस गाड़ियों का शानदार कलेक्शन है. जिसमें ऑडी क्यू7 की कीमत 80 लाख रुपए, मर्सिडीज बेंज सीएलए 200 (37.96 लाख) और मर्सिडीज बेंज जीएलएस (1.19 करोड़) हार्ले डेविडसन फैट बॉब (18 लाख) शामिल हैं. राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'स्त्री 2' में दिखाई दिए थे. उनकी फिल्म ने दुनिया भर में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाई की. वहीं 600 करोड़ क्लब में शामिल होकर ये भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी. अब एक्टर अपनी अगली फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' को लेकर चर्चा में हैं. उनकी फिल्म 11 अक्टूबर 2024 को रिलीज होगी.

डिप्रेशन में पहुंच गई थी 'दृश्यम' एक्ट्रेस इशिता दत्ता

1 साल का बेटा घर छोड़कर काम पर लौटने का हुआ मलाल

टीवी और फिल्मों में अपना दबदबा बनाने वालीं इशिता दत्ता, पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं. इशिता को अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम' में 'अंजू सलगांवकर' के रोल में काफी पसंद किया गया था. बीते साल 2023 में इशिता ने बेटे वायु को जन्म दिया.

कुछ समय पहले ही उन्होंने वायु का फेस रिवील किया. बता दें कि इशिता ने एक्टर वत्सल सेठ संग साल 2017 में शादी की थी. शादी के 6 साल बाद वो मां बनी थीं. बेटे की इशिता काफी अच्छी परवरिश कर रही हैं, लेकिन काम पर भी उन्हें लौटना है.

हाल ही में एक इंटरव्यू में इशिता ने उस मॉम गिल्ट के बारे में बात की, जहां वो बता रही हैं कि जब भी वो काम पर एक साल के बेटे वायु को छोड़कर जाती हैं तो उन्हें काफी बुरा लगता है.

पेरेंटहुड का इशिता फेज काफी एन्जॉय कर रही हैं. एक इंटरव्यू में इशिता ने कहा- मेरे लिए वापस काम पर लौटना आसान नहीं था. पर वत्सल और परिवार के लोगों ने मुझे सपोर्ट किया.

जब-जब मेरे पास काम आया तो मैं घबराई, लेकिन मुझे वत्सल ने संभाला. उन्होंने

कहा कि बेटे का ध्यान वो रख लेंगे, मुझे काम पर लौटना चाहिए, क्योंकि डिलीवरी के 6 महीने पहले ही बीत चुके हैं.

मैं और वत्सल, हम में से कोई एक बेटे के साथ घर पर रहता है. मेरे लिए ही नहीं, मुझे लगता है कि हर महिला के लिए बच्चे को पहली बार काम पर लौटना मुश्किल होता है. एक मां हमेशा एंग्जाइटी से जूझती है. अभी मैं एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूं, लेकिन मैं इस बात को सुनिश्चित करूंगी कि मैं अपने अगले प्रोजेक्ट में कम से कम 1-2 महीने का गैप लूं, जिससे मैं वायु के साथ समय बिता सकूं. बता दें कि इशिता ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में तेलुगू फिल्म Chanakyudu से की थी. इशिता, टीवी के कई सीरियल्स का हिस्सा रह चुकी हैं.

अमेरिका को पछाड़कर चीन कैसे बना दुनिया की फैक्ट्री?

भारत को तय करना है अभी लंबा रास्ता

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।अमेरिका पिछले कई साल से दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी बना हुआ है जबकि चीन ने पिछले तीन दशक में तेजी से प्रगति की है। चीन आज दुनिया की फैक्ट्री बन चुका है जबकि किसी समय में यह रुतबा अमेरिका को हासिल थी। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक आज ग्लोबल एक्सपोर्ट में चीन की हिस्सेदारी 11.8 फीसदी है जबकि अमेरिकी की हिस्सेदारी 9.5 फीसदी रह गई है। लेकिन साल 1970 में ग्लोबल एक्सपोर्ट में चीन की हिस्सेदारी महज 0.6% हुआ करती थी जबकि अमेरिका का शेयर तब 15.6% था। लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। खासकर 1995 के बाद से चीन ने जो रफ्तार पकड़ी है, उसका कोई मुकाबला नहीं है। 1990 के दशक के अंत में और 2000 के दशक की शुरुआत में चीन से एक्सपोर्ट में काफी तेजी देखने को मिली। इस दौरान चीन में अपने यहां बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया और अमेरिका से दुनिया की फैक्ट्री की तमगा छीन लिया। आज दुनियाभर के बाजार चीन से आ रहे सस्ते सामान से पटा हुआ है। इससे कई देशों में घरेलू कंपनियां तबाह हो गई हैं और चीनी सामान पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की मांग की जा रही है।

भारत का एक्सपोर्ट

चीन का एक्सपोर्ट भारत से करीब आठ गुना ज्यादा है। भारत ने साल 2023 में कुल 432.34 अरब डॉलर का एक्सपोर्ट किया चीन का एक्सपोर्ट 3,380.02 अरब डॉलर का रहा। एक्सपोर्ट के मामले में चीन के बाद अमेरिका का नंबर है। अमेरिका ने पिछले साल कुल 2019.54 अरब डॉलर का साजोसामान पूरी दुनिया का बाजारों में एक्सपोर्ट किया। इस तरह चीन और अमेरिका के एक्सपोर्ट में करीब 1,300 अरब डॉलर का अंतर है। एक्सपोर्ट के मामले में चीन और अमेरिका के बाद जर्मनी, नीदरलैंड, जापान, इटली और फ्रांस का नंबर है। भारत इस लिस्ट में 17वें नंबर पर है। कई छोटे-छोटे देश एक्सपोर्ट के मामले में भारत से कहीं आगे हैं। भारत को एक्सपोर्ट सेक्टर में महाशक्ति बनने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है।

डबल डेकर ट्रेनों में होने जा रहा बड़ा बदलाव

ऊपर यात्री और नीचे लगेंगे माल ढुलाई के लिए रैक, ऐसी है नई डिजाइन

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे यात्रियों को सुगम और सुरक्षित सफर करवाने के लिए हर दिन नए प्रयास कर रही है। इसी सिलसिले में आगे बढ़ते हुए रेलवे अब डबल डेकर ट्रेन को लेकर कई नए बदलाव करने जा रही है। रेलवे जल्द ही ऐसी ट्रेनें शुरू करने की तैयारी में है।

जिनके कोच में नीचे सामान भरा रहेगा और ऊपर यात्री सफर कर सकेंगे। यानी इन ट्रेनों में माल की ढुलाई भी हो सकेगी और यात्री भी सफर भी कर सकेंगे। ऐसी ट्रेनों को टू इन वन ट्रेन भी कह सकते है। दरअसल, भारत में पहले से ही डबल डेकर ट्रेन चलाई जा रही हैं, लेकिन इनकी संख्या बहुत कम है।

ये बहुत ही कम रूट पर नजर आती है। अभी इन ट्रेनों में केवल यात्री ही सफर करते हैं। माल ढुलाई नहीं होती है, लेकिन रेलवे अब इन ट्रेनों को अपडेट करने जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, रेलवे ने शुरुआती दौर में दो ट्रेनें बनाने की योजना बनाई है। इन ट्रेनों में 20 कोच लगाए जाएंगे। इस डबल डेकर ट्रेन का निर्माण रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला में हो रहा है।बैली फ्रेट कॉन्सेप्ट के तहत चलाई जाने वाली इन ट्रेनों के कोच का ट्रायल इसी महीने के आखिर तक होने की उम्मीद जताई जा रही है। ट्रेन के ऊपरी कोच में 46 यात्रियों के लिए जगह होगी। वहीं नीचे के डिब्बे में 6 टन तक माल ढो सकेंगे। सूत्रों ने बताया कि रेलवे बोर्ड को तीन डिजाइन के बारे में सुझाव दिया गया था। इनमें से एक को पास किया गया है। एक कोच को बनाने में 2.70 करोड़ से 3 करोड़ के बीच खर्च आएगा।

75,406 के ऑल टाइम हाई पर सोना

इस हफ्ते अब तक 1,313 महंगा हो चुका है, चांदी 90,817 प्रति किलो पर पहुंची

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसियां)। 26 सितंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत आज (26 सितंबर) अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 158 रुपए बढ़कर 75,406 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले बुधवार को इसके दाम 75,248 रुपए प्रति दस ग्राम थे। इस हफ्ते सोना अब तक 1,313 रुपए महंगा हो चुका है।

चांदी भी 87 रुपए महंगी हुई

चांदी की कीमत में भी आज बढ़त देखने को मिली। ये 87 रुपए महंगी होकर 90,817 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इससे पहले चांदी 90,730 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,180 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,020 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,020 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,020 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,070 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 70,600 रुपये है।

साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

एक लाख के जादुई आंकड़े पर कब पहुंचेगा सेंसेक्स? आ गया सामने

जानें क्यों आएगी शेयर मार्केट में तेजी

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर मार्केट समय रोजाना नए रिकॉर्ड बना रही है। सेंसेक्स 85 हजार के आंकड़े को पार कर चुका है। सेंसेक्स को 80 से 85 हजार आने में करीब डेढ़ महीने का समय लगा है। ऐसे में नजर है कि सेंसेक्स एक लाख के जादुई आंकड़े पर कब पहुंचेगा। जानकारों के मुताबिक सेंसेक्स जिस तेजी से बढ़ रहा है, उससे वह दिन दूर नहीं लगता जब यह एक लाख अंक पर पहुंच जाएगा। हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार पिछले 45 साल में सेंसेक्स में 850 गुना की बढ़ोतरी हुई है।

नहीं लगेगा बहुत ज्यादा समय

सेंसेक्स को जादुई 100000 के स्तर को छूने के लिए अब 17.5 फीसदी की और छलांग लगाने की जरूरत है। जानकारों के मुताबिक सेंसेक्स को एक लाख के अंक तक पहुंचने में बहुत ज्यादा समय नहीं लगेगा। दलाल स्ट्रीट के कुछ तेजड़ियों के मुताबिक सेंसेक्स वित्त वर्ष 2025 में ही एक लाख के अंक पर पहुंच जाएगा। जानकारों के मुताबिक अगर सेंसेक्स अपने ऐतिहासिक औसत 16 फीसदी सीएजीआर पर बढ़ता रहा तो यह यह दिसंबर 2025 के आसपास एक लाख अंक पर पहुंच सकता है।

डेजर्व के को-फाउंडर वैभव पोरवाल के अनुसार मौजूदा स्थिति को देखते हुए मार्केट को 12 से 15 फीसदी का सालाना रिटर्न देना चाहिए। अगर इसी रिटर्न के अनुसार सेंसेक्स में तेजी रही तो इसे एक लाख अंक तक पहुंचने में 18 से 24 महीने लगेंगे। उन्होंने बताया कि मार्केट में जिस तरह से अभी तेजी हे, उसे देखते हुए सेंसेक्स जल्दी ही एक लाख के अंक का छू लेगा।

विदेशी निवेशक हो रहे आकर्षित

विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार काफी भा रहा है। एमके ग्लोबल के शेषाद्री सेन के मुताबिक विदेशी निवेशक अब तक काफी हद तक चूक गए हैं। लेकिन उनका मानना है कि वे अब ऊंची वैल्यूएशन को देखने और भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए तैयार हैं। कैलेंडर वर्ष में अब तक विदेशी निवेश करीब 92 हजार करोड़ रुपये रहा है। वहीं वर्ष 2023 में यह 1.7 लाख करोड़ रुपये था। ऐसे में इसमें आगे और तेजी आने की उम्मीद है।

सेंसेक्स पिछले 14 साल में 4 गुना बढ़ गया है। जानें कैसी रही है साल 2000-2001 से अब तक सेंसेक्स की चालःडिस्क्लेमरः इस विश्लेषण में दिए गए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं। हम निवेशकों को सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रमाणित विशेषज्ञों से परामर्श कर लें। क्योंकि शेयर बाजार की परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं।

भारत 6जी अलाएंस की बैठक में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।भारत सरकार 5जी को बड़े पैमाने पर लाने के बाद अब 6जी पर काम कर रही है। इसी बीच केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को भारत 6जी अलाएंस के सात समूहों के साथ बैठक में भाग लिया।

भारत करेगा 6जी में दुनिया का नेतृत्व-सिंधिया

बैठक के दौरान मंत्री सिंधिया ने कहा, 'दुनिया में आज भारत के देश के मिशन 6जी स्टैंडर्ड के योगदान में नेतृत्व कर रहा है। भारत आज के समय में दूरसंचार का सबसे बड़ा बाजार है।

इसमें डिवाइस का उत्पादन, एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर से लेकर वॉयस एंड टेलीफोनी डेटा शामिल है। ऐसे में भारत को जरूर इसका नेतृत्व करना चाहिए। भारत 6जी अलाएंस के ऊपर वैश्विक स्टैंडर्ड और उनके प्रोस्प्रेक्टिव की अहम जिम्मेदारी है। ऐसे में मैं काम का तरीका और उसकी गुणवत्ता की गहराई देखकर हैरान हूं। भारत आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर 6 जी में दुनिया का नेतृत्व जरूर करेगा।'मंत्री सिंधिया ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि 6जी भारत का भविष्य है और भारत में 6जी के लिए काफी क्षमता है। उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे कहा, पीएम नरेंद्र मोदी के विजन के तहत भारत टेलीकॉम सुपरपावर बनाना है।

ऐसे में भारत 6जी अलाएंस के साथ सात समूह काम कर रहे हैं, इस संबंध में एक बैठक हुई। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही हम इस सेक्टर की ताकत बढ़ाने के लगातार चर्चा कर रहे हैं। इसके जरिए दूरसंचार के एक नए युग, कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए और फॉस्टिंग विकास बढ़ाने के लिए चर्चा की गई।

पेट्रोल-डीजल होगा 2-3 रुपये सस्ता

बस इनकी बात मानने की है देर फिर मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। देश में आम जनता पेट्रोल-डीजल की मौजूदा कीमतों पर खुश नहीं है और लगातार सरकार से इन कीमतों पर राहत की आस लगाए रखती है। अब जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम पहले के मुकाबले सस्ते हैं तो देश में भी पेट्रोल-डीजल जैसे फ्यूल के रेट घटाने की मांग हो रही है। अब आपके लिए ऐसी खबर आई है कि आपको पेट्रोल-डीजल के रेट पर राहत मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। दरअसल इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम में जो गिरावट आई है, उसके आधार पर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम 2-3 रुपये प्रति लीटर घटाने की संभावना है, ऐसा रेटिंग एजेंसी इक्रा ने एक नोट में कहा है। इक्रा ने अपने नोट में कहा है कि इंटरनेशनल मार्केट में सितंबर में क्रूड के दाम 74 रुपये पर बैरल तक आ चुके हैं और जो कि मार्च के 83-84 डॉलर प्रति बैरल के मुकाबले काफी कम हैं। अगर ऐसा ही रहता है और कच्चे तेल के दाम नीचे बने रहते हैं तो घरेलू ऑयल मार्केटिंग कंपनियां 2 रुपये से लेकर 3 रुपये तक फ्यूल के दाम घटा सकती हैं। आम ग्राहकों के लिए ये फैसला उनकी जेब पर बढ़े बोझ को कुछ कर सकता है। इक्रा के मुताबिक क्रूड में दिखी हालिया गिरावट से भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अच्छे मार्जिन पर बैठी हैं। सरकारी नियंत्रण वाली इन ओएमसीज को इस समय पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने पर नुकसान नहीं होगा क्योंकि वो पहले ही मुनाफे में आ चुकी है और इनको अब इस मुनाफे को राहत के रूप में ग्राहक के पास भेजना चाहिए।

इक्रा ने क्या कहा है

इक्रा का अनुमान है कि 17 सितंबर, 2024 तक इंटरनेशनल प्रोडक्ट प्राइस की तुलना में इन ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल हासिल करने पर रिकवरी 15 रुपये प्रति लीटर और डीजल के लिए 12 रुपये प्रति लीटर ज्यादा रही है।

क्यों तेल के दाम घटाने की है गुंजाइश

बता दें कि मार्च, 2024 से फ्यूल के रिटेल प्राइस बिना बदलाव के स्थिर बने हुए हैं। लोकसभा चुनावों के कुछ समय पहले 15 मार्च 2024 को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। इक्रा के मुताबिक जब फ्यूल के रेट एकसमान बने हुए हैं। अगर ये ही स्थिति जारी रहती है तो पेट्रोल-डीजल के रेट दो से तीन रुपये प्रति लीटर तक घटाने में कोई परेशानी नही होनी चाहिए।

तेल कंपनियों जो पेट्रोल-डीजल की 1 रुपये प्रति लीटर के मार्केट गेन (बाजार लाभ) से 0.9 डॉलर प्रति बैरल के जीआरएम को पाटने में सक्षम हैं। अमेरिका में कच्चे तेल का उत्पादन काफी ऊंचा है और जियो-पॉलिटिकल टेंशन के कारण कमजोर वैश्विक ग्रोथ के कारण क्रूड ऑयल के दाम में पिछले कुछ महीनों में भारी गिरावट देखी गई है।

मीरा मुराटी ने ओपनएआई से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मीरा मुराटी जो ओपनएआई के साथ 6 सालों से बनी हुई थीं और उन्होंने 2017 में कंपनी की कमान संभाली थी। जब सैम ऑल्टमैन अस्थाई तौर पर बाहर गए थे और ये समय कंपनी के लिए हलचल भरा था। ऐसे समय पर मीरा मुराटी को कंपनी का अंतरिम चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर बनाया गया था। मीरा मुराटी जो आर्टिफिशयल एंटेलीजेंस के क्षेत्र में बड़े प्रोजेक्ट करवाने के लिए मशहूर रही हैं, वो कंपनी के साथ लगभग साढ़े छह साल के समय तक रहीं और उन्होंने कहा है कि वो अपने लिए ज्यादा समय निकालने और खुद के बारे में और अधिक जानने के लिए समय देना चाहती हैं।चैटजीपीटी को कंपनी के लिए अहम बनाने और इसको आगे बढ़ाने के लिए मीरा मुराटी ने लिखा कि उनके कंपनी के साथ रहते हुए साढ़े छह साल काफी अच्छे रहे और उन्हें अभूतपूर्व विशेषाधिकार मिले। अगर कंपनी के बारे में कहूं तो मैं इसके लिए आभार व्यक्त करना चाहती हूं और इसकी शुरुआत मैं सैम और ग्रेग से करना चाहूंगी जिन्होंने मुझ पर इस टेक्निकल कंपनी में नेतृत्व के लिए भरोसा जताया और इतने सालों के लिए लगातार सपोर्ट किया। मीरा मुराटी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में बताते हुए लिखा और कंपनी में बिताए अपने अच्छे समय के लिए साथ काम करने वाले सहकर्मियों का आभार जताया। उनके इस्तीफे के बाद सैम ऑल्टमैन ने उन्हीं की पोस्ट पर नीचे रिप्लाई में लिखा कि इस पोस्ट के जरिए वो मीरा को हर एक बात के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। सैम ऑल्टमैन ने लिखा कि मीरा ओपनएआई के लिए कितनी जरूरी रही हैं, इसको शब्दों में बयान करना मुश्किल है। हमारे मिशन और हमारे लिए व्यक्तिगत रूप से मीरा के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

हम कंपनी में हर सपोर्ट के लिए मीरा को थैंक्यू कहना चाहते हैं।मीरा मुराटी का ये इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कंपनी में दो और टेक्निकल अधिकारियों ने कंपनी छोड़ी है। मीरा मुराटी ने कंपनी के सभी साथियों को भी धन्यवाद दिया और कंपनी में मिले अवसरों के लिए थैंक्यू दिया।

ऑटो और मेटल्स स्टॉक्स में खरीदारी के चलते रिकॉर्ड हाई पर सेंसेक्स-निफ्टी क्लोज, नए हाई पर मार्केट कैप

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। गुरुवार 26 सितंबर, 2024 का कारोबारी सत्र फिर से भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक रहा है. निवेशकों की जोरदार खरीदारी के चलते बीएसई सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी नए रिकॉर्ड हाई पर क्लोज हुआ है. बाजार में आई इस शानदार तेजी में मेटल्स और ऑटो सेक्टर के स्टॉक्स का योगदान रहा है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 666 अंकों के उछाल के साथ 85836 अंकों पर क्लोज हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 212 अंकों के उछाल के साथ 26,216 अंकों पर क्लोज हुआ है.

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 28 तेजी के साथ जबकि 2 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 44 तेजी के साथ और छह गिरकर क्लोज हुए. आज के कारोबार में मारुति 4.76 फीसदी, टाटा मोटर्स 3.08 फीसदी, बजाज फिनसर्व 2.58 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.53 फीसदी, टाटा स्टील 2.48 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 2.11 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 2 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.93 फीसदी के उछाल के साथ क्लोज हुआ है. गिरने वाले स्टॉक्स में सिप्ला 1.30 फीसदी, ओएनजीसी 1.17 फीसदी, लार्सन 0.84 फीसदी, हीरो मोटोकोर्प 0.61 फीसदी, एनटीपीसी 0.34 फीसदी और डिविज लैब 0.28 फीसदी गिरकर बंद हुआ है. शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते बाजार का मार्केट कैप नए ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा है.

बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 477.04 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 475.25 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के सत्र में मार्केट कैप में 1.79 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

आज के कारोबार में बाजार में सबसे बड़ी तेजी ऑटो, एफएमसीजी, मेटल्स, आईटी, एनर्जी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर और बैंकिंग स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. लेकिन कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है. मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में गिरावट देखी जा रही थी. लेकिन निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स आखिर में खरीदारी लौटने के चलते तेजी के साथ बंद हुआ है जबकि निफ्टी का स्मॉल कैप इंडेक्स गिरकर क्लोज हुआ है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या मे	कन्या..	05-26 बजे
चंद्र-	कर्क मे	तुला...	07-32 बजे
मंगल	मिथुन मे	वृश्चिक	09-42 बजे
बुध-	कन्या मे	धनु-	11-56 बजे
गुरु-	वृष मे	मकर...	14-01 बजे
शुक्र-	तुला मे	कुंभ--	15-53 बजे
शनि-	कुंभ मे	मीन-	17-30 बजे
राहु-	मीन मे	मेष---	19-06 बजे
केतु-	कन्या मे	वृष---	20-52 बजे
		मिथुन	22-52 बजे
		कर्क--	01-04 बजे
		सिंह---	03-16 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-09
सूर्यास्त. -18-04
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी 13 -20 तक उपरान्त एकादशी
मास - आश्विन कृष्ण , शुक्रवार 27 September
नक्षत्र - पुष्य 01 -20 तक उपरान्त आश्लेषा
योग - शिव 23-33 तक उप सिद्ध
करण- विष्टी 13-20 तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - एकादशी का श्राद्ध

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:37 से 12:07 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:09 - 07:37	शुभ	रोग	18:04 - 19:37	अशुभ
लाभ.	07:37 - 09:07	शुभ	काल	19:37 - 21:07	अशुभ
अमृत	09:07 - 10:37	शुभ	लाभ	21:07 - 22:37	शुभ
काल	10:37 - 12:07	अशुभ	उत्पात	22:37 - 00:07	अशुभ
शुभ.	12:07 - 13:37	शुभ	शुभ.	00:07 - 01:37	शुभ
रोग.	13:37 - 15:07	अशुभ	अमृत.	01:37 - 03:07	शुभ
उत्पात	15:07 - 16:37	अशुभ	चंचल	03:07 - 04:37	शुभ
चंचल	16:37 - 18:04	शुभ	रोग	04:37 - 06:09	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा। पहचान और इज्जत भी मिलेगी। वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी। वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है। सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे। आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें। इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है। इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो। समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप आजकल हर किसी की नजर में हैं। जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे। इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं। यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ। हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है। आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे। जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा। आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी।अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है। अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें। अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा। आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है। विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है। अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं। आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा। इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
पिछले काफी समय से जिस अटके काम को करने की सोच रहे हैं वह आज होने की उम्मीद है। खासी शारीरिक मेहनत करनी पड़ सकती है। आज सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से भी लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है।अपने प्रियजनों से किसी भी प्रकार के टकराव से बचें। सितारे कहते हैं की यदि आज कोई भी टकराव हुआ तो तुरंत बात बढ़ जायेगी।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते। आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा। अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है। ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी। आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे।आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं। इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे। इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो। आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पूर्व सीएम के बेटे से 4 घंटे में पूछे 20 सवाल

प्रोफेसर मारपीट केस में पूछताछ, चैतन्य बोला-मैंने बयान दर्ज करा दिया

दुर्ग, 26 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से गुरुवार दोपहर भिलाई थाने में करीब चार घंटे तक पूछताछ की गई। उनसे बंद कमरे में भिलाई सीएसपी छावनी हरीश पाटिल, भिलाई-3 थाना प्रभारी महेश ध्रुव ने सवाल पूछे। पूछताछ पूरी होने के बाद चैतन्य थाने से रवाना हो गए हैं। चैतन्य ने कहा कि, उन्हें बयान देने के लिए पुलिस ने बुधवार रात करीब 8 बजे नोटिस दिया था। वही दर्ज कराने के लिए आया था। सवाल क्या पूछे गए, इसे लेकर चैतन्य ने कहा कि, मामला अभी विवेचना में है। चैतन्य से पुलिस ने दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक पूछताछ की। चैतन्य के थाने पहुंचने के बाद भूपेश बघेल के ओएसडी रहे मनीष बंछोर, चरोदा महापौर निर्मल कोसरे, कौशल चंद्राकर, पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा सही

भूपेश बघेल के करीबी और तमाम कांग्रेसी थाने पहुंचे हुए थे। बताया जा रहा है कि चैतन्य से पूछताछ के दौरान पुलिस ने 20 सवाल पूछे थे। इनमें से कुछ के जवाब चैतन्य ने दिए और बाकी का जवाब देने से इनकार कर दिया। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने चैतन्य और प्रोफेसर मामले में उनके संबंध? क्या आरोपी आपके दोस्त हैं? उन्हें कैसे जानते हैं? आरोपियों से क्या बातचीत हुई है?, जैसे सवाल पूछे गए हैं। वहीं भिलाई-3 चरोदा के मेयर निर्मल कोसरे ने कहा कि, चैतन्य से क्या पूछताछ की गई है, वो तो पुलिस ही बताएगी। चैतन्य को बुलाया गया था, बयान देने के लिए। फिर सुबह वह स्वतः ही आए और पुलिस पूछताछ में सहयोग किया। उनके सवालों का जवाब दिया। बताया जा रहा है कि चैतन्य बघेल से खूबचंद बघेल महाविद्यालय भिलाई-3 के सहायक प्रोफेसर विनोद शर्मा पर हुए जानलेवा हमले मामले में पूछताछ की गई है। घायल प्रोफेसर रायपुर एआईआईएमएस में भर्ती हैं। यह भी बात सामने आई है कि पुलिस ने प्रोफेसर मारपीट मामले में दो आरोपियों रोहन उपाध्याय को मुंबई और रोहित पांडेय को रीवा जेल से रिमांड पर लिया है। उनसे हुई पूछताछ के बाद ही चैतन्य को बुलाया गया था। घटना 19 जुलाई 2024 की है। इस दिन भिलाई के ग्रीन वेली में रहने वाले 57 साल के सहायक प्रोफेसर विनोद शर्मा कहीं जा रहे थे। इस दौरान 2 बाइक में सवार 6 आरोपियों ने उन्हें रास्ते में रोककर पहले गाली गलौज की। फिर लाठी डंडों से उन्हें जमकर पीटा। प्रोफेसर में गंभीर रूप से घायल हो गए और कई जगह फ्रैक्चर आए। प्रोफेसर पर हमले की घटना के बाद भिलाई पुलिस ने 6 में से 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 3 अब भी फरार हैं। पुलिस सीसीटीवी और मोबाइल टॉवर लोकेशन के आधार पर रीवा से 19 अगस्त को प्रिंस उर्फ प्रसून पांडेय, अमन उर्फ उत्कर्ष द्विवेदी और करण पाठक को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के बयान के आधार पर खुलासा हुआ कि प्रोफेसर पर हमला भिलाई-चरोदा निगम के ठेकेदार प्रोबीर कुमार शर्मा ने करवाया था। इसके चलते थाना भिलाई-3 पुलिस ने प्रोबीर समेत अन्य साथियों द्वारा आपराधिक षडयंत्र रचने के कारण धारा 61 (2) बीएनएस जोड़ी है। मुख्य आरोपी प्रोबीर शर्मा की गिरफ्तारी के बाद प्रोफेसर पर हमले के कारण का खुलासा हो सकेगा।

सुदेश महतो 'सिल्ली' नहीं 'टुंडी' से उतरेंगे मैदान में

भाजपा ने एजेएसयू की मदद से जेएमएम के किला ध्वस्त की बनाई रणनीति

धनबाद, 26 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के टुंडी विधानसभा क्षेत्र में होने वाले आगामी चुनाव में कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। यह क्षेत्र परंपरागत रूप से पिछले तीन-चार दशकों से झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का गढ़ रहा है, लेकिन इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आजसू पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो को मैदान में उतारकर इस सीट पर जीत हासिल करने की रणनीति बना रही है। सुदेश महतो के सामने जेएमएम के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री मथुरा प्रसाद महतो तीन बार इस सीट से चुनाव जीत चुके हैं। मुकाबले को और दिलचस्प बनाने के लिए जयराम महतो ने भी ऐलान किया है कि यदि सुदेश महतो टुंडी से मैदान में उतरते हैं, तो वो भी वहां से चुनाव लड़ेंगे। भाजपा इस बार पाटी को उम्मीद है कि सुदेश महतो की लोकप्रियता के सहारे वह इस सीट पर जीत हासिल कर लेगी। सुदेश महतो

लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे हैं। हालांकि, सुदेश महतो के सामने आसान चुनौती नहीं है। उन्हें न सिर्फ जेएमएम के कद्दावर नेता मथुरा प्रसाद महतो से टक्कर मिलनी है, बल्कि जयराम महतो की मौजूदगी से भी मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है। जयराम महतो टुंडी के स्थानीय निवासी हैं और क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है।

टुंडी विधानसभा क्षेत्र धनबाद जिले में आता है और गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। इसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। टुंडी हमेशा से ही जेएमएम का गढ़ रहा है और पार्टी संस्थापक शिबू सोरेन का इससे गहरा नाता रहा है। झारखंड आंदोलन में भी टुंडी की अहम भूमिका रही है। माना जाता है कि टुंडी में ही शिबू सोरेन ने विनोद बिहारी महतो के साथ मिलकर अलग झारखंड राज्य के गठन की रणनीति बनाई थी। बिनोद बिहारी महतो भी टुंडी से विधायक रह चुके हैं।

टुंडी विधानसभा की राजनीति ट्रिपल एम पर आधारित है। ट्रिपल एम का मतलब महतो, मांझी और मुस्लिम आबादी से है। बताया जाता है कि टुंडी की जनसंख्या में महतो, मांझी और मुस्लिम समुदाय का बहुमत है, जिसे 'ट्रिपल एम' के नाम से भी जाना जाता है। इनमें से किन्हीं दो समुदायों का समर्थन किसी भी उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित कर सकता है। जेएमएम को हमेशा से ही इन समुदायों का समर्थन मिलता रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार टुंडी विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम आबादी करीब 17 प्रतिशत, महतो-कुर्मी की आबादी 15, मंडल 5 और मांझी की आबादी करीब 4 प्रतिशत है।

लोकसभा चुनाव में गिरिडीह संसदीय सीट से एनडीए में शामिल घटक दल आजसू पार्टी प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी की जीत हुई, लेकिन इस संसदीय क्षेत्र में शामिल टुंडी विधानसभा सीट से जेएमएम को बढ़त मिली। लोकसभा चुनाव में मथुरा प्रसाद महतो ही इंडिया अलायंस के प्रत्याशी थे और उन्होंने अपने टुंडी विधानसभा क्षेत्र में बढ़त बनाने में सफलता हासिल की।

2019 के विधानसभा चुनाव में जेएमएम के मथुरा प्रसाद महतो ने भाजपा के विक्रम पांडे को भारी मतों से हराया था। महतो को 72,552 वोट मिले थे, जबकि पांडे को 46,893 वोट ही मिल पाए थे। आजसू उम्मीदवार राजकिशोर महतो को 15,921 वोट मिले थे।

झारखंड में परिवर्तन की बेला है

यात्रा में पहुंचे सीएम विष्णुदेव साय ने प्रदेश की गठबंधन सरकार पर साधा निशाना

कुरडेग, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एकदिवसीय दौरे पर झारखंड पहुंचे। यहां वे कुरडेग में विशाल परिवर्तन यात्रा सभा में शामिल हुए, जहां उन्होंने जनता को संबोधित किया। भारी बारिश के बीच सभा करने पहुंचे सीएम साय ने जनता से आगामी विधानसभा चुनाव में डबल इंजन की सरकार बनाने का आग्रह किया। बारिश के बीच भी सीएम साय को सुनने लोगों की भारी भीड़ जुटी। लोगों ने बड़े ही उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री साय के भाषण को सुना और झारखंड में परिवर्तन की हुंकार भरी। विशाल परिवर्तन यात्रा सभा में पहुंची भीड़ को देखकर सीएम ने कहा कि बारिश के बीच अधिकाधिक संख्या में जनता की यह उपस्थिति बता रही है कि झारखंड में परिवर्तन की बेला है। अब यहां डबल इंजन की सरकार बनना तय है। उन्होंने, कहा कि इतनी भारी बारिश के बाद भी भारी संख्या में आपका आना भाजपा के

प्रति आपके अपार प्रेम और समर्थन को दर्शाता है। मैं आप सबके समर्पण को नमन करता हूं। झारखंड पहुंचे सीएम साय ने वहां की गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा। सीएम साय ने कहा कि झारखंड के लोगों को जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार ने खूब भरमाया। हमेशा यही भ्रम फैलाते हैं कि बीजेपी सरकार आई तो यहां के जल, जंगल, जमीन को लूट लेगी। हालांकि पूरे झारखंडवासियों को पता है कि यहां के जमीन को लूटने वाला एक मात्र आदमी यहां के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं। झारखंड के लिए दुर्भाग्य की बात है कि यहां के सीएम जमीन लूटने के मामले में, माइंस के लिए जमीन लेने के मामले में जेल में रहे और अभी जमानत में हैं।

गठबंधन सरकार को घेरते हुए विष्णु देव साय ने कहा कि यहां की सरकार ने भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पार कर दी है। यहां के मंत्री, कांग्रेस नेता के पीए के घर से करोड़ों रूपए निकलते हैं। कांग्रेस के एक सांसद के घर से तीन सौ करोड़ रूपए से ज्यादा निकलते हैं। ये सारा पैसा जनता का है। ये पैसा विकास में नहीं लग रहा है। ये पैसा सड़क, बिजली, पानी के लिए नहीं लग रहा है। बल्कि उन्होंने अपने एशो-आराम के लिए रखा है, जो उनके घर से मिल रहा है।

तेज बारिश में बह गया पुल और सड़क

12 से ज्यादा गांव का संपर्क टूटा, बिलासपुर जशपुर, सरगुजा, जीपीएम में भी बरसात

रायपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। जशपुर में तेज बारिश से सोनक्यारी में बना पुल और सड़क बह गया, जिससे पंडरसिल्ली, दबदरा, तालसिली सहित दर्जनों गांव का संपर्क टूट गया है। देर रात से हो रही तेज बारिश से कई नदी-नाले उफान पर हैं। बिलासपुर, जशपुर और सरगुजा में भी सुबह बारिश हुई। वहीं गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में देर रात से सुबह तक बारिश जारी है। रायपुर में भी सुबह बौछारें पड़ीं, दुर्ग-भिलाई में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने आज उत्तर छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है, इस दौरान कहीं-कहीं बिजली भी गिर सकती है। कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर और रायगढ़ जिले के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 27 सितंबर के बाद से प्रदेशभर में मानसून की एक्टिविटी कम होती जाएगी। बुधवार (25 सितंबर) को प्रदेश में मानसून सक्रिय रहा, प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। इसमें सबसे ज्यादा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला में 9 मिमी बारिश हुई है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मानसूनी सिस्टम सक्रिय होने से गुरुवार की सुबह चार बजे जमकर बरसात हुई। सुबह से आसमान में काली घटाओं के साथ रिमझिम बारिश हो रही है। गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका है। बुधवार को भी दिनभर रिमझिम बरसात की झड़ी लगी रही। इस दौरान 6.4 मिमी वर्षा हुई। रायपुर में आज सुबह कुछ हिस्सों में बौछारें पड़ीं। बादल छाए हुए हैं। गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी है। अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम तापमान 25 रहने की संभावना है। पामगढ़ क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर देर रात गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी हुई। वहीं बुधवार देर शाम को तेज बारिश हुई। कई इलाकों में खंड वर्षा की स्थिति रही।

तिरुपति मामले के बाद बालोद में खाद्य सुरक्षा विभाग एक्टिव

मंदिरों में प्रसाद की जांच के लिए चलाया अभियान

बालोद, 26 सितंबर (एजेंसियां)। देश के तिरुपति मंदिर प्रसाद मामले के बाद अब बालोद जिले के भी बड़े मंदिरों में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। साथ ही इसके तहत मंदिरों में बनने वाले प्रसादों की जांच की जाएगी। इसी घड़ी में बालोद जिले के सबसे बड़े शक्तिपीठ मां गंगा मैया मंदिर में नवरात्रि के पूर्व प्रसाद की जांच करने खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम पहुंची। सभी जगह के प्रसाद की जांच करते हुए मंदिर प्रबंधन से प्रसाद के विषय में चर्चा की। जहां पर यह बात सामने आई है कि नवरात्रि और विशेष पर्व के अलावा बाकी समय यहां पर सूखे मेवा जैसे नारियल, इलायची और मूंगफली इत्यादि के प्रसाद वितरित किए जाते हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महेश सूर्यवंशी ने बताया कि देश के तिरुपति मंदिर में प्रसाद में मिलावट की घटना के बाद हमने सतर्कता से सभी प्रमुख मंदिरों के प्रधान को जांच करने का निर्णय लिया है और

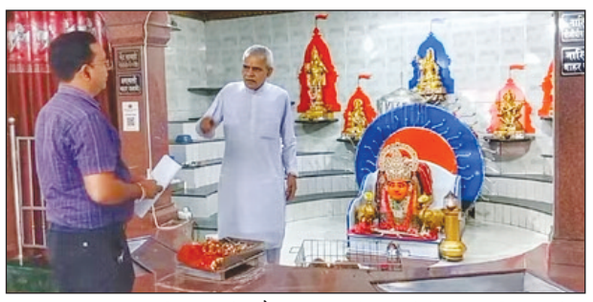

सभी प्रसाद सुपरविजन में है। उन्होंने कहा कि टीम मंदिरों में जांच कर रही है। वहीं, नवरात्रि का पर्व आने वाला है तो इस समय भी विशेष रूप से प्रधान की जांच की जाएगी। हिंदुओं की आस्था के खिलवाड़ से जुड़े इस विषय में शासन एवं प्रशासन ने काफी गंभीरता दिखाई है और अब सभी मंदिरों के प्रधान में जांच की बात सामने आ रही है।

खाद्य एवं सुरक्षा विभाग के अधिकारी भारत पटेल बालोद जिले के सबसे बड़े गंगा मैया मंदिर पहुंचे और उन्होंने प्रसाद की जांच की। उन्होंने बताया कि अन्य जो यहां पर प्रमुख मंदिर हैं, उनके भी प्रधान की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि बालोद जिले के जितने भी मंदिर हैं, वहां अन्यत्र समय में सुख प्रसाद ही वितरित किए जाते हैं। जिला प्रसाद बनाने की प्रक्रिया यहां पर नहीं है, इसलिए यहां पर किसी तरह के घबराने वाली कोई बात सामने नहीं आई है। नवरात्र में जो प्रसाद बनाए जाते हैं, उसके लिए मंदिर प्रबंधन समिति से चर्चा भी की जाएगी। बालोद जिले के प्रमुख मंदिर जैसे मां गंगा मैया मंदिर, मां सिया देवी मंदिर, गंजपारा के दुर्गा मंदिर सहित कई ऐसे मंदिर हैं, जहां पर नवरात्र में विशेष प्रसादी का आयोजन किया जाता है परंतु यहां पर भक्तों की संख्या लाखों में है।

बोकारो में ट्रेन हादसा

दो हिस्सों में बंटी मालगाड़ी, 2 डिब्बे पलटे, वंदे भारत सहित कई ट्रेनें प्रभावित

बोकारो, 26 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के बोकारो तुपकडीह स्टेशन पार करते वक्त बहादुरगढ़ डाऊन मालगाड़ी की दो बोगियां पलट गईं, जिससे ओवरहेड तार और मास्क क्षतिग्रस्त हो गए। इस दुर्घटना के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ है। आरपीएफ की टीम मौके पर जांच कर रही है। हादसा राजबेड़ा स्टेशन के पास तुपकाडीह-चंद्रपुरा मेन लाइन पर बुधवार का देर रात हुआ है। इस मालगाड़ी में लगभग 50 डिब्बे थे। यह मालगाड़ी बोकारो से लोहा लेकर जा रही थी। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। हालांकि आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। बताया जा रहा है कि बहादुरगढ़ से आ रही डाउन मालगाड़ी जब बोकारो के तुपकडीह स्टेशन से गुजर रही थी, तभी राजबेड़ा स्टेशन के पास अचानक इसके दो डिब्बे पटरी से उतर गए। मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई। हादसा राजबेड़ा स्टेशन के पास किलोमीटर संख्या 412/30 के करीब हुआ। पलटने वाले डिब्बों की संख्या 15852 और 10948 है। हादसे में ओवरहेड तार और मास्क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

इस घटना की वजह से अप और डाउन दोनों तरफ रेल यातायात पूरी तरह से बंद हो गया है। इससे वंदे भारत एक्सप्रेस, धनबाद इंटरसिटी, झालदा-मुरी समेत कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। आद्रा रेल डिवीज़न ने कई ट्रेनों के रास्ते भी बदल दिए हैं। आरपीएफ की एक टीम मौके पर पहुंच गई है और स्थिति को संभाल रही है।

लोमड़ी का आतंक, 6 गांवों में दहशत

5 दिन में 16 लोग घायल, घर में घुसकर हमला, लाठी लेकर निगरानी कर रहे लोग

मुंगेली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर और मुंगेली में लोमड़ी के हमले से लोग दहशत में हैं। मुंगेली में 12 से ज्यादा लोगों पर हमला करने वाले लोमड़ी के झुंड अब रतनपुर के जंगल आ गए हैं। वन परिक्षेत्र में स्थित कुवांजाति गांव में चार लोगों पर अटैक हुआ है। लोमड़ी ने बुधवार को एक ग्रामीण पर सबसे पहले हमला किया, उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर बचाने पहुंचे तीन और लोगों को भी हमला कर घायल कर दिया। इससे पहले लोरमी तहसील के 5 गांवों में पिछले 6 दिनों से लोग डर के साए में है। यहां शुक्रवार और शनिवार (20-21 सितंबर) को लोमड़ी के झुंड ने लोगों पर हमला कर दिया। इसमें करीब 8 लोग घायल हुए। इसके बाद से अब तक 12 से ज्यादा लोग इनकी चपेट में आए हैं। खास बात यह है कि शाम होते ही इन लोमड़ी

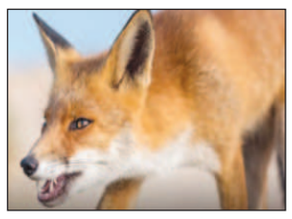

का झुंड रिहायशी इलाकों में लोगों के घरों के अंदर तक पहुंच रहा है। अब ग्रामीण हाथों में लाठी लेकर गांव और आसपास घूम रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग से कोई सहायता नहीं मिल रही है।

राजीव गांधी जलाशय के वेस्ट वेयर हाउस के पास रिहायशी बस्ती है। यहां से महज 100 मीटर दूर रात के अंधेरे में हमें जानवरों की आवाजें सुनाई दीं। इस पर हम गांव वालों के साथ मौके पर पहुंचे। वहां 5-6 लोमड़ी झुंड में नजर आईं। जैसे ही गाड़ी की लाइट उन पर पड़ी तो भागने लगीं। ग्रामीण इन लोमड़ियों से अपनी सुरक्षा खुद ही कर रहे हैं। शाम ढलने के साथ ही गांव के युवक टोलियों में हाथों में लाठी लेकर घूम रहे हैं। 200 मीटर की दूरी पर खुड़िया वन परिक्षेत्र के कारीडोंगरी गांव में वन विभाग का बैरियर है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें किसी तरह की सुरक्षा नहीं मुहैया कराई जा रही है। ग्रामीण बताते हैं कि वन विभाग की ओर से भी अभी तक कोई पूछने तक नहीं आया है। लोमड़ी को भगाने के लिए भी कोई कदम नहीं उठाया गया है। दरवाजा गांव में ही रहने वाली 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला मेघइयां पटेल के बाएं हाथ में लोमड़ी ने हमला कर घायल किया है। वह कहती हैं कि बस खाना खाकर घर के बाहर निकली थीं।

साव बोले-अधिकारी काम करने का पुराना ढर्रा बदलें

निकाय-नगर पंचायतों की रिव्यू मीटिंग, मंत्री ने कहा- काम में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

रायपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव लगातार 2 दिनों तक निकाय और नगर पंचायतों के कामकाजों की समीक्षा कर रहे हैं। मीटिंग में साव के कड़े तेवर देखने को मिले। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें। काम करने का पुराना ढर्रा अधिकारी बदलें। काम में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

साव ने कहा कि मुस्तैदी से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। जरूरत पड़ने पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। निकायों में नई कार्य संस्कृति विकसित करें। कार्यों में अपेक्षित सुधार लाएं। परिणाममूलक कार्य करें। शहरों के विकास और जनसुविधाएं विकसित करने का काम गंभीरता से करें। इसके साथ ही साव ने अधिकारियों को निर्माण, सप्लाई और खरीदी से इतर अन्य जरूरी

कार्यों में ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक कुंदन कुमार भी समीक्षा बैठक में मौजूद हैं।

समीक्षा बैठक में साव ने कहा कि सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों के लंबित वेतन का भुगतान प्राथमिकता से करें। अगस्त और सितंबर के वेतन का भुगतान 1 अक्टूबर तक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर वेतन भुगतान नहीं होने की शिकायत नहीं आना चाहिए।

साव ने अधिकारियों से कहा है कि वे सभी अपने-अपने क्षेत्र में राजस्व की वसूली बढ़ाएं। सभी नगरीय निकाय, बड़े बकायादारों से कड़ाई से टैक्स वसूलें। गंभीरता और सक्रियता से कर संग्रहण करें। वसूली की नियमित समीक्षा आयुक्त और सीएमओ करेंगे।

साव 2 दिनों तक चलने वाली समीक्षा बैठक के दौरान नगरीय निकायों में आय-व्यय की स्थिति, राजस्व वसूली, निर्माण कार्यों की प्रगति, स्वच्छ भारत मिशन और मिशन अमृत सहित प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना तथा मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे।

हेमंत बोले-आरएसएस वाले चूहे की तरह घुसकर समाज तोड़ रहे

लोग अमन-चैन से रहें ये भाजपा को पसंद नहीं डेमोग्राफिक बदलाव को लेकर केंद्र पर निशाना

रांची, 26 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के समापन के मौके पर साहेबगंज के भोगनाडीह में लोगों को संबोधित करने के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने आरएसएस पर समाज तोड़ने का आरोप लगाया। लोगों को आगामी चुनाव को लेकर सजग रहने को कहा। सीएम हेमंत ने आरएसएस की तुलना चूहे से की। कहा- आरएसएस के लोग चूहे की तरह अंदर-अंदर घुस कर के हमारे समाज को तोड़ने का काम करेगा। तो इनलोग को भी आपको पहचान कर रखने की आवश्यकता है। ताकि आने वाला चुनाव में हमारे लोगों से इनलोग कोई गलती न करा सके। मिलकर इन्हें करारा जवाब देना है। साथ ही कहा कि लोग अमन-चैन से रहें, ये बीजेपी वालों को पसंद नहीं है। मुख्यमंत्री बुधवार को बारिश की वजह से भोगनाडीह नहीं जा सके थे तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रांची से ही साहेबगंज के लोगों को संबोधित किया था। संबोधन के दौरान सीएम ने न केवल भाजपा पर समाज को तोड़ने की बात कही, बल्कि नेताओं को खरीदने तक का आरोप लगया। कहा कि झारखंड के कुछ नेताओं को भाजपा ने खरीद लिया है। इनका काम ही है नेताओं को खरीदों और उनका दुरुपयोग करो। हिंदू, मुस्लिम सिख, ईसाई की बातें अब शुरू होगी। गांव-गांव में ये यही सब करेंगे। कई मन्दिर-मस्जिदों में ये असामाजिक तत्वों के जरिए साजिश रचने की कोशिश करेंगे। याद रखिएगा जो लोग इस तरह का कार्य करेगा, उन लोगों को पकड़कर रखिएगा और पुलिस के हवाले कर दीजिएगा। किसी से डरने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि झारखंड वीरों का राज्य है। हमलोग जब तक लड़ते हैं, तब तक जीवित रहते हैं। अगर हम ऐसी लड़ाई नहीं लड़ेंगे तो जिस तरह से अंग्रेजों ने हमको अलग-अलग क्षेत्रों में बांट दिया, उसी तरह ये व्यापारी लोग हमें फेंक कर आ जायेंगे। इसलिए इन पूंजीपतियों को झारखंड में खड़ा नहीं होने देना है। यह झारखण्ड, यहां के मूलवासियों-आदिवासियों का है। यहां का जल, जंगल हमारा है और आने वाले समय में अपना हक-अधिकार लडकर हमें अपने घर-घर तक लेकर आना है। इस संकल्प के साथ हमें इस चुनाव को अंजाम तक पहुंचाना है। डेमोग्राफिक बदलाव पर केंद्र के आंकड़े पर सीएम ने सवाल खड़े किए। साथ ही कहा कि जहां लोग एक साथ अमन चैन से रहते हैं वह इनको अच्छा नहीं लगता है।

डॉक्टर बनने के लिए 25 लाख की संपत्ति जरूरी?

छत्तीसगढ़ में सरकार की ये कैसी शर्त

रायपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए एक नया नियम लागू हुआ है। इस नियम के तहत, छात्रों को 25 लाख रुपए की संपत्ति का एंग्रीमेंट रखना होगा। साथ ही, पढ़ाई पूरी होने के बाद राज्य में दो साल तक काम करने की भी शर्त होगी।

यह नियम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किया गया है। इस नए नियम का विरोध यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट एसोसिएशन ने किया है और स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन सौंपा है। इस नियम के बाद छत्तीसगढ़ से एमबीबीएस की पढ़ाई करना अब महंगा सौदा साबित हो सकता है। सरकार ने नए नियम लागू किए हैं, जिनके तहत सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला लेने वाले छात्रों को 25 लाख रुपए की संपत्ति का एग्रीमेंट देना होगा। यह नियम यूजी और पीजी दोनों ही कोर्स के लिए लागू होगा। इसके अलावा, छात्रों को पढ़ाई पूरी होने के बाद राज्य में दो साल तक नौकरी करने की भी शर्त होगी।

नए नियमों के अनुसार, छात्रों को 25 लाख रुपए की संपत्ति का बंधकनामा स्वास्थ्य विभाग में जमा करना होगा। इसके साथ ही, उन्हें एक एग्रीमेंट पर भी हस्ताक्षर करने होंगे, जिसमें यह लिखा होगा कि वे पढ़ाई पूरी होने के बाद राज्य में दो साल तक नौकरी करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह नियम सरकार ने बनाए हैं और वे सिर्फ उसका पालन कर रहे हैं।

हालांकि, छात्रों और डॉक्टरों ने इन नियमों का विरोध किया है। यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें इन नियमों को वापस लेने की मांग की गई है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमने प्रॉपर्टी बंधक रखने वाली शर्त पर राहत देने की मांग की है। इसके अलावा, पीजी की पढ़ाई करने वाले रेगुलर डॉक्टरों के लिए 3 वर्ष का स-वैतनिक अध्ययन अवकाश और पीजी डॉक्टरों को सप्ताह में एक दिन की छुट्टी देने की मांग भी की है। वहीं, छात्रों का कहना है कि वे नौकरी करने की शर्त पूरी करने को तैयार हैं, लेकिन 25 लाख रुपए की संपत्ति का इंतजाम करना उनके लिए मुश्किल होगा। उनका कहना है कि कई छात्र ऐसे हैं जिनके पास इतनी संपत्ति नहीं है और ऐसे में वे मेडिकल की पढ़ाई कैसे कर पाएंगे?

चाकू की नोक पर कार की लूट

रायगढ़, 26 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 2 युवकों ने बुकिंग कराकर कार लूट ले गए। बताया जा रहा है कि 2 लुटेरों ने ड्राइवर के गले में चाकू अड़ाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। वारदात के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक सोनकर पारा निवासी पंकज सिंह (39) अपनी कार को रायगढ़ रेलवे स्टेशन से किराए पर चलाते हैं। बुधवार की दोपहर को 2 युवक 25-30 साल के उसके पास आए। टीपाखोल घूमने जाने के नाम पर कार बुकिंग कराई।

इस दौरान पंकज अपना कार खुद चला रहा था। इस दौरान ड्राइवर सीट के बगल में एक युवक बैठा। दूसरा पीछे की सीट पर बैठ गया। जब वे टीपाखोल पहुंचे। इस दौरान पीछे बैठा युवक चाकू उसके गले पर अड़ा दिया। चाकू के वार से बचने के लिए पंकज चाकू अपने हाथों से चाकू पकड़ा, पर उन्होंने उस पर वार कर दिया। इससे उसकी उंगलियों में चोट पहुंची। युवकों ने कार का गेट खोलकर उसे बाहर धकेल दिया। दोनों युवक कार को लेकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि वारदात के बाद रेलवे स्टेशन सहित अन्य जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। आरोपियों के रूट का पता चला। इसके बाद जिले के अन्य थाना सहित दूसरे जिले के पुलिस को भी जानकारी दी गई। जगह-जगह नाकेबंदी की गई। पुलिस ने बताया कि लगातार संभावित जगहों पर जांच की जा रही थी। ऐसे में आरोपियों ने कार को बाराद्वार-जैजेपुर मार्ग पर छोड़कर फरार हो गए। जहां पुलिस को जैजेपुर रोड पर कार खड़ी मिली, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

भारतीय पर्यटकों के लिए तरस रहा मालदीव

50000 से ज्यादा घटी संख्या, चीन के गुलाम मुइज्जू का हर जतन हुआ नाकाम

माले, 26 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के गुलाम मोहम्मद मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से मालदीव भारतीय पर्यटकों के लिए तरस रहा है। तमाम जतन के बाद भी मालदीव की सरकार भारतीय पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने में नाकाम रही है, जिसका असर देश की पहले से खराब चल रही अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। पिछले दो सालों में मालदीव के पर्यटन बाजार में भारत सबसे बड़ा भागीदार रहा है, लेकिन इस साल देश में भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी कमी देखी गई है।

मालदीव में इस साल भारतीय पर्यटकों की संख्या में 50,000 से ज्यादा की गिरावट हई है। मालदीव के पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल 24 सितम्बर तक भारत से 146,057 पर्यटक देश में पहुंचे थे। वहीं, इस साल 24 सितम्बर

भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या सिर्फ 88,202 है। इस तरह भारतीय पर्यटकों की संख्या में 57,855 की गिरावट आई है।

मालदीव के मंत्रियों की पीएम मोदी पर टिप्पणी

मालदीव में भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट इस साल की शुरुआत में तब हुई, जब मोहम्मद मुइज्जू सरकार के तीन मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद भारत में मालदीव के टूरिज्म का बायकॉट को लेकर बड़ा अभियान चला, जिसे मशहूर हस्तियों ने भी समर्थन दिया था।

मुइज्जू सरकार की कोशिश नाकाम

हालांकि, भारी विरोध होता देख मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने तीनों मंत्रियों को निलंबित कर दिया था, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। इसके बाद से भारतीय पर्यटकों ने मालदीव के लिए पहले जैसा रुख नहीं किया है। मालदीव की सरकार ने एक बार फिर से भारत के साथ संबंधों को सुधारने की शुरुआत की है।

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए मालदीव ने वेलकम इंडिया अभियान शुरू किया, लेकिन यह भी भारतीय पर्यटकों को दिल जीतने में सफल नहीं हो पाया है। हालांकि, इस बीच चीन और पश्चिमी यूरोपीय देशों से मालदीव आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है।

चीन-ताइवान के बीच से पहली बार गुजरा जापानी युद्धपोत

बीजिंग, 26 सितंबर (एजेंसियां)। जापान का युद्धपोत बुधवार को पहली बार ताइवान और चीन के बीच ताइवान स्ट्रेट से होकर निकला। ईस्ट चाइना सी से पश्चिम की तरफ जा रहे जापानी वॉरशिप ने 10 घंटे में 180 किमी का रास्ता तय किया। बीबीसी ने जापान के मीडिया के हवाले से इसकी जानकारी दी। जेएस साजनामी नाम के इस युद्धपोत के साथ ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के वॉरशिप भी मौजूद थे। तीनों देशों के नौसैनिक जहाज साउथ चाइना सी में युद्धाभ्यास के लिए जा रहे थे। ताइवान और ताइवान स्ट्रेट दोनों को ही चीन अपना हिस्सा बताता है। ऐसे में ड्रैगन को नाराज न करने के लिए जापान अब तक अपने जहाजों को दोनों देशों के बीच से नहीं निकालता था। चीन के ग्लोबल टाइम्स ने बताया कि जब दूसरे देशों के जहाज ताइवान स्ट्रेट से गुजर रहे थे, तब चीनी मिलिट्री पूरे समय इस पर नजर बनाए हुई थी।

पुतिन ने पश्चिमी देशों को न्यूक्लियर हमले की चेतावनी दी

बोले- परमाणु नीति में बदलाव करेंगे, रूस को बचाने के लिए ये जरूरी

मॉस्को, 26 सितंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर से पश्चिम देशों को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन ने राजधानी मॉस्को में बुधवार को सुरक्षा परिषद की तत्काल बैठक बुलाई थी। इसमें उन्होंने कहा कि सरकार परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े नियम और शर्तों को बदलने जा रही है।

पुतिन ने कहा कि देश के परमाणु नियमों में कई नई चीजें जोड़ी जाएंगी।

इसमें रूस के खिलाफ मिसाइल या फिर ड्रोन हमलों के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल भी शामिल है। अगर रूसी इलाके में बड़े पैमाने पर मिसाइल या ड्रोन हमला होता है, जिससे देश की संप्रभुता पर गंभीर खतरा आ सकता है, तब भी रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है।

रूसी राष्ट्रपति ने ये भी कहा कि यदि कोई गैर-परमाणु संपन्न देश किसी परमाणु संपन्न देश के समर्थन से रूस पर हमला करता है तो इसे दोनों देशों की तरफ से किया गया हमला माना जाएगा। उन्होंने कहा कि रूस के परमाणु हथियार, देश और उसके नागरिकों की सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी हैं।

पुतिन बोले- परमाणु नीति में बदलाव समय की मांग

पुतिन का ये बयान तब आया है, जब यूक्रेन पश्चिमी देशों से रूस में दूर तक हमला करने वाली मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत मांग रहा है। पुतिन ने कहा कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की शर्तों में बदलाव जरूरी था, क्योंकि दुनिया तेजी से बदल रही है।

यूक्रेन को ब्रिटेन ने स्टॉर्म शैडो, अमेरिका ने आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) मिसाइलें दी हुई हैं। ये लंबी दूरी की घातक मिसाइलें हैं, जो करीब 300 किमी तक सटीक निशाना लगा सकती हैं। यूक्रेन इन मिसाइलों का इस्तेमाल रूस में नहीं, बल्कि सिर्फ अपनी सीमा के भीतर ही कर सकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की चाहते हैं कि इन प्रतिबंधों को हटाया जाए, ताकि वे रूस के भीतर लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल कर सकें। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। वे गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात करने वाले हैं। इस दौरान वे रूस में लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल की अनुमति मांग सकते हैं।

यह पहली बार नहीं है, जब पुतिन ने पश्चिमी देशों को परमाणु युद्ध की धमकी दी हो। रूसी राष्ट्रपति ने 12 सितंबर को कहा था कि अगर पश्चिमी देश यूक्रेन को क्रूज मिसाइल के इस्तेमाल की अनुमति देते हैं तो इसका मतलब यह समझा जाएगा कि नाटो, रूस के खिलाफ जंग में उतर चुका है।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो वे इसका जवाब जरूर देंगे। यूक्रेन ढाई साल से अमेरिका और पश्चिमी देशों के समर्थन से रूस के खिलाफ जंग लड़ रहा है। यूक्रेन ने अगस्त में रूस में घुस कर उसके कई इलाकों पर कब्जा कर लिया था।

रूस अपने इलाकों को छुड़ाने की कोशिश में जुटा है।

पाकिस्तानी जेएफ-17 जेट से होगी भारत के 'अस्त्र' मिसाइल की टक्कर!

दुनिया के इस मुस्लिम देश पहुंचा चीन का 'कबाड़'

बाकू, 26 सितंबर (एजेंसियां)। आर्मीनिया के साथ तनाव के बीच अजरबैजान ने पाकिस्तान और चीन के संयुक्त रूप से बनाए गए जेएफ-17 फाइटर जेट को अपनी वायुसेना में शामिल कर लिया है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव ने राजधानी बाकू में देश की वायुसेना में शामिल हुए इन जेएफ-17 फाइटर जेट का निरीक्षण किया। उनके साथ अजरबैजान के रक्षा मंत्री जाकिर हसानोव और पाकिस्तानी सेना के कई सीनियर अधिकारी मौजूद थे। पाकिस्तान और चीन का दावा है कि यह जेएफ-17 सी ब्लॉक III हल्का है और सभी तरह के मौसम में दिन हो या रात हमेशा कई तरह के मिशन को अंजाम दे सकता है। अजरबैजान ने यह फाइटर जेट ऐसे समय पर लिया है जब आर्मीनिया इससे निपटने के लिए भारत की हवा से हवा में मार करने वाली अस्त्र मिसाइल को खरीदने की योजना बना रहा है।

तुर्की की मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति अलियेव को जेएफ 17 फाइटर जेट की तकनीकी और ऑपरेशनल क्षमता के बारे में बताया गया। इस दौरान उन्हें बताया गया कि यह विमान हवा से

हवा और हवा से जमीन पर हमला करने की ताकत रखता है। साथ ही मध्यम और कम ऊंचाई पर कलाबाजी भी दिखा सकता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस विमान को शामिल करने से अजरबैजान की वायुसेना की क्षमता में कफी इजाफा होगा।

अजरबैजान के रक्षा मंत्री हसनोव ने कहा कि इस फाइटर जेट से हमारी रक्षा करने की और हमला करने की ताकत में बढ़ोत्तरी होगी। आर्मीनिया के साथ तनाव के बीच अजरबैजान की सेना लगातार पाकिस्तान और चीन के साथ रक्षा संबंध मजबूत कर रही है। अलियेव नगर्नो कराबाख पर कब्जा करने के बाद भी आर्मीनिया के खिलाफ अपनी सैन्य तैयारी को लगातार मजबूत कर रहे हैं। उनका पूरा फोकस युद्ध के लिए सेना को हमेशा तैयार रखना और तकनीकी रूप से दुश्मन देश पर बढ़त बनाए रखना है।

अजरबैजान की सेना और पाकिस्तान के बीच यह सैन्य दोस्ती वर्षों पुरानी है। दोनों देश वैश्विक मंचों पर एक-दूसरे का सपोर्ट करते हैं। अजरबैजान के राष्ट्रपति अलयिव जुलाई 2023 में पाकिस्तान की राजकीय यात्रा पर आए थे। इससे दोनों के बीच रक्षा संबंध मजबूत हुए थे। इस दोस्ती का एक तीसरा बड़ा खिलाड़ी तुर्की है जो अजरबैजान और पाकिस्तान दोनों को हथियार से लेकर ड्रोन तक की सप्लाई करता है। इन जेएफ-17 में भी तुर्की के कई उपकरण और हथियार लगे हुए हैं।

अजरबैजान ने जिन जेएफ-17 जेट को लेकर इतरा रहा है, वे म्यांमार में कबाड़ साबित हुए हैं। म्यांमार की सेना इस सफेद हाथी बने जेएफ 17 जेट को खरीदकर पछता रही है। ये विमान उड़ान ही नहीं भर पा रहे हैं। इससे परेशान म्यांमार के सेना प्रमुख ने पाकिस्तान से लेकर चीन तक को जमकर झाड़ लगाई थी। वहीं आर्मीनिया ने भी इन विमानों को हवा में मार गिराने के लिए अपनी तैयारी तेज कर दी है। आर्मीनिया ने भारत संग बातचीत शुरू की है और वह अपने सुखोई 30 विमानों को अपग्रेड करना चाहता है।

आर्मीनिया भारत से अस्त्र हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल को खरीदना चाहता है। भारत ने इस मिसाइल को अपने सुखोई विमानों में लगाया है। भारत भी सुखोई 30 विमानों का इस्तेमाल करता है। हालांकि ये आर्मीनिया वाले संस्करण से कुछ अलग है। आर्मीनिया भारत से आकाश एयर डिफेंस सिस्टम और तोप भी खरीद चुका है। आर्मीनिया भारत का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बन गया है।

जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए जयशंकर

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना में सुधार की मांग

न्यूयॉर्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 25 सितंबर 2024 को न्यूयॉर्क में जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए। यह बैठक ब्राजील की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी और यह ब्राजील की अध्यक्षता में विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक थी। यह बैठक संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर हुई। ट्रोइका सदस्य के रूप में बैठक में बोलते हुए विदेश मंत्री ने वैश्विक शासन सुधार के तीन प्रमुख क्षेत्रों - संयुक्त राष्ट्र और उसके सहायक निकायों में सुधार, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना में सुधार और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली में सुधार की मांग दोहराई। जी-20 की दूसरी विदेश मंत्रियों की बैठक में एस जयशंकर ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की जोरदार वकालत की।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि, संयुक्त राष्ट्र अतीत का कैदी बना हुआ है। दुनिया एक स्मार्ट, आपस में जुड़ी और बहुध्रुवीय क्षेत्र में विकसित हो गई है।

बांग्लादेश की सेना का इस्लामीकरण!

कट्टरपंथियों के दबाव में पहली बार महिला सैनिकों को हिजाब पहनने की दी गई मंजूरी

ढाका, 26 सितंबर (एजेंसियां)। शेख हसीना के जाने के बाद बांग्लादेश तेजी से इस्लामीकरण की राह पर बढ़ रहा है। अब बांग्लादेश की सेना पर भी इस्लामिक कट्टरपंथियों के आगे झुक गई है। बांग्लादेश की सेना ने पहली बार महिला सैनिकों को हिजाब पहनने की अनुमति दी है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर महिला सैनिक हिजाब पहनना चाहती हैं तो वे पहन सकती हैं। एडजुटेंट जनरल के कार्यालय से इसका आदेश जारी किया गया, जिसमें महिला सैन्यकर्मियों के लिए हिजाब पहनना वैकल्पिक कर दिया गया।

महिला अफसरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य सैन्यकर्मियों पर हिजाब पहनने को लेकर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया है। एडजुटेंट जनरल के कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया है, '3 सितंबर को पीएसओ सम्मेलन के दौरान सैद्धांतिक रूप से निर्णय लिया गया, जिसमें इच्छुक महिला कर्मियों को अपनी वर्दी के साथ हिजाब पहनने की मंजूरी

दी गई।'

पहले क्या था नियम?

इसके पहले बांग्लादेश की महिला सैन्यकर्मियों को वर्दी के साथ हिजाब पहनने की अनुमति नहीं थी। एडजुटेंट कार्यालय ने निर्देश दिया है कि अलग-अलग वर्दी (लड़ाकू वर्दी, कामकाजी वर्दी, साड़ी) के साथ हिजाब के सैंपल प्रस्तुत किए जाएं।

सैंपल में फैब्रिक, रंग और माप को भी शामिल करने को कहा गया है। प्रस्तावित हिजाब को पहने हुए महिला सैन्यकर्मियों की रंगीन तस्वीरें गुरुवार 26 सितम्बर तक संबंधित विभाग में जमा करनी होगी।

बांग्लादेश की सेना में महिलाएं

साल 1997 शुरुआत में महिलाओं को बांग्लादेश की सेना में पुरुषों की तरह ही अफसर के रूप में भर्ती होने की अनुमति दी गई थी। तीन साल बाद 2000 में पहली बार महिलाएं अफसर बनीं और 2013 में सैनिक के रूप में शामिल हुईं।

हालांकि, महिलाएं पैदल सेना और आर्मर कोर में अफसर नहीं बन सकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे अधिक योगदान देने वाला देश बनकर उभरा है। बांग्लादेश के मीडिया आउटलेट द बिजनेस स्टैंडर्ड की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेशी शांति सैनिकों में 7.7 प्रतिशत महिलाएं हैं।

सटोरियों का दावा- कमला अमेरिकी राष्ट्रपति बनेंगी

हैरिस पर 52% तो ट्रम्प पर 47% सट्टा लगा डिबेट के बाद से कमला के पक्ष में माहौल

वॉशिंगटन, 26 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सट्टा बाजार के मुताबिक, कमला हैरिस अगली राष्ट्रपति हो सकती है। नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सट्टा बाजार कमला हैरिस पर दांव लगा रहा है। बुधवार को कमला हैरिस की जीत पर औसतन 52%, तो ट्रम्प की जीत पर औसतन 47% सट्टा लगा है।

रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस के बीच चुनाव में कड़ा मुकाबले होने की वजह से सट्टा बाजार गर्म है। मंगलवार को कमला हैरिस की जीत पर 53% सट्टा लगा था, जिसमें बुधवार को 1% की गिरावट आई है।

वहीं, मंगलवार को भी ट्रम्प की जीत पर 47% सट्टा ही लगा था। पिछले हफ्ते ट्रम्प पर औसतन 46% और कमला पर 53% सट्टा लगा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रम्प के साथ पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में कमला के शानदार प्रदर्शन और कई बड़ी हस्तियों के समर्थन के चलते कमला की स्थिति मजबूत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर कराए जा रहे ओपिनियन पोल्स में भी कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रम्प को पीछे छोड़ती नजर आ रही हैं। ओपिनियन पोल्स में बुधवार को औसतन 55% लोगों ने कमला हैरिस के राष्ट्रपति बनने की संभावना जताई। वहीं, डोनाल्ड ट्रम्प के लिए ये आंकड़ा महज 45% रहा। इससे पहले मंगलवार (24 सितंबर) को कमला की जीत की संभावना 54% थी, जिसमें बुधवार को 1% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं मंगलवार को ट्रम्प के जीतने की संभावना 45% थी। इसमें बुधवार किसी प्रकार का बदलाव नहीं हुआ है।

भारत ने नागरिकों को तुरंत लेबनान छोड़ने को कहा

इजराइली सेना घुसपैठ की तैयारी में, अमेरिका-फ्रांस ने जंग रोकने की मांग की

यरुशलम/बेरूत, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने लेबनान में जंग जैसे हालातों को लेकर नई एडवाइजरी जारी की है। बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने यहां रह रहे भारतीय नागरिकों से तुरंत देश छोड़कर जाने को कहा है। वहीं, लोगों को बेहद सतर्क रहने की भी सलाह दी गई है। दो महीने पहले दूतावास ने लोगों को वहां जाने से भी मना किया था।

लेबनान और इजराइल के बीच हो रहे हमले पिछले 8 दिनों में बढ़े हैं। इनमें 700 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइली सेना लेबनान में घुसपैठ की तैयारी कर रही है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में एक और जंग का खतरा मंडरा रहा है।

इजराइल के मिलिट्री चीफ हर्जई हालेवी ने बुधवार को कहा कि लेबनान में उनके हवाई हमलों का मकसद हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना और जमीनी घुसपैठ का रास्ता तलाशना है। इजराइली सेना ने कहा कि उन्होंने बुधवार देर रात हिजबुल्लाह के 75 ठिकाने पर

हमले किए। बुधवार को इजराइली हमले में कम से कम 72 लोगों की मौत हुई है।

हालेवी ने कहा कि इजराइली सेना, हिजबुल्लाह के इलाके में घुसेगी और उनकी सैन्य चौकियों को बर्बाद करेगी। तब उन्हें पता चलेगा कि इजराइली सेना का सामना करने का क्या मतलब होता है। उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह के हमलों के वजह से इजराइल के लोगों को घर छोड़ना पड़ा था। अब वे अपने घर लौट पाएंगे। अमेरिका और फ्रांस ने इजराइल-लेबनान जंग को रोकने के लिए बुधवार को 21 दिन के सीजफायर की मांग की। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में इस जंग को लेकर एक आपातकालीन बैठक बुलाई गई थी। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जंग रोकने को लेकर बातचीत की जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सऊदी अरब, यूएई, कतर समेत कई यूरोपीय देशों ने सीजफायर की मांग का समर्थन किया। बैठक में फ्रांस ने कहा कि लेबनान में हो रही जंग को रोकना जरूरी है, वर्ना इससे मिडिल ईस्ट में जंग और बढ़ सकती है। कूटनीति से इसे रोका जा सकता है।

इजराइल-लेबनान के बीच सीजफायर को लेकर राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि जंग रोकने का वक्त आ गया है। लोगों के सुरक्षित घर लौटने के लिए यह जरूरी है। उन्होंने सीजफायर के लिए इजराइल और लेबनान सरकार का समर्थन मांगा। हालांकि, अब तक हिजबुल्लाह, लेबनान या फिर इजराइल ने सीजफायर पर कोई जवाब नहीं दिया है। गाजा में करीब एक साल से लड़ाई चल रही है। बाइडेन पर मिडिल ईस्ट में जंग को रोकने का बहुत दबाव है। वे अब सिर्फ 116 दिन तक ही राष्ट्रपति पद पर हैं। बाइडेन काफी समय से बातचीत के जरिए जंग को रोकने की कोशिश में जुटे हुए हैं, लेकिन अब तक असफल रहे हैं। अगर उनकी कोशिश सफल होती है तो इससे उनकी इमेज बेहतर होगी। डेमोक्रेटिक पार्टी को भी चुनाव में इसका फायदा मिल सकता है।

यूएन महासभा के मंच से फ्रांस के राष्ट्रपति ने की भारत की वकालत

न्यूयॉर्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल उन्होंने अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की जरूरत बताई और भारत को इसमें स्थायी सीट देने की वकालत की।

गौरतलब है कि इससे पहले अमेरिका समेत कई प्रमुख राष्ट्र भी भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुके हैं।

अपने संबोधन में इमैनुएल मैक्रां ने कहा कि 'फ्रांस, सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है और जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही अफ्रीका से भी दो देशों को इसमें प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।'

गौरतलब है कि अमेरिका भी भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुका है। बीते दिनों ही संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी की राजदूत लिंडा थॉमस ने भी अपने एक बयान में कहा था कि भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट दी जानी चाहिए। अमेरिकी राजदूत ने अफ्रीका के दो देशों को भी स्थायी सीट देने का समर्थन किया और अन्य अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता देने की वकालत की थी।

हालांकि अमेरिका ने ब्राजील को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने पर साफ कोई जवाब नहीं दिया। अमेरिका ने कैरिबियाई देश और लैटिन अमेरिकी देशों को भी सुरक्षा परिषद में जगह देने का समर्थन दिया। भारत, लंबे समय से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है और अब जैसे जैसे भारत की वैश्विक मंच पर अहमियत बढ़ रही है तो दुनिया के कई देश भी भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल करने का समर्थन दे रहे हैं।

भारतीय मूल की लेखिका झुम्पा लाहिड़ी का बड़ा फैसला

नोगुची म्यूजियम से नहीं लेंगी अवॉर्ड

वॉशिंगटन, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल की लेखिका झुम्पा लाहिड़ी ने न्यूयॉर्क के नोगुची म्यूजियम से अवॉर्ड लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने केफियेह पर प्रतिबंध लगाए जाने पर नाराजगी जताते हुए यह फैसला लिया। हालांकि, म्यूजियम का कहना है कि वह पुलित्जर पुरस्कार विजेता झुम्पा के निर्णय का सम्मान करते हैं, लेकिन नई ड्रेस कोड पॉलिसी में केफियेह पर प्रतिबंध लगाया गया है। बता दें, म्यूजियम ने केफियेह (काले या सफेद कपड़े) पहनने के आरोप में तीन कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। दरअसल, केफियेह को फलस्तीनी

एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसी वजह से म्यूजियम ने नई ड्रेस कोड पॉलिसी लागू की थी, जिसके तहत केफियेह पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। झुम्पा लाहिड़ी का जन्म लंदन में हुआ था। वे एक आप्रवासी बंगाली भारतीय परिवार की बेटी हैं। जब वे तीन वर्ष की थीं तो उनका परिवार संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने चला गया था। वे उपन्यास, निबंध और लघु कहानियां लिखने के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। लाहिड़ी की बड़ी खासियत है कि उनकी लेखन शैली बहुत सरल है। उन्हें उनकी पुस्तक 'इंटरप्रेटर ऑफ मैलेडीज' के लिए 2000 में पुलित्जर पुरस्कार मिला था। अब उन्होंने गाजा में फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए केफियेह पहनने वाले कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने के बाद क्वींस के नोगुची म्यूजियम से अवॉर्ड लेने से इनकार कर दिया।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, म्यूजियम ने बुधवार को यह जानकारी दी। नोगुची म्यूजियम का कहना है, 'पुलित्जर पुरस्कार विजेता लेखिका ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। झुम्पा लाहिड़ी ने हमारी नई ड्रेस कोड पॉलिसी के जवाब में 2024 इसामु नोगुची पुरस्कार को नहीं स्वीकार करने का फैसला किया है। हम उनके दृष्टिकोण का सम्मान करते हैं और समझते हैं कि यह पॉलिसी सभी के विचारों से मेल नहीं खा सकती।' हालांकि, नई ड्रेस पॉलिस घुमने आए लोगों पर लागू नहीं होती है।

चीन ने इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

नकली वॉरहेड के साथ दागी, प्रशांत महासागर में 44 साल बाद टेस्टिंग की

बीजिंग, 26 सितंबर (एजेंसियां)। चीन ने बुधवार को इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) की सफल टेस्टिंग की है। इस मिसाइल में एक नकली वॉरहेड लगाया गया था। बीबीसी के मुताबिक, 1980 के बाद यह पहली बार है जब चीन ने प्रशांत महासागर में आईसीबीएम मिसाइल का परीक्षण किया है।

मिसाइल को सुबह 8 बजकर 44 मिनट पर लॉन्च किया गया। चीन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मिसाइल समुद्र में उसी जगह गिरी जहां उम्मीद की गई थी। यह चीन की सालाना ट्रेनिंग का हिस्सा है। हालांकि, इस मिसाइल की खासियत और इसकी लॉन्चिंग

लोकेशन को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

चीन के स्टेट मीडिया शिनहुआ ने कहा कि मिसाइल टेस्टिंग से पहले ही आसपास के देशों को इसकी जानकारी दे दी गई थी। हालांकि, जापान ने इससे इनकार कर दिया है। इससे पहले तक चीन हमेशा अपनी आईसीबी मिसाइलों को देश के अंदर ही टेस्ट करता आया है। अब तक इन्हें शिनजियांग क्षेत्र के तक्लामाकन रेगिस्तानों में किया जाता था। टेस्ट के बाद चीन ने कहा है कि यह किसी एक देश को टारगेट मानकर नहीं किया गया था। हालांकि, जापान, फिलिपींस और ताइवान के साथ तनाव के बीच इस टेस्ट को अहम माना जा रहा है। चीन ने आखिरी बार मई 1980 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आईसीबीएम की टेस्टिंग की थी। तब इसने 9,070 किमी की दूरी तय कर प्रशांति महासागर में टारगेट को हिट किया था। इस टेस्ट में 18 चीनी नौसैनिक जहाज शामिल हुए थे। यह चीन के अब तक के सबसे बड़े नौसैनिक मिशनों में से एक माना जाता है।

चीन ने जिस मिसाइल का टेस्ट किया उसकी जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, 2019 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के 70 साल पूरे होने पर परेड के दौरान डीएफ-41 आईसीबीएम दिखाई गई थी। यह चीन की सबसे नई आईसीबीएमस में से एक है। इस मिसाइल की रेंज 12 हजार से 15 हजार किमी तक है।

शहरों की हो गई 'बल्ले-बल्ले'

सरकार ने बनाया ये प्लान; अब विकास को लगेंगे पंख

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 12 शहरों के मास्टर प्लान 'ठेके' पर तैयार होंगे। इनमें जयपुर के अलावा डीडवाना, अनूपगढ़, पीलीबंगा, तिजारा, शाहपुरा, बाडी, डीग, फलौदी, आबू रोड, अंता, प्रतापगढ़ शामिल है। साथ ही 38 नवगठित शहरों के लिए भी मसौदा तैयार किया जा रहा है। नगर नियोजन विभाग और टाउन प्लानिंग शाखा में नगर नियोजकों की फौज होने के बावजूद इस काम को आउटसोर्स किया जा रहा है। इससे मास्टर प्लान (लागू होने से पहले) की गोपनीयता खत्म होने की भी आशंका है, क्योंकि कंपनी के लिए क्या-क्या राइडर लगाए हैं, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है।

यहां नगर नियोजकों ने किया तैयार

भीनमाल, कपासन, प्रतापपुर गढ़ी, महुवा के नए मास्टर प्लान को स्वीकृति मिल गई। जबकि देवली, ईटावा, खाटूश्यामजी और रूपवास का नगरीय निकाय में ड्राफ्ट जारी कर दिया गया। इन आठों शहरों का मास्टर प्लान नगर नियोजकों ने ही बनाया है। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि जब इन शहरों का काम अफसर कर सकते हैं तो फिर दूसरे शहरों का ठेके पर क्यों?

जयपुर शहर में 10 से बढ़कर 32 करोड़ पहुंची लागत, आखिर कैसे?

इस बीच जयपुर शहर का मामला ज्यादा चर्चा में है। मास्टर प्लान तैयार करने की लागत पहले 10 करोड़ रुपए आंकी गई। फिर एरिया तीन हजार से बढ़ाकर चार हजार वर्ग किलोमीटर करना तय हुआ तो लागत 15 करोड़ रुपए (जीएसटी के अलावा) हो गई। लेकिन जब निविदा खुली तो नगर नियोजकों के होश उड़ गए। निविदा में सफल होने वाली एकमात्र कंपनी ने करीब 32 करोड़ रुपए का खर्चा बता दिया। यानि, करीब-करीब दोगुना ज्यादा राशि। अफसर अब चहेतों को उपकृत करने की तैयारी कर रहे हैं। जयपुर शहर का मास्टर प्लान वर्ष 2047 तक के लिए बनाया जाएगा।

मास्टर प्लान के तहत इन बिन्दुओं पर रहेगा फोकस

जीवंत शहर : इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर, पानी व बिजली की सुविधाओं को लेकर प्लान तैयार किया गया है। उपलब्ध खुले क्षेत्र को अधिक से अधिक खुला रखने की पॉलिसी तैयार की जा रही है।

सुगम : इसमें शहर में बेहतर परिवहन सुविधाएं विकसित करने पर फोकस किया गया है। प्रदूषण मुक्त संसाधनों पर फोकस रहेगा।

स्वच्छ: शहर में बेहतर सफाई व्यवस्था होगी। इसके लिए सख्ती का प्रावधान किए गए है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के कड़े प्रावधान किए गए है। नियमों की पालना नहीं करने वालों के खिलाफ सजा तक के प्रावधान तय किए जा रहे है।

समृद्ध: विश्व विरासत हिस्से में परंपरागत उद्योग धंधों को जीवंत किया जाएगा। लोगों को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। विशेष मार्केट विकसित किए जाएंगे। वहीं, यातायात में बाधित गतिविधियों को बाहर शिफ्ट किया जाएगा। परंपरागत उद्योग को प्रोत्साहित किया जाएगा। व्यावसायिक गोदामों के लिए अलग से पॉलिसी तैयार की जा रही है।

पूर्व मंत्री महेश जोशी के बेटे की बढ़ी मुश्किलें

रेप मामले में हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत; जल्द हो सकती है गिरफ्तारी

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी को रेप मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट में पेश की गई याचिका पर गुरूवार, 26 सितंबर को सुनवाई हुई। याचिका में रोहित जोशी ने पीड़िता की ओर से दर्ज कराई गई केस को रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने रोहित जोशी की याचिका को अस्वीकार कर दिया है। अब इस मामले में रोहित जोशी पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

25 अक्तूबर को होगी अगली सुनवाई

बताते चलें कि प्रकरण में पीड़िता की तरफ से अधिवक्ता शिवमंगल शर्मा उपस्थित रहे। पीड़िता के वकील ने कहा कि जीरो एफआईआर को रेगुलर केस में दर्ज करना गैरकानूनी नहीं है। उन्होंने कहा कि बिना शिकायतकर्ता का पक्ष सुने इन आरोपों को खारिज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह मामला गंभीर आरोपों से जुड़ा हुआ है। साथ ही यह भी बताया कि राजस्थान में महेश जोशी के सत्ता में रहते हुए महिला पर झूठा केस दायर करके उसे शिकायत वापस लेने के लिए दबाव डाला गया था। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 25 अक्टूबर तय की है।

रोहित जोशी पर दर्ज हैं ये मामले

उल्लेखनीय है कि महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी पर पीड़िता ने 9 मई 2022 को दिल्ली के सदर बाजार पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज करवाई थी।

दर्ज प्राथमिकी में युवती ने रोहित जोशी पर बलात्कार, जबरन गर्मपात और शादी का वादा पूरा नहीं करने के आरोप लगाए थे। रोहित जोशी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376 , 328, 312, 377 और 506 के तहत आरोप दर्ज हैं।

पीड़िता ने लगाए ये आरोप

बता दें, पीड़िता ने दिल्ली पुलिस को दी गई तहरीर में ये जानकारी दी थी कि वो 2020 में सोशल मीडिया के जरिये रोहित जोशी के संपर्क में आई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि 2021 में रोहित युवती को सवाई माधोपुर ले गया था और वहां ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और इसके बाद जबरदस्ती रेप किया था। इसके अलावा पीड़िता ने आरोप लगाया कि रोहित ने उसकी बिना मर्जी के वीडियो भी बनाए और तस्वीरें भी ली थी। बाद में इन्हीं वीडियो और तस्वीरों से उसे ब्लैकमेल कर रोहित कई दिनों तक जबरदस्ती रेप करता रहा। वहीं रोहित जोशी ने याचिका में पूरा मामला हनीट्रैप का बताया है।

बन रहे बांग्लादेशियों के फर्जी आधार कार्ड

बीजेपी विधायक बालमुकुंद आचार्य ने किया भंडाफोड़

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में बांग्लादेशियों के फर्जी आधार कार्ड बनाने का मामला सामने आया है। फर्जी कार्ड बनाने की सूचना पर बीजेपी विधायक बालमुकुंद आचार्य ने ब्रह्मपुरी और गलता गेट स्थित दो आधार सेंटरों पर छापे मारे। वहां पर बांग्लादेश के नागरिकों के फर्जी आधार कार्ड बनाने व तय कीमत से अधिक रकम वसूली का आरोप लगाया।

जयपुर के हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने बताया कि

50 रुपए की बजाय 200 से 250 रुपए वसूले जा रहे है और बाहरी लोगों को जयपुर के पते पर आधार कार्ड जारी किए जा रहे हैं। इसके जरिये फर्जी मतदान के लिए इन बाहरी लोगों का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जा रहा है।

जांच के बाद ही चलेगा पता

एडिशनल डीसीपी रानू शर्मा ने बताया कि आधार कार्ड जारी करने वाली नोडल एजेंसी के अधिकारियों को इस संबंध में अवगत करवाया है।

अभी इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं है। एजेंसी की जांच के बाद ही पता लग पाएगा की आधार कार्ड फर्जी हैं या नहीं। अभी जांच की जा रही है।

पहले कार में ठोकर, अब घर में चोरी

क्या पूर्व मंत्री शकुंतला हो रहीं साजिश का शिकार

अलवर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। शकुंतला रावत ने कहा कि केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार है। इसके बावजूद चोरी सहित अन्य तरह का अपराध तेजी से बढे.हैं। पुलिस को सख्ती से कार्रवाई करने की जरूरत है।

चोरों ने पिछली सरकार में कैबिनेट मंत्री रहीं शकुंतला रावत को भी नहीं बक्शा। टाला तोड़कर चोर घर में घुसे और जो मिला उसे लेकर चलते बने। घटना के समय घर में कोई नहीं था। गुरुवार सुबह परिवार आया तो ताले टूटे और सामान बिखरा मिला। पूर्व मंत्री ने पुलिस में रिपोर्ट दी है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुंतला रावत ने बताया कि कर्मचारी कॉलोनी स्थित उनके घर में मंगलवार रात चोर घुसे। घटना के समय पति और परिवार के अन्य लोग सामने वाले मकान में थे। इस कारण ताले टूटने का पता लगा। उन्होंने बताया एक दिन पहले ससुराल मोहम्मदपुर (बहरोड़) में भी घर में कुछ लोग घुसे और सामान बिखेर कर चले गए। यह सब एक साजिश लगती है।

उनका कहना है कि करीब सवा साल पहले अलवर के मकान में उनके घर सामने से कार निकलती थी, जिसकी शिकायत पुलिस को दी थी।

दो महीनों में दो बार कार ने भी दूसरे वाहनों से हल्की भिड़ंत की है। अब इन सब घटनाओं को देखकर लगता है कि कोई न कोई साजिश कर रहा है। पुलिस मामले की जांच कर दोषियों को गिरफ्तार करें।

डबल इंजन की सरकार में अपराध बढ़ा

शकुंतला रावत ने कहा कि केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार है।

इसके बावजूद चोरी सहित अन्य तरह का अपराध तेजी से बढे. हैं। पुलिस को सख्ती से कार्रवाई करने की जरूरत है। चोरों का पता लगना चाहिए। उन्होंने बताया कि उनके पति इस मकान की बजाय दूसरे मकान में थे। वह खुद यहां नहीं थी। पहले दो बार हमारी गाड़ी को ठोकर मारी गई। इन सब घटनाओं को देखकर लगता है कुछ न कुछ साजिश हो सकती है।

संजीवनी प्रकरण में कोर्ट के फैसले पर शेखावत ने कसा तंज

कहा- खीझ के चलते झूठे मामले में फंसाया

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। संजीवनी प्रकरण में अदालत के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज सत्य की जीत हुई है। किसी भी सत्य को झूठ के आडंबर से बहुत दिन तक नहीं ढंका जा सकता है।

जयपुर में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम लिए बगैर उन पर तंज कसते हुए शेखावत ने कहा कि अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं, अपने बेटे की पराजय और प्रदेश की जनता द्वारा भाजपा को विजय दिलाने की खीझ से उपजी मानसिकता के तहत जिस तरह झूठे केस में मुझे घसीटने को कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान उच्च न्यायालय ने मुझे फंसाने के लिए लगाए गए केस को बंद कर दिया है और आगे भी कोर्ट के आदेश के बिना जांच नहीं करने का आदेश दिया है।

कोर्ट का आदेश इस बात को साबित करता है कि यह मुझे फंसाने का कुत्सित प्रयास था।

शहर को साफ कराने सड़क पर उतरीं आईएएस टीना डाबी का दबंग अंदाज

कहा-डस्टबिन नहीं तो दुकान बंद, इन्हें फटकारा

बाड़मेर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर चर्चा में रहने वाली बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी आज वहां शहर को साफ करने के लिए सड़कों पर उतर गईं। नवो बाड़मेर अभियान के तहत डाबी ने बाड़मेर शहर के मुख्य चौराहे अहिंसा सर्कल से राजकीय अस्पताल तक की सड़क पर सफाई अभियान चलाया। इस दौरान अभियान देखने के लिए सड़कों पर लोक रुकने लगे तो डाबी ने कहा कि या तो यहां से चले जाइए या फिर सफाई में हाथ बंटाएं। रुकोगे तो यहां सफाई करवाऊंगी।

बाड़मेर में की नई जिला कलेक्टर आईएएस टीना डाबी ने नवो बाड़मेर अभियान के तहत शहर में सफाई की मुहिम छेड़ दी है। वे माइक लेकर शहर की सड़कों पर लोगों से सफाई को लेकर अपील करती नजर आईं। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चल रहा है। इस दौरान सड़क के किनारे संचालित हो रही दुकानों और ठेला संचालकों को अपनी-अपनी दुकानों के आगे सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाने के लिए पाबंद किया, साथ ही दूसरी बार साफ सफाई नहीं पाए जाने की स्थिति में दुकानदारों पर जुर्माना और अस्थाई ठेलों को जब्त करने की चेतावनी भी दी। इस दौरान अभियान देखने के लिए सड़कों पर लोक रुकने लगे तो डाबी ने कहा कि या तो यहां से चले जाएं या फिर सफाई में हाथ बंटाएं, रुकोगे तो यहां सफाई करवाउंगी।

90 दिन तक चलेगा अभियान

डाबी का कहना है कि किसी भी काम की आदत बनने में कम से कम 90 दिन का समय लगता है शहरवासी जब तक सफाई को अपनी आदत नहीं बना लेते तब तक अभियान जारी रहेगा। ऐसे जब साफ-सफाई आदत बन जाएगी, तब शहर की तस्वीर अपने आप ही बदल जाएगी। डाबी लोगों से अपील करती रहीं कि सफाई करने में कोई शर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि बाड़मेरवासी अपनी जिम्मेदारी समझें कि ये शहर हमारा घर है और घर को साफ-सुथरा और स्वच्छ बनाने में शर्म किस बात की?

अपने ही नेताओं पर भड़के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़

किरोड़ी के इस्तीफे पर भी दिया बड़ा बयान

दौसा, 26 सितंबर (एजेंसियां)। उपचुनाव से पूर्व दौसा विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ दौसा प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने पांच मंडलों के बूथों पर जाकर सदस्यता अभियान सहित संगठन के कामकाज को गति प्रदान की। हालांकि, दौसा जिले में प्रवेश करते ही वो अपने ही नेताओं पर भड़क गए। वहीं, डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे के सवाल पर कहा कि वे निष्ठा के साथ काम कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित पार्टी है, जहां कार्यकर्ता को सर्वोपरि माना जाता है। प्रत्येक पन्ना प्रमुख व बूथ कार्यकारिणी सदस्य अपने बूथ में दो गैर-भाजपा परिवारों की पहचान करेगा और उन पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ही पदाधिकारी और फिर जनप्रतिनिधि बनेगा। भाजपा विकसित भारत का सपना साकार करने में लगी है। पत्रकारों से बातचीत में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे को लेकर पूछे सवाल पर राठौड़ ने कहा कि वे निष्ठा के साथ काम कर रहे हैं। भाजपा हमारा परिवार है और सब मिलकर पार्टी का काम कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पासपोर्ट रद्द करने की मांग पर टिप्पणी करने से मना करते हुए राठौड़ ने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और कानून अपना काम करेगा। जिले में प्रवेश करते ही कई जगह स्वागत करने के लिए नेताओं का जमावड़ा देखकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस को महासदस्यता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

फिर सक्रिय हुआ मानसून

कोटा-झालावाड़ में हुई तेज बारिश,आईएमडी ने 30 सितंबर तक का किया अलर्ट जारी

कोटा, 26 सितंबर (एजेंसियां)। हाड़ौती अंचल में एक पखवाड़े बाद मानसून फिर सक्रिय हो गया है। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण कोटा व झालावाड़ जिले में तेज बारिश हुई। बारिश के चलते सड़कों पर पानी बह निकला। इससे गर्मी व उमस से परेशान लोगों को राहत मिली।

कोटा शहर में स्टेशन क्षेत्र में शाम को तेज बारिश हुई। इससे गर्मी से राहत मिली, जबकि नए कोटा क्षेत्र में दिन में बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई। उमस का माहौल बना रहा। लोग पसीने से तरबतर रहे। दिन के साथ रात का तापमान भी बढ़ गया है। कोटा का अधिकतम तापमान 36.3 व न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा।

झालावाड़ जिले के रटलाई, बकानी व मनोहरथाना कस्बे में आधा घंटे तक तेज बारिश होने से सड़कों पर पानी बह निकला। इन दिनों फसल कटाई का दौर चल रहा है। ऐसे खेतों में किसानों की फसल कटी होने से फसल के खराब होने की आशंका है। झालावाड़ शहर में दिनभर उमसभरी गर्मी ने लोगों को खासा परेशान किया है। वहीं, बारां व बूंदी जिले में भी उमस का असर रहा।

जारी रहेगा बारिश का दौर

मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने से राजस्थान के कोटा व उदयपुर संभाग में बारिश का अलर्ट जारी किया था। हल्की से मध्यम बारिश की यह गतिविधियां 30 सितम्बर तक जारी रहेंगी।

युवती के अपहरण के विरोध में ग्रामीणों ने बाजार बंद कर किया थाने का घेराव

युवक पर लव जिहाद का आरोप

नागौर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। नागौर रियांबड़ी उपखंड के ग्राम थांवला में एक युवती के अपहरण का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक ने जबरदस्ती शादी करने के इरादे से युवती को बाजार से अगवा कर लिया। घटना के विरोध में सैकड़ों ग्रामीणों ने थाने का घेराव करते हुए पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और उचित कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि हिंदू समाज की एक युवती का गैर-हिंदू युवक ने अपहरण किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि युवक जबरदस्ती शादी करना चाहता है, जबकि लड़की उसके समुदाय की भी नहीं है। ग्रामीणों का ये भी आरोप है कि पुलिस को इस मामल की शिकायत देने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। मामले को लव जिहाद से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में असुरक्षा का माहौल पैदा कर रही हैं। ज्ञापन के साथ-साथ ग्रामीणों ने यह निर्णय लिया कि जब तक युवती को बरामद नहीं किया जाता और आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक वे बाजार बंद रखेंगे। देर रात हिंदू संगठनों के ज्ञापन में कहा कि सुबह तक यदि लड़की से कुशल पुलिस हमें सुपुर्द नहीं करवाती तो विरोध में थोड़ा बाजार कस्बा पूरा बंद किया जाएगा। वहीं विरोध में थांवला और भेरुंदा के बाजार पूरी तरीके से बंद हैं।

बारहवीं के छात्र ने फर्जी आईडी बनाकर की साइबर ठगी

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर दिया कमाई का लोभ

दौसा, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लालसोट क्षेत्र के गुदड़िया गांव निवासी कक्षा 12 के एक छात्र द्वारा इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर की साइबर ठगी करने का प्रकरण लालसोट थाने में दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार उक्त नाबालिग छात्र ने कई जनों को वर्क फ्रॉम होम का लोभ देकर उनसे रकम ऐंठी है। शुरुआती जांच में उक्त छात्र द्वारा करीब एक दर्जन जनों को अपना शिकार बनाने की जानकारी मिली है, विस्तृत जांच में और भी खुलासा होने का अनुमान है। थानाधिकारी महावीरसिंह शेखावत ने बताया कि साइबर सैल से सूचना मिली थी कि भारत सरकार द्वारा संचालित प्रतिबिब पोर्टल पर थाना इलाके में एक मोबाइल नंबर

सक्रिय है। जिसके माध्यम से आमजन से साइबर ठगी की जा रही है।

साइबर सैल द्वारा मिले इनपुट के बाद पुलिस टीम प्रबंध प्रतिबिब पोर्टल से मिले मोबाइल नंबर की लोकेशन के आधार पर क्षेत्र के ग्राम गुदड़िया के पास तलावगांव के बीच एक तिबारे पर पहुंची। जहां मौजूद लड़का पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। जिसमें उसने मोबाइल फोन का स्वयं के द्वारा उपयोग करना बताया और कहा कि वह इंस्टाग्राम पर एक आईडी के माध्यम से हैंडराइटिंग वर्क फ्रॉम होम की पोस्ट करता है, जिसमें कार्य करने के रुपए देने का वादा करता है। इसके बदले रजिस्ट्रेशन फीस, जीएसटी एवं डिलीवरी चार्ज आदि के नाम पर स्वयं व अन्य जनों के बैंक खाते में रुपए प्राप्त कर करता है। थानाधिकारी ने बताया कि नाबालिग को नियमानुसार निरुद्ध कर उसके कब्जे से दोनों मोबाइल फोन को जब्त किए हैं। किशोर बोर्ड के अध्यक्ष समक्ष पेश करने पर उसे बाल सुधार गृह में भेज दिया गया।

डीजे साउंड को लेकर बढ़ीं शिकायतें, प्रतिबंध जल्द!

हैदराबाद पुलिस ने गोलमेज बैठक में निकाला समाधान

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोई भी त्योहार हो, उत्सव हो, रैलियां हों, डीजे एक ऐसी चीज है जो तुरंत दिमाग में आती है.. डीजे अब एक चलन बन गया है। डीजे न हो तो पूरा कार्यक्रम ही बोर हो जाता है.. एक तरफ जहां लगभग सभी रैलियों में डीजे के नाम पर बड़े-बड़े साउंड के साथ डांस देखने को मिलता है वहीं इस डीजे साउंड को लेकर कई शिकायतें हैं। शहर के लोग पुलिस से शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें तेज आवाज से परेशानी हो रही है। इसके साथ ही हैदराबाद पुलिस ने डीजे पर नियंत्रण को लेकर एक गोलमेज बैठक का आयोजन किया।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद की अध्यक्षता में विधायकों, धार्मिक समुदायों के प्रतिनिधियों और जीएचएमसी के पुलिस अधिकारियों ने धार्मिक रैलियों में डीजे और तपस के उपयोग पर एक गोलमेज बैठक में भाग लिया। हैदराबाद, साइबराबाद और राचाकोंडा कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारियों के साथ, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, गोशामहल भाजपा विधायक राजा सिंह, एमआईएम विधायक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

हैदराबाद पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद ने कहा कि डीजे साउंड को लेकर काफी शिकायतें मिल रही हैं। ऐसा कहा जाता है कि घरों में बुजुर्ग लोगों को इन आवाजों से परेशानी होती है। कुछ को दिल का दौरा पड़ने की चिंता है और डीजे की आवाज बहुत तेज है। उन्होंने कहा कि डीजे नृत्य न केवल विनायक चविती त्योहारों के दौरान बल्कि मिलाद उन नबी समारोहों के दौरान भी बड़े पैमाने पर होते हैं। उन्होंने कहा कि डीजे का इस्तेमाल ज्यादातर त्योहारों, समारोहों या किसी रैली में किया जाता है। कमिश्नर ने कहा कि वे पब में डांस की तरह ही रैलियों में ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न समुदायों की ओर से डीजे की आवाज बंद करने का अनुरोध किया गया है। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और विभिन्न धार्मिक समुदायों के प्रतिनिधियों को बुलाकर उनकी राय ली गई। उन्होंने कहा कि सभी की राय एक रिपोर्ट के रूप में सरकार को सौंपी जाएगी, जिसके बाद सरकार डीजे पर फैसला लेगी। उन्होंने कहा कि डीजे साउंड पर नियंत्रण नहीं होगा तो स्वास्थ्य पर असर पड़ेगा।

क्या डीजे पर लगेगी रोक?

ऐसा लगता है कि सरकार डीजे पर कई तरह की पाबंदियां लगा सकती है, क्योंकि ऐसी कई शिकायतें आ रही हैं कि अत्यधिक आवाज के कारण डीजे को दिक्कत हो रही है। ऐसा लगता है कि किस अवसर पर डीजे का उपयोग किया जाना चाहिए और किस अवसर पर डीजे का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, इसके लिए दिशानिर्देश बनाने की संभावना है, साथ ही डीजे के लिए समय निर्धारित करने और ध्वनि प्रतिशत पर प्रतिबंध लगाने की भी संभावना है। साथ ही किन जगहों पर डीजे की इजाजत दी जानी चाहिए। चर्चा है कि सरकार किसी भी जगह इसकी इजाजत न देने को लेकर कुछ गाइडलाइंस बनाएगी। अब देखना यह है कि पुलिस अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद सरकार क्या प्रतिक्रिया देती है?

फिक्की ने एचआर इवोल्यूशन समिट-2024 का आयोजन किया

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने गुरुवार को माधापुर के होटल अवासा में "विकसित होते कार्यस्थलों, कार्यबल, कार्य उत्पादन और कार्य नैतिकता के अनुकूल होना" विषय पर पूरे दिन का एचआर इवोल्यूशन समिट-2024 आयोजित किया। तेलंगाना के यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी के उपाध्यक्ष श्रीनि राजू चितलापति; आईलैब्स कैपिटल के संस्थापक और अध्यक्ष ने एचआर में आए बदलावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रोजगार में आपूर्ति और मांग के अंतर पर प्रकाश डाला। उन्होंने वेतन संरचना में असमानता के बारे में बात की। उन्होंने एचआर के लिए विनिर्माण क्षेत्र की तरह आपूर्ति श्रृंखला तंत्र का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कार्य, कार्यबल और कार्यस्थल तेजी से बदल रहे हैं और भारत में पांच बड़े विरोधाभासी रुझान बताए। अधिक महिलाएं शिक्षित हो रही हैं, लेकिन कम महिलाएं काम करना चाहती हैं। पुरुष युवा काम करने की अपेक्षा घर पर बैठना पसंद करते हैं। संगठित क्षेत्र में वास्तविक मजदूरी अधिक आपूर्ति के कारण स्थिर है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण बिना किसी दबाव के हुआ है और आय असमानता तेजी से बढ़ रही है। फिक्की तेलंगाना राज्य परिषद के पूर्व अध्यक्ष टी. मुरलीधरन ने कहा कि लचीला कार्यबल, अंशकालिक, संविदात्मक, गिग और आउटसोर्स कर्मचारी भविष्य में आदर्श बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विविध कार्यबल को प्रभावी ढंग से नियुक्त करने, संलग्न करने और मुआवजा देने के लिए मानव संसाधन कार्य में विशेषज्ञता की आवश्यकता है। नीति आयोग की रिपोर्ट ने भविष्यवाणी की है कि भारत में जीआईजी कार्यबल 2029-30 तक 7.7 मिलियन से बढ़कर 23.6 मिलियन या गैर-कृषि कार्यबल का 6.7 प्रतिशत हो जाएगा। उन्होंने हॉल में मौजूद 150 से अधिक मानव संसाधन पेशेवरों से पूछा कि क्या मानव संसाधन उस परिदृश्य के लिए तैयार है। ऑप्टिमस समूह के संस्थापक और निदेशक डॉ.डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मानव संसाधन जो पहले वैधानिक अनुपालन करता था, अब विकसित हो गया है और व्यवसाय विकास में एक रणनीतिक भागीदार बन गया है। श्रीनिधि स्कूल के प्रमुख मैल्कम निकोलसन ने भी अपने विचार रखे। फिक्की तेलंगाना राज्य परिषद के सह-अध्यक्ष एमवीवी राम राजू ने कहा कि शिखर सम्मेलन का विषय 'विकसित कार्यस्थलों, कार्य उत्पादन और कार्य नैतिकता के अनुकूल होना' विषय में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और सार्थक संवाद को बढ़ावा देता है। दिन भर चले इस शिखर सम्मेलन में 150 से अधिक मानव संसाधन पेशेवरों ने भाग लिया, जिसमें दो पैनल चर्चाएं और मानव संसाधन के भविष्य की सुरक्षा पर एक कार्यशाला; मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण और श्रम संहिता कार्यान्वयन पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

ईसीआईएल में राजभाषा प्रश्नमंच आयोजित

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में राजभाषा प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा नराकास उपक्रम के अध्यक्ष अनुराग कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एनएमडीसी ने अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। अध्यक्ष ने देवाशीष घोष का पुष्पगुच्छ, शॉल तथा ईसीआईएल के सम्मान संप्रतीक से सम्मानित किया। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर नराकास के स्तर पर प्रश्नमंच का आयोजन करना अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से उनके कार्यालय में राजभाषा का प्रयोग करने का निदेश दिया। रमेश प्रसाद मिश्र, प्रभारी राजभाषा, पॉवरग्रिड कॉरपोरेशन तथा नराकास (उपक्रम) की कोर समिति के वरिष्ठ सदस्य ने भी प्रतियोगिता की सार्थकता पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष ने भी पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन के राष्ट्र के विकास में महत्व पर कहा कि राष्ट्रीय महत्व के तकनीकी संस्थानों के योगदान से नराकास के प्रत्येक सदस्य कार्यालय को परिचित होना चाहिए। सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी दी।

प्रतियोगिता का आयोजन बीस राउंड में हुआ। सभी प्रतिभागियों ने अपने अनुभव, कौशल, स्मरण शक्ति का पूरा परिचय दिया। प्रतियोगिता में धनंजय कुमार, एमएसटीसी लिमिटेड ने प्रथम, रमेश प्रसाद मिश्र, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने द्वितीय तथा सुश्री मधु यादव, भारतीय खाद्य निगम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का तकनीकी समन्वय अजहर सुल्तान, अंक गणना डॉ. सीएच. अंबेडकर तथा सामान्य प्रबंधन श्रीमती वी. कनका महालक्ष्मी ने किया। पृथ्वी तेजा एमएसटीसी लिमिटेड प्रतियोगिता के संचालन के लिए आब्जर्वरतथा श्रीमती भीमीरेड्डी अंजुषा रेड्डी, वैज्ञानिक अधिकारी-ई, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र विशेष आब्जर्वर के रूप में आमंत्रित थीं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों के लिए ईसीआईएल के विश्व प्रसिद्ध ईवीएम-वीवीपैट इंजीनियरिंग डिवीजन का इंडस्ट्री विजिट कराया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के आर.स्वामी तथा बी. विद्यासागर ने सफल योगदान दिया।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 135वां निःशुल्क मेडिकल शिविर 29 को

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा सर्वोदय विचार प्रचार ट्रस्ट के सहयोग से 135वां निःशुल्क मेडिकल कैम्प 29 सितंबर को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कोठी स्थित गांधी ज्ञान मंदिर में आयोजित किया जायेगा।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर एलसीएस डूंडू आई इंस्टीट्यूट वेस्ट मारेडपल्ली, किम्स सनशाइन अस्पताल, श्री भगवान महावीर विकलांग समिति हैदराबाद, के सहयोग से आयोजित किया जायेगा। अवसर पर जनरल फिजिशियन ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की जाएगी तथा शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच के पश्चात जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मे और योग्य के लिए निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की जाएगी।

राज्य के पुनर्निर्माण में इंजीनियरों की अहम भूमिका : कोमाटि रेड्डी वेंकट रेड्डी

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि नवनियुक्त इंजीनियरों को मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को एक उदाहरण के रूप में लेना चाहिए और अपना कैरियर बनाना चाहिए। मंत्री गुरुवार को हाईटेक्स परिसर में एनवाईएसी (नेशनल एकेडमी ऑफ कंस्ट्रक्शन) में टीजीपीएससी द्वारा चयनित 156 आर एंड बी विभाग के इंजीनियरों को विभागीय जागरूकता प्रदान करने के लिए आयोजित 5 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे और नए इंजीनियरों का मार्गदर्शन किया।

उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य को पिछले दस वर्षों में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। यहां तक कि आर एंड बी विभाग में भी नियुक्तियां नहीं की गई हैं और कार्यों की निगरानी के लिए कोई इंजीनियर या शर्तें नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आर एंड बी विभाग ने ऐसी गंभीर स्थिति देखी है जहां दस मंडलों के लिए एक भी इंजीनियर उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा, यही कारण है कि टीजीपीएससी द्वारा नियुक्त 1540 सहायक कार्यकारी इंजीनियरों में से आर एंड बी विभाग को सौंपे गए। 156 एईई उन्हें क्षेत्र में भेजने के लिए ओरिएंटेशन कक्षाएं आयोजित कर रहे हैं। दस साल तक बर्बाद रहे तेलंगाना के पुनर्निर्माण में इंजीनियरों की भूमिका बेहद अहम है। चंद शासकों और चंद इंजीनियरों का स्वार्थ सभी इंजीनियरों पर एक अमिट दाग बन गया है। मैं चाहता हूं कि आप सभी को मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया और नवाब अली नवाज जंग बहादुर जैसे इंजीनियरों को अपना आदर्श मानना चाहिए, लेकिन उन इंजीनियरों को नहीं जिन्होंने कालेश्वरम का निर्माण किया। हमने राज्य में कुछ परियोजनाओं के निर्माण के तुरंत बाद ढहने और इंजीनियरों को हतोत्साहित करने की घटनाएं देखी है।

कृपया ऐसे इंजीनियरों को सपने में भी न आने दें। विश्वेश्वरैया जैसे इंजीनियरों द्वारा बनाई गई योजनाएं विपरीत परिस्थितियों में भी हमारी रक्षा करती हैं। उन्होंने कहा कि एक दिन विश्वेश्वरैया काम के सिलसिले में ट्रेन से एक इलाके से दूसरे इलाके में जा रहे थे। ट्रेन के कुछ दूर चलने के बाद विश्वेश्वरैया ने चेन खींचकर ट्रेन रोक दी संदेह हुआ कि कुछ ही दूरी पर रेल की पटरी टूटी हुई है। बता दें कि ट्रेन चलने के दौरान आवाज बदल जाती थी। ट्रेन चालक दल कुछ दूरी तक पटरियों की जांच करता है और महसूस करता है कि पटरियां वास्तव में टूटी हुई हैं। वे विश्वेश्वरैया की सराहना करते हैं। मेरा सुझाव है कि आप सभी को विश्वेश्वरैया की तरह अपने कर्तव्यों का पालन पूरी सावधानी और निष्ठा से करना चाहिए। कांग्रेस जन सरकार आपके नये इंजीनियरों से बहुत आशान्वित है। यदि आप सभी सौंपे गए कार्य को प्रतिबद्धता से करेंगे तो हमारा राज्य प्रगति करेगा। राज्य के लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा। वर्तमान में प्रदेश की प्रगति में सुपर गेम चेंजर आरआरआर के साथ-साथ आर एंड बी विभाग के अंतर्गत जिलों में टिम्स हॉस्पिटल भवन एवं प्रशासनिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। इस समय जब आप सभी नव चयनित हैं और नौकरियों में प्रवेश कर रहे हैं, एक इंजीनियर के रूप में मेरी सलाह है कि आप जो बना रहे हैं वह सिर्फ एक सड़क, एक पुल या एक इमारत नहीं है।

यह एक संरचना है जो मिलती है लाखों लोगों की जरूरतें है। मेरा मानना है कि तभी आप गुणवत्तापूर्ण निर्माण करेंगे। आप जो कुछ भी कर रहे हैं वह हमारा है, आपका नहीं। भर्तियां तेज कीं और पोस्टिंग दीं। पिछली सरकार ने 7 लाख करोड़ का कर्ज लिया और राज्य को संकट में छोड़ दिया। यदि पिछली सरकार ने राज्य को 10 मंडलों के लिए एक भी इंजीनियर नहीं होने की स्थिति में ला दिया था तो हम भर्तियां पूरी कर रहे हैं और आर एंड बी को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं लोगों के लिए 24 घंटे उपलब्ध हूं। यदि आपकी भी कोई समस्या हो तो मुझे बताएं मैं तुरंत उसका समाधान करूंगा। आइए हम सब एक परिवार के रूप में काम करें और राज्य के विकास की राह पर चलें।

भगवान शिव ने नहीं किया कभी भांग का नशा : डॉ. सर्वेश्वर

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा हैदराबाद के मुन्नूरु कापु भवन (म्याडम अंजय्या हॉल) काचीगुड़ा में 22-28 सितंबर तक आयोजित की जा रही भगवान शिव कथा के पंचम दिवस कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर जी ने महापार्थिवेश्वर हिमालयराज की शक्तिस्वरूपा पुत्री पार्वती जी का भगवान शिव के संग विवाह प्रसंग प्रस्तुत किया। जो विवाह प्रसंग गूढ़ अध्यात्मिक संदेश समेटे हुए है। माता पार्वती जीवात्मा का प्रतीक हैं और भगवान शिव साक्षात परब्रह्म परमेश्वर का। हम समस्त जीवों का उस परमात्मा के साथ मिलन किस प्रकार से संभव है? जैसे नारद जी मां पार्वती के गुरु बन कर के आए। ठीक ऐसे ही हमें भी अपने जीवन में नारद जी जैसे एक ब्रह्मनिष्ठ तत्त्ववेत्ता सद्गुरु का सान्निध्य चाहिए जिनके कृपाहस्त तले हम उस ईश्वर का अर्थात शिव का साक्षात्कार कर पाएं।

इसी के साथ कथा व्यास जी ने समाज में प्रचलित एक धारणा का भी खंडन करते हुए कहा कि लोग अक्सर सोचते हैं कि भगवान शिव के विवाह में नंदी-भृंगी इत्यादि समस्त शिवगण अत्यंत प्रसन्न होकर भांग की मस्ती में झूम उठे थे और उसी का अनुसरण करते हुए आज लोग भी महाशिवरात्रि पे नशों का सेवन करते हैं। यह हमारे समाज की विडंबना है कि भगवान शिव के नाम पर हम ईश्वर के उस अमृत रस को छोड़कर सांसारिक नशों का पान करते हैं। हमारे शास्त्र ग्रंथ कहते हैं कि जिसमें क्षण मात्र की भी शांति नहीं है वह नशा है। नशा करना ही है तो वो नशा करें जो हमारे देश-भक्तों ने किया जिन्होंने भरी जवानी में देश की आज़ादी के लिए फांसी के फंदों को चूम लिया। आज उन्हीं के बलिदानों के कारण हम आजाद फिजा में सांस ले पा रहे हैं। अत: आज आवश्यकता है आत्मिक रूप से जागरूक होकर सच्चे शिवत्व को अपने भीतर प्राप्त करने की तभी हम देश, राष्ट्र व समाज के निर्माण में अपना सच्चा योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर वाद्य वृन्दों के द्वारा रंग दे बसंती चोला गीत गाकर श्रोताओं को देश भक्ति के रंग में निहाल किया गया। कथा के मुख्य यजमान स्व. सीता देवी व बगदाराम कुमावत एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी व ओंकार राम चौधरी हैं। पंचम दिवस की कथा के दैनिक यजमान श्रीमति तनुजा एवं शिवानन्द स्वामी तथा श्रीमति नागेश्वरी एवं रामेश्वर राव एवं उत्सव यजमान रमेश मोदानी, अशोक कुलकर्णी, नवनीत मोदानी, सनत दास रहे। कथा स्थल पर श्रीनिवास सोनी, सुशील तोतला, आनंद संगी, किशन महेश्वरी, गोविंद गोपाल राठी एवं पंकज वर्मा की विशेष उपस्थिति रही।

घरों का विवरण जुटा रहे राजस्व विभाग के अधिकारी

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को पुराने शहर के बहादुरपुरा निर्वाचन क्षेत्र में मूसी नदी के किनारे स्थित घरों का विवरण एकत्र करने और उन्हें चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू की। पांच इकाइयों में विभाजित और पुलिस कर्मियों की सहायता से, उन्होंने किशन बाग, असद बाबा नगर और नंदीमुसलाई गुडा क्षेत्रों में इन आवासीय इकाइयों का सर्वेक्षण और चिह्नांकन किया है। बताया जाता है कि लगभग 386 घर मुसी नदी के तल में आ रहे हैं। बहादुरपुरा मंडल के राजस्व अधिकारी और कर्मचारी नदी के किनारे स्थित आवासीय इकाइयों में रहने वाले परिवारों का विवरण एकत्र कर रहे हैं। बहादुरपुरा के तहसीलदार चंद्रशेखर गौड़ के नेतृत्व में पांच टीमें सर्वेक्षण कर रही हैं, जबकि चार अन्य तहसीलदार भी इस अभ्यास में भाग ले रहे हैं।

देश में पर्यटन और यात्रा को बढ़ावा देने में एससीआर का अग्रणी योगदान

महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों के लिए चला रहा हैं ट्रेनें

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश में पर्यटन और यात्रा को बढ़ावा देने में एससीआर का अग्रणी योगदान भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और बेहतरीन पर्यटन अवसरों के लिए जाना जाता है। दक्षिण मध्य रेलवे देश भर में यात्रा करने की इच्छा रखने वाले उत्साही पर्यटकों को सर्वोत्तम संभव सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी रहा है। एससीआर भारत के सभी प्रमुख शहरों के साथ-साथ पूरे देश में सभी महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों के लिए ट्रेनें चला रहा है। एससीआर ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों को भारत के दक्षिणी, उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में महत्वपूर्ण आध्यात्मिक स्थलों से जोड़ने वाली 25 भारत गौरव सेवाएं संचालित की हैं। भारत गौरव पर्यटक सर्किट ट्रेनें तीन प्रमुख सर्किटों में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए चल रही हैं। दिव्य दक्षिण यात्रा ज्योतिर्लिंग के साथ टूर में तिरुवन्नामलाई (अरुणाचलम), रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, त्रिवेंद्रम, त्रिची और तंजावुर शामिल हैं। अयोध्या- काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा टूर में नवनिर्मित राम जन्मभूमि (अयोध्या), काशी विश्वनाथ मंदिर और गया के दर्शन शामिल हैं, सप्त ज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा टूर में उज्जैन (महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर), द्वारका, सोमनाथ, पुणे (भीमा शंकर), नासिक (त्रयंबकेश्वर) और औरंगाबाद (घृष्णेश्वर मंदिर) शामिल हैं। दक्षिण मध्य रेलवे पर 'भारत गौरव' ट्रेनें बहुत सफल रही हैं, जो सभी यात्राओं के लिए लगातार अच्छे संरक्षण में दिखाई देती हैं। दक्षिण मध्य रेलवे भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बिना एमबीबीएस के प्रैक्टिस कर रहा झोलाछाप डॉक्टर गिरफ्तार

10,000 रुपये कीमत की 20 प्रकार की दवाइयां जब्त

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) के औषधि निरीक्षकों ने वसंतपुर रविकुमार नामक एक झोलाछाप डॉक्टर के परिसर पर छापा मारा, जो नागरकर्नूल जिले के बिजिनापल्ले मंडल के वेलगोंडा गांव में एक क्लिनिक में एमबीबीएस योग्यता के बिना एलोपैथी का अभ्यास कर रहा था। इस दौरान डीसीए टीम ने लगभग 20 प्रकार की दवाइयां जब्त कीं, जिनमें उच्च पीढ़ी की एंटीबायोटिक्स, अल्सर रोधी दवाएं, दर्द निवारक दवाएं आदि शामिल थीं, जिनकी कीमत 10,000 रुपये थी, जिन्हें क्लिनिक में बिक्री के लिए बिना किसी औषधि लाइसेंस के अवैध रूप से रखा गया था। छापेमारी एस. विश्वनाथ रेड्डी, ड्रग्स इंस्पेक्टर, नागरकुरनूल और एस. विनय, ड्रग्स इंस्पेक्टर, नारायणपेट ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर की।

एक अन्य छापेमारी में, डीसीए की टीमों ने खाद्य उत्पादों या न्यूट्रास्युटिकल्स की आड़ में गलत तरीके से निर्मित और बेची जाने वाली दवाओं का पता लगाया है। डीसीए की टीमों ने फेरिन-एक्सटी टैबलेट का पता लगाया जो हैदराबाद के बाजार में घूम रहे थे।

स्वच्छता पहल में एनटीपीसी की सक्रिय भूमिका : डॉ. वाणी

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निदेशक चिकित्सा शिक्षा तेलंगाना सरकार डॉ. वाणी ने कहा कि राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान को संचालित करने में एनटीपीसी की सक्रिय भूमिका रही है। एनटीपीसी एसआरएचक्यू ने सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक सफाई अभियान का आयोजन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, महानगर सिकंदराबाद में इस कार्यक्रम का प्रारंभ हस्ताक्षर अभियान के साथ हुआ, जहां कर्मचारियों ने स्वच्छता बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई। इस अभियान में एनटीपीसी कर्मचारियों, जीएचएमसी अधिकारियों, पुलिस कर्मियों और गांधी अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की ने भागीदारी निभाई।

इसके तहत एक स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया, जो एनटीपीसी सिकंदराबाद कार्यालय से शुरू होकर गांधी अस्पताल में संपन्न हुई। रैली के दौरान, प्रतिभागियों ने स्वच्छता ही सेवा अभियान को बढ़ावा देने के लिए नारे लगाए। कर्मचारियों ने गांधी अस्पताल परिसर में सफाई अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। एनटीपीसी ने सफाई बनाए रखने के लिए स्थायी उपकरण प्रदान करने की पहल के साथ गांधी अस्पताल को कूड़ेदानों या डस्टबिन्स का एक सेट सौंपा। इस कार्यक्रम का नेतृत्व महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एसएन पाणिग्रही, महाप्रबंधक (वाणिज्य) रोहित छाबड़ा और महाप्रबंधक (ओएस) सुरेश वेंकटेश ने किया। गांधी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. राजकुमारी और गांधी अस्पताल की सिविल सर्जन और आरएमओ डॉ. शेषाद्रि ने भी स्वच्छता को बढ़ावा देने में एनटीपीसी के प्रयासों की सराहना की।

नौकरशाही की बाधाओं के बीच आदिवासी गांवों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव : सीतक्का

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण में वन विभाग की अनुमति एक बाधा बन रही है और सरकार को न्यूनतम सुविधाएं स्थापित करने में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सीतक्का ने गुरुवार को नई दिल्ली में पेसा अधिनियम पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। बाद में, राष्ट्रीय राजधानी में तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए, मंत्री ने हाल ही में हुई एक घटना को याद करते हुए कहा कि स्कूल भवन के लिए अनुमति न मिलने के कारण, राज्य सरकार को आदिवासी क्षेत्र में कंटेनर स्कूल स्थापित करना पड़ा। सीतक्का ने कहा, खनन और बड़े पैमाने की परियोजनाओं के लिए अनुमति तो तुरंत दे दी जाती है, लेकिन आदिवासी आबादी के लिए बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की कोई तत्परता नहीं दिखाई जाती।

इंकॉइस में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र में 14 से 29 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया है जिसके अंतर्गत गुरुवार को डॉ.टी. श्रीनिवास कुमार, निदेशक, इंकॉइस एवं अध्यक्ष राकास की अध्यक्षता में पखवाड़े का मुख्य समारोह किया गया। कार्यक्रम में प्रो. श्यामराव राठौड़, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईफ्लू), हैदराबाद मुख्य अथिति के रूप में उपस्थित थे। दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के बाद डॉ.टी. श्रीनिवास कुमार ने अथिति का स्वागत किया। अध्यक्ष ने राजभाषा की प्रगति पर प्रकाश डाला।

डॉ.आर. वेकट शेषु, वैज्ञानिक एवं राकास के उपाध्यक्ष ने पिछले एक वर्ष के समीक्षावधि के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन पर रिपोर्ट पेश की जिसके अंतर्गत उन्होंने धारा (3)3, हिंदी के पत्राचार का प्रतिशत, टिप्पणी आदि से संबंधित जानकारी प्रदान की। सुश्री लक्ष्मी कुमारी, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने मुख्य अथिति का संक्षिप्त परिचय दिया। मुख्य अथिति प्रो. श्यामराव राठौड़ ने हिंदी भाषा के प्रगति पर प्रकाश डालते हुए आधुनिक परिवेश में हिन्दी के महत्तव के बारे अपना व्याख्यान दिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा सुश्री राखी कुमारी, वैज्ञानिक सहायक द्वारा किया गया। बाल कविता पाठ प्रतियोगिता में साक्षी धागे, रिशिमा मिश्रा,आयांश प्रजापति, ई.जैश्विका, एन आईजैक शौर्य, ईथान्द हरि, आरव कुमार सिंह, आर्णा कुमारी लारण्या शर्मा, युवन्या शर्मा, आर. जोसफ, रक्षिता कुमारी, शौर्य कुमार सिंह, इथिका हरि, हरिनी कुलकर्णी, हरित, कुलकर्णी विजयी प्रतिभागी रहे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

तीसरे स्पिनर के साथ उतर सकती है टीम इंडिया

कुलदीप या अक्षर किसे मिलेगा मौका

कानपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच कल से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत दो मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

ग्रीन पार्क में पेसर्स के मुकाबले स्पिनर्स को ज्यादा विकेट मिले हैं। इसे देखते हुए भारतीय टीम 3 स्पिनर्स को मौका दे सकती है। अगर 3 स्पिनर रहे तो कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से किसी एक को मौका मिल सकता है।

बैटिंग लाइन-अप में बदलाव नहीं होगा

कानपुर में संभव है कि बैटिंग लाइन-अप में बदलाव नहीं होगा। इसमें पांच बैटर और एक विकेटकीपर को मौका मिलेगा। विराट कोहली, केएल राहुल और विकेटकीपर ऋषभ पंत जैसे सीनियर प्लेयर्स की टेस्ट टीम में वापसी हो चुकी है। पंत ने तो पहले टेस्ट के दूसरी पारी में शतक लगाकर शानदार वापसी की। टॉप-3 पोजिशन पर रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल का खेलना तय है।

2 ऑलराउंडर्स का खेलना तय

टॉप-6 बैटर्स के बाद टीम इंडिया रवींद्र जडेजा और पिछले मैच में सेंचुरी लगाने वाले रविचंद्रन अश्विन के रूप में 2 सीनियर स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर्स को मौका देगी। स्पिन डिपार्टमेंट में अगर टीम ने 3 बॉलर्स रखे तो कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से किसी एक को ही मौका मिला। बांग्लादेश को देखते हुए टीम इंडिया अपनी बॉलिंग डिपार्टमेंट को ही मजबूत करने पर ध्यान देगी। ऐसे में कुलदीप यादव को प्लेइंग-11 में शामिल कर सकती है।

2 तेज गेंदबाजों को मिल सकता है मौका

भारत प्लेइंग-11 में 2 तेज गेंदबाजों को मौका दे सकता है। इसमें जसप्रीत बुमराह खेल सकते हैं। उनके अलावा मोहम्मद सिराज, यश दयाल और आकाश दीप रेस में हैं। पिछले मैच में मोहम्मद सिराज और आकाश दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया था। इसलिए इन्हीं 2 में से किसी एक को मौका मिलेगा। सिराज का इकोनॉमी रेट अच्छा था, इसलिए सिराज यहां बाजी मार सकते हैं। यश दयाल अब तक डेब्यू नहीं कर सके हैं, इसलिए उन्हें मौका मिलना मुश्किल है।

जुरेल, दयाल और सरफराज को रिलीज कर सकती है टीम

ध्रुव जुरेल, यश दयाल और सरफराज खान अगर प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं हुए तो टीम उन्हें ईरानी कप के लिए रिलीज कर सकती है। वहीं अक्षर पटेल और आकाश दीप को बेंच पर बैठना पड़ सकता है।

बांग्लादेश भी प्लेइंग-11 में तीसरा स्पिनर शामिल कर सकती है

दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश के भी प्लेइंग-11 में एक बदलाव हो सकता है। टीम में 2 स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर्स शाकिब अल हसन और मेहदी हसन मिराज का खेलना लगभग तय है। टीम तेज गेंदबाज नाहिद राणा की जगह तीसरा स्पिनर तैजुल इस्लाम को शामिल कर सकती है।

दूसरे मुकाबले के लिए महमुदुल हसन जॉय, नाहिद राणा, नईम हसन, सैयद खालिद अहमद और जाकिर अली अनिक बाहर बैठ सकते हैं।

टेस्ट रैंकिंग में पंत छठे स्थान पर पहुंचे

रोहित और कोहली फिसले; गुरबाज टॉप-10 में पहुंचने वाले पहले अफगान बल्लेबाज

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। आईसीसी की नई टेस्ट रैंकिंग में भारत के बल्लेबाज ऋषभ पंत छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। एक्सीडेंट के बाद टेस्ट क्रिकेट वापसी कर रहे पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरी पारी में शतक लगाते हुए 109 रन की पारी खेली। बुधवार को जारी रैंकिंग में यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का फायदा हुआ है। यशस्वी 751 पॉइंट्स के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गए है।

टीम इंडिया के 3 बल्लेबाज टॉप 10 में हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में खराब परफॉरमेंस की वजह से रोहित शर्मा को 5 रैंकिंग का नुकसान हुआ है। अब भारतीय कप्तान नंबर 10 पर पहुंच गए हैं। पहले स्थान पर 899 पॉइंट्स के साथ इंग्लैंड के जो रुट मौजूद है।

टेस्ट रैंकिंग के चार स्थानों पर कोई बदलाव नहीं

आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में टॉप-4 में कोई भी बदलाव नहीं हुआ है। इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी जो रूट अभी भी 899 रेटिंग के साथ टॉप पोजीशन पर

मौजूद हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 852 रेटिंग प्वाइंट के साथ हैं। न्यूजीलैंड के ही डेरिल मिचेल 760 रेटिंग प्वाइंट लके साथ नंबर-3 और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 757 रेटिंग के साथ नंबर-4 पोजिशन पर बने हुए हैं।

गेंदबाजी में अश्विन टॉप पर, बुमराह दूसरे स्थान पर पहुंचे

बुमराह को नई रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ है। उनके अब 854 रेटिंग अंक हो गए हैं। उन्होंने पहले चेन्नई टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। गेंदबाजों में उनसे बेहतर रैंकिंग सिर्फ रविचंद्रन अश्विन की है। ऑफ स्पिनर 871 रेटिंग अंको के साथ टॉप पर मौजूद है। रविंद्र जडेजा को 1 पायदान का फायदा हुआ है, जिसके चलते वह छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष-10 में गेंदबाजों में भारत के ये 3 ही खिलाड़ी शामिल हैं।

श्रीलंका के लेफ्ट आर्म स्पिनर प्रबथ जयसूर्या को बॉलिंग रैंकिंग में 5 स्थान का फायदा हुआ है। जयसूर्या 743 पॉइंट्स के साथ 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के साथ पहले टेस्ट मैच की दोनों इनिंग में 9 विकेट लिए थे।

गुरबाज टॉप-10 में शामिल

मेंस ओडीआई बैटिंग रैंकिंग में अफगानिस्तान के ओपनर रहमुनुल्लाह गुरबाज टॉप-10 में पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। 10 पायदान के फायदे के साथ गुरबाज अब 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 692 पॉइंट है। गुरबाज ने हाल ही में हुई साउथ अफ्रीका के साथ वनडे सीरीज में शतक लगाया था।

बैटिंग रैंकिंग में भारत के 3 बल्लेबाज है। दूसरे नंबर पर 765 पॉइंट्स के साथ रोहित शर्मा, तीसरे नंबर पर 763 पॉइंट्स के साथ शुभमन गिल और चौथे नंबर पर 746 पॉइंट्स के साथ विराट कोहली है। पहले नंबर पर 824 पॉइंट्स के साथ पाकिस्तान के बाबर आजम मौजूद है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा को 5 पायदान का नुकसान

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को नई रैंकिंग में 5 पायदान का नुकसान हुआ है। रोहित शर्मा 5वें स्थान से गिरकर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही विराट कोहली को भी नई रैंकिंग में 5 स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है और वह अब 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

रेसलर विनेश फोगाट को नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी का नोटिस

जगह की सही जानकारी नहीं दी, 14 दिन में जवाब देना होगा

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल डोपिंग रोधी एजेंसी (NADA) ने रेसलर विनेश फोगाट को रहने के स्थल की सही जानकारी नहीं देने के कारण नोटिस भेजा है। नाडा ने विनेश से 14 दिन के अंदर जवाब मांगा है। एजेंसी ने नोटिस में विनेश को बताया कि उन्होंने अपने रहने के स्थल की जानकारी नहीं बताने की गलती की है, क्योंकि वह नौ सितंबर को सोनीपत के खरखौदा गांव में अपने घर पर डोप जांच के लिए उपलब्ध नहीं थीं।

नाडा के नोटिस में कहा गया है- 'आपको एंटी डोपिंग नियमों के तहत रहने के स्थल की जानकारी संबंधित जरूरतों का पालन करने में स्पष्ट विफलता के बारे में सूचित करने के लिए नोटिस दिया जाता है और मामले पर आखिरी फैसले से पहले जवाब मांगा जाता है। एक डोप कंट्रोल अधिकारी (डीसीओ) को आपकी जांच के लिए उस समय उस दिन उस स्थल पर भेजा गया था, लेकिन वे ऐसा करने में असमर्थ रहा, क्योंकि आप उस जगह पर मौजूद नहीं थीं।'

नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (RTP) में शामिल सभी खिलाड़ियों को डोप टेस्ट के लिए अपनी उपलब्धता की जानकारी देना जरूरी है। खिलाड़ी ने जिस स्थान की जानकारी दी है। अगर वह उस स्थान पर उपलब्ध नहीं होता, तो इसे ठिकाने की जानकारी

देने की विफलता माना जाता है। अगर कोई खिलाड़ी 12 महीने में तीन बार स्थल की जानकारी संबंधित नियमों का उल्लघंन करता है, तो ही नाडा एथलीट को आरोपित कर सकता है।

चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं विनेश

विनेश इस समय अपने साथी रेसलर बजरंग पुनिया के साथ जुलाना क्षेत्र के चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। वे इसी महीने उनके साथी पहलवान बजरंग पूनिया हाल में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुईं और वे जुलाना विधानसभा से आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं।

पेरिस ओलिंपिक में अयोग्य होने के बाद लिया था संन्यास

विनेश ने पेरिस ओलिंपिक में अयोग्य घोषित होने के बाद रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। वे फाइनल में पहुंचने के बावजूद मेडल हासिल नहीं कर सकी थीं। क्योंकि उन्हें 100 ग्राम ओवरवेट होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया था। फिर उन्होंने इसके खिलाफ CAS में अपील की, लेकिन अपील खारिज कर दी गई थीं।

50 kg वेट कैटेगरी में लगातार तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में पहुंच गई थीं। वे ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर बनी थीं।

पूर्व रेसलर योगेश्वर दत्त ने कहा है कि विनेश फोगाट को देश से माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि उनके कारण पेरिस ओलिंपिक में भारत को एक मेडल का नुकसान हुआ है।

41 साल के दत्त ने एक शो में कहा- 'अगर मैं विनेश की जगह होता, तो देश से माफी मांगता कि मैं अपना वेट कम नहीं कर सका, लेकिन उनका स्वागत हो रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि विनेश के साथ गलत हुआ।'

विनेश पेरिस ओलिंपिक में ओवरवेट होने के कारण अयोग्य घोषित हो गई थीं। उन्हें फाइनल में पहुंचने के बावजूद मेडल गंवाना पड़ा था।

फुटबाल : भारत ने अंडर-20 एशियाई कप क्वालिफायर में मंगोलिया को हराया

खेल डेस्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने मंगोलिया को 4-1 से हराकर एएफसी अंडर-20 फुटबाल एशियाई कप क्वालिफायर में अपना अभियान शुरू किया। भारत के लिए केल्विन सिंह ताओरेम ने 20वें मिनट में पहला गोल दागा। इसके बाद मांगलेनथांग किपजेन ने 51वें और 54वें मिनट में दो गोल कर टीम को 3-1 से आगे कर दिया। भारत के लिए चौथा गोल कोरोऊ सिंह थिंगुजाम ने 85वें मिनट में दागा। मंगोलिया के लिए एकमात्र गोल तेमुलेन ऊगानबाट ने 45वें मिनट में किया। भारतीय टीम अब 27 सितंबर को ईरान और 29 सितंबर को लाओस से भिड़ेगी।

'ग्रैंड स्लैम चैंपियन तैयार करने में 10 साल और लगेंगे'

महान लिएंडर पेस ने क्यों दिया ऐसा बयान?

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने कहा है कि भारत को ग्रैंडस्लैम चैंपियन तैयार करने में 10 साल और लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए देश के टेनिस को मिलने वाली सुविधाओं में जमीनी स्तर पर बदलाव करना होगा। पेस ने बुधवार को टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) की नीलामी में युवा प्रतिभाओं को निखारने और भविष्य के चैंपियन की पहचान करने और उसे विकसित करने के लिए एक प्रणाली बनाने के महत्व पर जोर दिया।

पेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि ग्रैंडस्लैम चैंपियन बनने में संभवतः 10 साल और लगेंगे। देश के टेनिस प्रशासन का ध्यान जमीनी स्तर पर होने की जरूरत है। फिर फीडर सिस्टम आ रहा है और वहां से आप संख्याओं का मंथन करते हैं।' हाल में टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए पेस का मानना है कि भारत में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में काफी क्षमता को नहीं उभारा गया है।

उन्होंने खेल बिरादरी और पूर्व एथलीटों से आग्रह किया कि वे सक्रिय रूप से वंचित क्षेत्रों में प्रतिभा की तलाश करें। उन्होंने कहा, 'भारत में हमारे पास जबरदस्त प्रतिभा है, लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचें, उस प्रतिभा को खोजें, उसे परखें और टेनिस अकादमियों में उसका पोषण करें।' 18 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले पूर्व युगल विश्व नंबर एक खिलाड़ी पेस ने भारत को खेल महाशक्ति बनने के लिए अपना दृष्टिकोण भी साझा किया। देश का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करना और पदक तालिका में शीर्ष 10 में रहना है। पेस ने उस भूमिका पर जोर दिया जो पूर्व खिलाड़ी और शासन इस सपने को पूरा करने में निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि अगर भारत 2036 ओलंपिक तक पावरहाउस बनना चाहता है, तो हमारे पास इसे हासिल करने के लिए 12 साल का समय है। यह सिर्फ ओलंपिक की मेजबानी के बारे में नहीं है, बल्कि पदक जीतने के बारे में भी है। तभी यह असली जीत होगी।'

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के 28 सितंबर को होने वाले चुनावों में विवादों का सामना करना पड़ा है क्योंकि टेनिस स्टार सोमदेव देववर्मन और पूरव राजा ने खेल संहिता के कथित उल्लंघन के लिए चुनाव प्रक्रिया को चुनौती दी है। हालांकि, पेस ने कानूनी विवाद में पड़ने से परहेज किया, लेकिन उन्होंने शांतिपूर्ण चर्चा की वकालत की। उन्होंने कहा, 'किसी भी मतभेद को बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता है। भले ही मतभेद नहीं सुलझाए जा सकते, लेकिन आपसी सम्मान होना चाहिए।'

पेस ने हाल ही में भारतीय टेनिस जोड़ी जीवन नेदुनचेझियान और विजय सुंदर प्रशांत की सफलता की भी सराहना की। इन दोनों ने एटीपी 250 हांगझोऊ ओपन 2024 में युगल खिताब जीता था। पेस ने कहा, 'जीवन का जुनून और कोर्ट पर उनका उत्साह शानदार है और उन्हें हांगझोऊ में जीतते हुए देखना बहुत अच्छा था। उन सभी युवा टेनिस खिलाड़ियों के लिए उत्साहित हूं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए त्याग कर रहे हैं।'

पंजाब किंग्स में शिखर धवन की जगह लेगा डेविड वॉर्नर

अपनी कप्तानी में इस टीम को जिता चुका है ट्रॉफी

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे हलचल बढ़ रही है. सभी टीमों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है. इस कड़ी में पंजाब किंग्स ने हाल ही में रिकी पॉन्टिंग को हेड कोच बनाया. इससे पहले वो 7 साल तक दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच थे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पॉन्टिंग अपने साथ दिल्ली के ओपनर डेविड वॉर्नर को अपने साथ पंजाब किंग्स में शामिल करा सकते हैं. पंजाब के ओपनर और कप्तान शिखर धवन ने हाल ही में रिटायरमेंट लिया था. ऐसे में उनकी जगह खाली है और पंजाब के लिए वॉर्नर एक परफेक्ट रिप्लेसमेंट हो सकते हैं. वॉर्नर को कप्तानी का भी अनुभव है और वह 2016 के सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद को ट्रॉफी भी जिता चुके हैं.

दिल्ली के फैसले पर निर्भर पंजाब

पंजाब किंग्स ने डेविड वॉर्नर को शामिल करने को लेकर अभी

तक मीडिया कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है. लेकिन रिकी पॉन्टिंग की वजह से इसकी संभावना जताई जा रही है. प्रीति जिंटा की टीम ने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है. उनकी टीम ने आखिरी बार 10 साल पहले यानि 2014 में प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था. ऐसे में अपनी टीम के प्रदर्शन को सुधार करने के लिए वह एक अच्छे हेड कोच और कप्तान की तलाश है.

पॉन्टिंग के रहते हुए दिल्ली की टीम 2020 में फाइनल तक पहुंची थी. यानि उन्हें हेड कोच चुनकर पंजाब ने अपना पहला लक्ष्य पूरा कर लिया है. अब उन्हें एक अच्छे ओपनर और कप्तान की तलाश है, जो वॉर्नर पूरा कर सकते हैं. लेकिन इसके लिए उन्हें दिल्ली कैपिटल्स के फैसले पर निर्भर रहना पड़ेगा. ये देखना होगा कि दिल्ली की टीम अगले सीजन के लिए वॉर्नर को रिटेन करती है या नहीं.

दिल्ली इन खिलाड़ियों को कर सकती है रिटेन

बीसीसीआई ने अभी तक आईपीएल 2025 के लिए रिटेंशन के नियम को जारी नहीं किया है. हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नियम तय किए जा चुके हैं और एपेक्स काउंसिल के मीटिंग में इसे जारी किया जा सकता है.

इस बार बोर्ड 5 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमित दे सकता है, जिसमें 3 भारतीय और 2 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे.

अगर ऐसा होता है तो पिछले साल के प्रदर्शन और भविष्य को देखते हुए ऋषभ पंत, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के साथ जेक फ्रेजर मैक्गर्क और ट्रिस्टियन स्टब्स को रिटेन करने का अनुमान लगाया जा रहा है. वहीं डेविड वॉर्नर 37 साल के हो चुके हैं और उनके प्रदर्शन में भी गिरावट देखने को मिली है. साथ ही वो इंजरी की समस्या से भी जुझते रहे हैं. ऐसे में बहुद हद तक उम्मीद है कि दिल्ली की टीम उन्हें रिलीज कर देगी.

आईपीएल 2025 में केकेआर से होगी दिग्गज खिलाड़ियों की विदाई, बड़ा झटका लगना तय

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। आईपीएल-2025 के लिए होने वाले मेगा ऑक्शन से पहले मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लग सकता है। इस ऑक्शन के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स को अपने दिग्गज खिलाड़ियों को विदा करना पड़ सकता है। मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए ये फैसला करना हरगिज आसान नहीं होगा, क्योंकि ये खिलाड़ी टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं और उनकी तूती पूरी दुनिया में बोलती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएल-2025 के लिए सभी टीमें 5-5 खिलाड़ियों को ही रिटेन कर सकेंगे। इसमें भारतीय खिलाड़ियों की संख्या 3 और विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 2 हो सकती है। अगर इसी फॉर्मूले पर रिटेंशन हुआ तो कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बड़ी मुश्किल पैदा हो जाएगी।

आईपीएल-2024 की चैंपियन टीम कोलकाता नाइट राइडर्स जिन तीन भारतीय खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है उसमें सबसे पहला नाम श्रेयस अय्यर का है। श्रेयस अय्यर टीम के मध्यक्रम के मजबूत बल्लेबाज हैं और उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को आईपीएल-2024 का चैंपियन बनाया था। ऐसे में माना जा रहा है कि केकेआर अपने चैंपियन कप्तान श्रेयस अय्यर को हर हाल में रिटेन करेगी। फ्रेंचाइजी श्रेयस अय्यर के अलावा रिंकू सिंह को भी रिटेन करेगी। रिंकू सिंह का रिटेन होना

लगभग तय है। रिंकू सिंह टीम के स्टार फिनिशर खिलाड़ी हैं और उन्होंने कई मौकों पर खुद को साबित भी किया है। वहीं, केकेआर तीसरे भारतीय क्रिकेटर के रूप में हर्षित राणा को रिटेन कर सकती है। हर्षित राणा ने पिछले सीजन में टीम के लिए शानदार गेंदबाजी की थी।

अगर बीसीसीआई सिर्फ दो ही विदेशी खिलाड़ी को रिटेन करने की अनुमति देगी तो केकेआर को बड़ा झटका लगेगा। केकेआर में मौजूदा समय में कई ऐसे विदेशी खिलाड़ी हैं जो अपने ही दम पर टीम को मैच में जीत दिला सकते हैं। इसमें आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, मिचेल स्टार्क, शाकिब अल हसन, रहमानउल्लाह गुरबाज और फिल साल्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। अगर इन खिलाड़ियों में टीम को सिर्फ दो ही खिलाड़ियों को रिटेन करना होगा तो केकेआर सुनील नारायण और आंद्रे रसेल को छोड़ने की गलती किसी भी कीमत पर नहीं करना चाहेगी।

सुनील नारायण केकेआर के ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनसे टीम की पहचान होती है। अपने बैटिंग और बॉलिंग दोनों से ही वह केकेआर को मैच जिता चुके हैं। आईपीएल 2024 में वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी रहे थे। ऐसे में सुनील नारायण के रिलीज करने का सवाल ही नहीं उठता है। सुनील नारायण की तरह ही आंद्रे रसेल भी टीम के लिए काफी अहम खिलाड़ी हैं। हालांकि, आंद्रे रसेल की फिटनेस एक वजह हो सकती है लेकिन फिर भी संभावना यही है कि फ्रेंचाइजी उन्हें अपने साथ बनाए रखे।

केकेआर से फिल साल्ट, मिचेल स्टार्क, रहमानउल्लाह गुरबाज और शाकिब अल हसन जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की इस बार विदाई हो सकती है। फिल साल्ट और मिचेल स्टार्क की जोड़ी ने अपने दमदार प्रदर्शन से केकेआर को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। माना जा रहा है कि फ्रेंचाइजी दोनों ही खिलाड़ियों को फिर से ऑक्शन के माध्यम से अपने साथ जोड़ने की कोशिश करेगी। वहीं, फ्रेंचाइजी अफगानिस्तान के विस्फोटक बल्लेबाज रहमानउल्लाह गुरबाज को भी फिर से ऑक्शन में खरीद सकती है। हालांकि, बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की इस बार केकेआर से विदाई होना लगभग तय माना जा रहा है।

लंबित परियोजनाओं के पूरे होने पर तेलंगाना देश के लिए एक आदर्श होगा : सीएम

> सिंचाई विभाग में नवनियुक्त सहायक अभियंताओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को हैदराबाद में जल सौधा में राज्य सिंचाई विभाग में नवनियुक्त सहायक अभियंताओं को नियुक्ति आदेश सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य का गठन पानी और नौकरियों के लिए संघर्ष करने वाले लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया गया है। पानी तेलंगाना संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सभी नवनियुक्त व्यक्तियों को राज्य के महत्वपूर्ण सिंचाई विभाग के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया जाता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के एक दशक बाद वर्तमान सरकार भर्ती प्रक्रिया में तेजी से आगे बढ़ रही है। नौकरी पाना भी सभी के लिए एक भावना है। तेलंगाना के लोगों की भावनाएं पानी से जुड़ी हैं। लोगों की भावनाओं का सम्मान करना और राज्य की जरूरतों के लिए पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करना आपकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का अनुभव प्राप्त करने वाले अधिकारी अपने पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे। नेता भी सफल राजनेता और शासक बनते हैं जो केवल नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करते हैं। पीवी नरसिम्हा राव, कोटला विजय भास्कर रेड्डी और नीलम संजीव रेड्डी जैसे नेता सरपंच के स्तर से मुख्यमंत्री और यहां तक कि प्रधानमंत्री तक पहुंचे। मैं भी जिला परिषद सदस्य से सीएम स्तर तक आया हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले इंजीनियर सुबह-सुबह फील्ड निरीक्षण करने जाते थे और रिपोर्ट लिखते थे। इन दिनों अधिकारियों ने फील्ड में जाना बंद कर दिया है। जनता की सरकार ने पहले ही अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने का आदेश दिया है। पिछली सरकार ने कालेश्वरम परियोजना के निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च किए लेकिन ढांचा ढह गया। अधिकारियों को सामने आकर बताना चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। क्या अधिकारी या राजनेता? कालेश्वरम एक आदर्श अध्ययन का आदर्श उदाहरण है। उस्मान सागर और हिमायत सागर का निर्माण करने वाले प्रसिद्ध इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को सभी सिंचाई इंजीनियरों के लिए आदर्श मानें। अगर सरकार कालेश्वरम की घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करती है तो पूरे सिंचाई विभाग को भंग करना पड़ेगा। अगर कार्रवाई नहीं की गई तो सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ेगा। ईई और एसई स्तर के इंजीनियर एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। अगर राजनेताओं द्वारा लिए गए गलत फैसलों पर अमल नहीं किया जाता तो ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती। लिफ्ट योजना पर एक लाख करोड़ खर्च करने के बाद भी कालेश्वरम एक लाख एकड़ में भी सिंचाई सुविधा उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से अपील है कि पिछले 10 वर्षों से लंबित परियोजनाओं को पूरा न करने के कारणों की जांच करें।

केसीआर की मेहनत से मिली सफलता पर सवार है कांग्रेस : हरीश

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा पूर्व में उठाए गए कदमों से राज्य में कृषि और कपास उत्पादन में वृद्धि हुई है, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की सफलता पर ही निर्भर है। राज्य में चावल और कपास उत्पादन के कुछ विवरण साझा करते हुए पूर्व मंत्री ने एक्स पर कहा कि तेलंगाना वर्ष 2023-24 के लिए चावल उत्पादन में नंबर 1 और कपास उत्पादन में नंबर 3 पर रहा। कृषि मंत्रालय के 2023-24 के दौरान प्रमुख कृषि फसलों के अंतिम अनुमानों के अनुसार, तेलंगाना 168.75 लाख टन के साथ देश में सबसे बड़ा चावल उत्पादक राज्य बनकर उभरा है। 2022-23 में, तेलंगाना ने 158.77 लाख टन उत्पादन किया और चावल उत्पादन में दूसरे स्थान पर रहा। इसी तरह, कपास उत्पादन में भी तेलंगाना ने अपनी छाप छोड़ी।

राज्य ने 2023-24 में 50.8 लाख गांठ कपास का उत्पादन किया और देश के शीर्ष कपास उत्पादक राज्यों में तीसरे स्थान पर रहा। राव ने बताया कि यह उपलब्धि रातों-रात नहीं हुई, यह केसीआर की कृषि और सिंचाई के प्रति अटूट समर्पण है जिसने इसे संभव बनाया है। कांग्रेस सरकार केवल केसीआर की कड़ी मेहनत से अर्जित सफलता पर सवार है। यह केसीआर की दूरदृष्टि ही है जिसने वास्तव में तेलंगाना को कृषि में अग्रणी बनाया है।

झील में बनी अवैध इमारत ध्वस्त हाइड्रा की कार्रवाई से हड़कंप

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जल निकायों को बचाने के लिए अवैध निर्माण के खिलाफ जारी अभियान में संगारेड्डी जिले के अधिकारियों ने गुरुवार को एक नियंत्रित विस्फोट के साथ एक झील में निर्मित बहुमंजिला इमारत को ध्वस्त कर दिया। हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर कोंडापुर मंडल के मलकापुर में एक झील में बिना अनुमति के चार मंजिला इमारत का निर्माण किया गया था। ग्रामीणों की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए राजस्व अधिकारियों ने विस्फोटकों का इस्तेमाल करके इमारत को ध्वस्त कर दिया। मालिक ने झील में इमारत तक जाने के लिए सीढ़ी के साथ एक रैंप भी बनाया था। अधिकारियों के अनुसार, हैदराबाद के एक व्यक्ति ने 12 साल पहले इस इमारत का निर्माण करवाया था। मालिक अपने परिवार के साथ सप्ताहांत यहां बिता रहे थे। यहां एक स्विमिंग पूल भी निर्माणाधीन था। झीलों, तालाबों, जलाशयों और अन्य जल निकायों की अतिक्रमित भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए अवैध संरचनाओं के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किए जाने के बाद से यह पहली बार है जब अधिकारियों ने किसी संरचना को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटकों का इस्तेमाल किया है। तहसीलदार अनीता ने बताया कि झील का फुल टैंक लेवल (एफटीएल) एरिया 3.1 एकड़ है।

उस्मानिया जनरल अस्पताल में सफल रहा लिवर, किडनी प्रत्यारोपण

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले दो महीनों में, उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) के प्रत्यारोपण सर्जनों ने दो-दो शवों के लीवर और किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किए हैं, इसके अलावा उन्होंने मस्तिष्क मृत घोषित मरीजों से इन-हाउस अंगदान भी लिया है। 29 अगस्त को प्रत्यारोपण टीमों ने सूर्यपेट मेडिकल कॉलेज के जनरल सर्जरी के एसोसिएट प्रोफेसर और नलगोंडा के मूल निवासी 45 वर्षीय डॉ. रवि सुंदर पर कैडेवर लिवर प्रत्यारोपण सर्जरी की, जिन्हें वायरल संक्रमण के कारण पूर्ण रूप से लिवर फेल होने के कारण ओजीएच में भर्ती कराया गया था। वह बहुत बीमार था, उसका बिलीरूबिन बहुत अधिक था, कोएगुलोपैथी, सुस्ती थी।

डीआरडीओ और आईएनएई द्वारा दो दिवसीय इंजीनियर्स कॉन्क्लेव आयोजित

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 11वां इंजीनियर्स कॉन्क्लेव 2024, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी (आईएनएई) के सहयोग से 26 और 27 सितंबर, 2024 को आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक प्रमुख दो दिवसीय कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनिल काकोडकर और विशिष्ट अतिथि डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने किया। सम्मेलन में दो राष्ट्रीय रणनीतिक प्राथमिकताओं रक्षा अनुप्रयोगों के लिए एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग पर विचार-विमर्श किया गया, जिसका समन्वय डॉ. जी मधुसूदन रेड्डी ने किया और रक्षा विनिर्माण प्रौद्योगिकी का समन्वय जेजे जाधव ने किया। यह कार्यक्रम इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के नेताओं को उभरती प्रौद्योगिकियों और स्वदेशीकरण में प्रगति पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाता है।

डीआरडीएल, हैदराबाद के निदेशक जी.ए. श्रीनिवास मूर्ति, मिसाइल और सामरिक प्रणाली के महानिदेशक यू राजा बाबू ने रक्षा विनिर्माण में चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिसके बाद आईएनएई के अध्यक्ष प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने अध्यक्षीय भाषण दिया। संयोजक डॉ. जयतीर्थ आर. जोशी ने रक्षा मंत्री का संदेश दिया और सभी प्रतिनिधियों को उनकी सक्रिय भागीदारी और उत्पादक विचार-विमर्श के लिए धन्यवाद दिया, जो भारत को 'आत्मनिर्भर भारत' बनाता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.